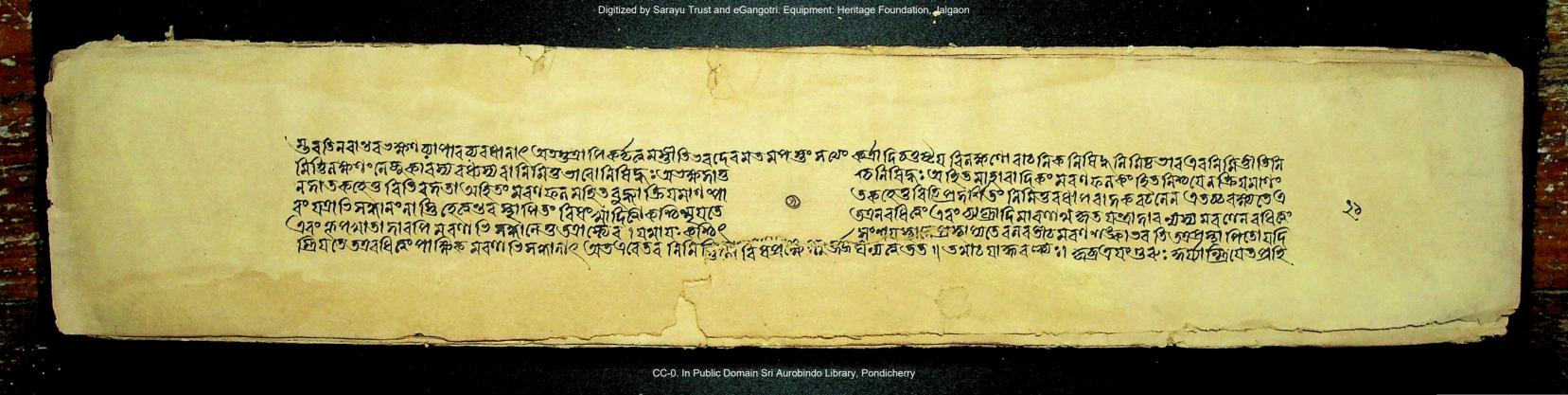
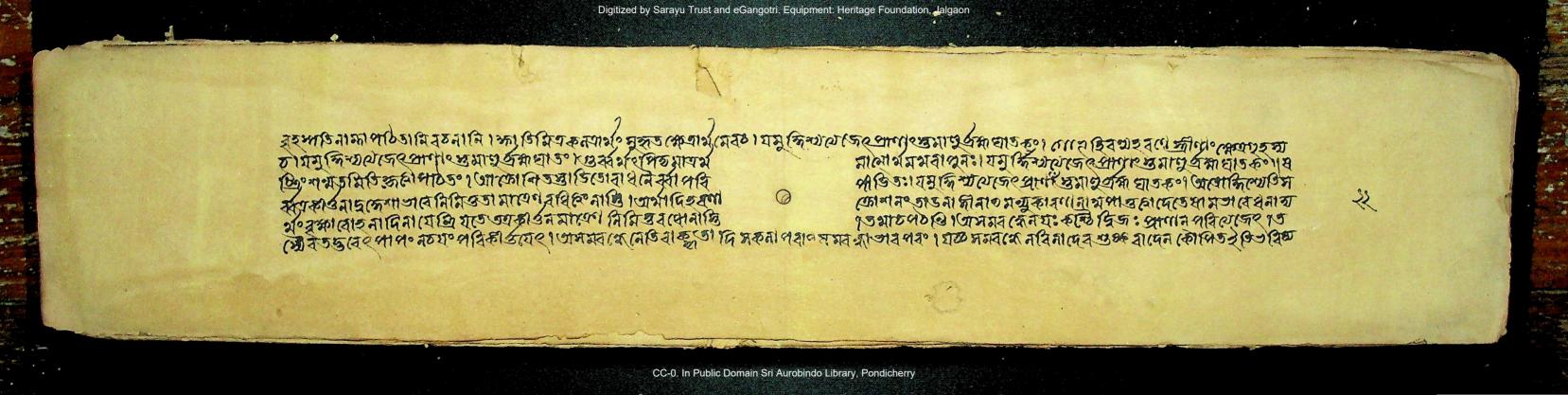


प्रकारक्र तिवारक्ष । भाष्ट्र विकास क्ष्य क्ष्य





लिताः जनाना अकत विकार लिलिः निष्ठामा भूटेक र्यम् स्वार्थिय वर्ष्यम् मुम्ल्य तथन । लित्वां जाया जित्र भी । तामिना न्य कि ला स्थित मुक्तिली क्रा करा विना १ १ इन्याना ॰ ज्या निस्थ द सक्छा न द्या स्वाल हिकालो शनवरमः लाक विकिक च कि विषयः विलाभ मार्का लोगमा १५ जा कि जा क्ता नात । किस्नानी विरुद्धिया मध्य विस्त्री के अधि किस के विस्त्री के स्त्री के अधि के स्त्री क भागाण्याका विकास विकास । विकास मार्था मार्था मार्था मार्थ । । क्रियन विकास । एक्सिका विकास भागा क्रिया के क्रिया विकास क्

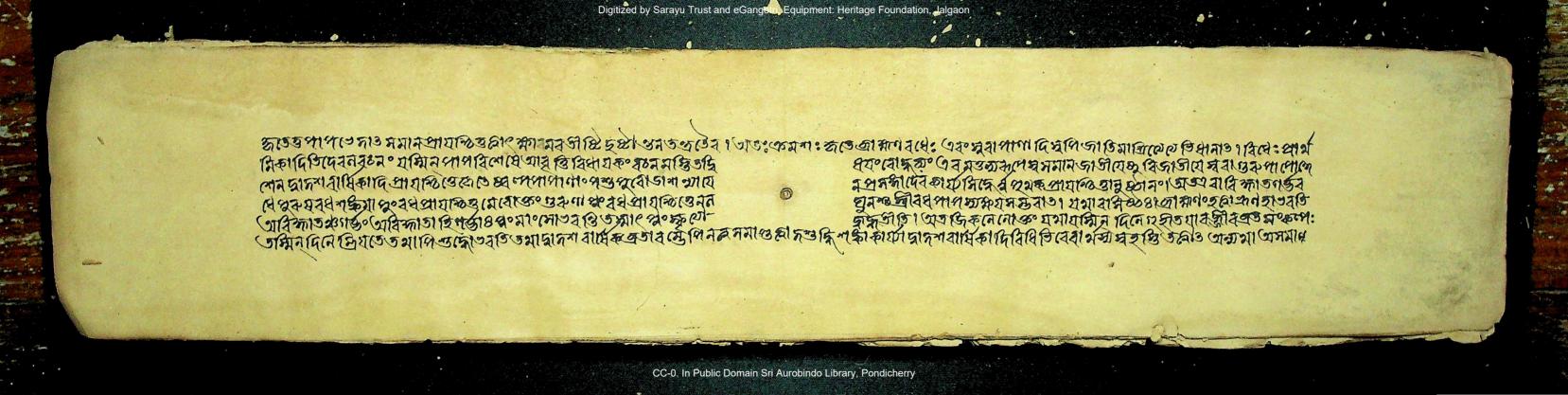
মন্ত্র প্রত্ত তি সাহার্ত করে দ্বাহা মর দ্বাহা মর দ্বাহা বিষয়াত বিশ্বির বিশ্ব প্রার্থ বিশ্ব প্রার্থ বিশ্ব পরি তি বার্থ পরি তির কর্ম পরা বিশ্ব পরি তির কর্ম করা বিশ্ব পরি তির করা বিশ্ব পরি তির কর্ম করা বিশ্ব পরি তির কর্ম করা বিশ্ব পরি তির কর্ম করা বিশ্ব পরি তির করা বিশ্ব পরি তির কর্ম করা বিশ্ব পরি তির করা বিশ্ব পরি তির কর্ম করা বিশ্ব পরি তির করা বিশ্ব পরি করা বিশ্ব পর করা বিশ্ব পরি করা বিশ্ব পর করা বিশ্

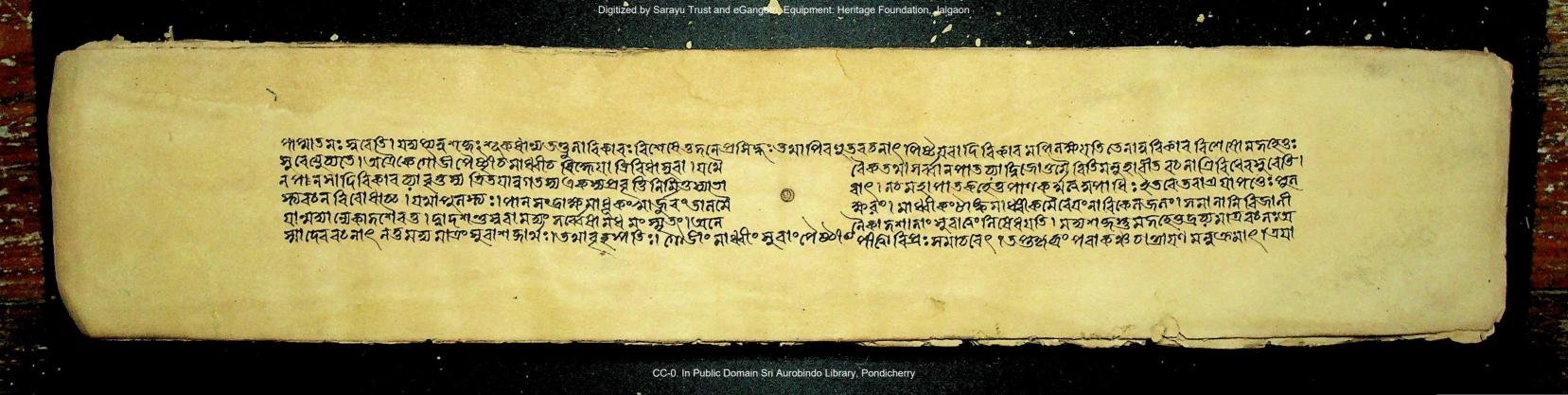
अञ्भाषा प्रलाइ सार्विया। (या ग्राम्य प्राप्ति । प्राप्त भूतिका। इंद्रकान्त्रका। १५१० प्राप्त्र ना ना विकास त्र का माना का विद्याप न्याय निर्धानिक अन्तरी विष्य दिन कि स्वास्त्र भी का मारा कि कि । का मारा व्यास्त्र निर्म कि विष्य कि विष्य कि का मारा कि का निर्मा कि का निर्म कि का निर्मा कि का निर्मा कि का निर्म कि का निर्मा कि का निर्म कि का निर्म

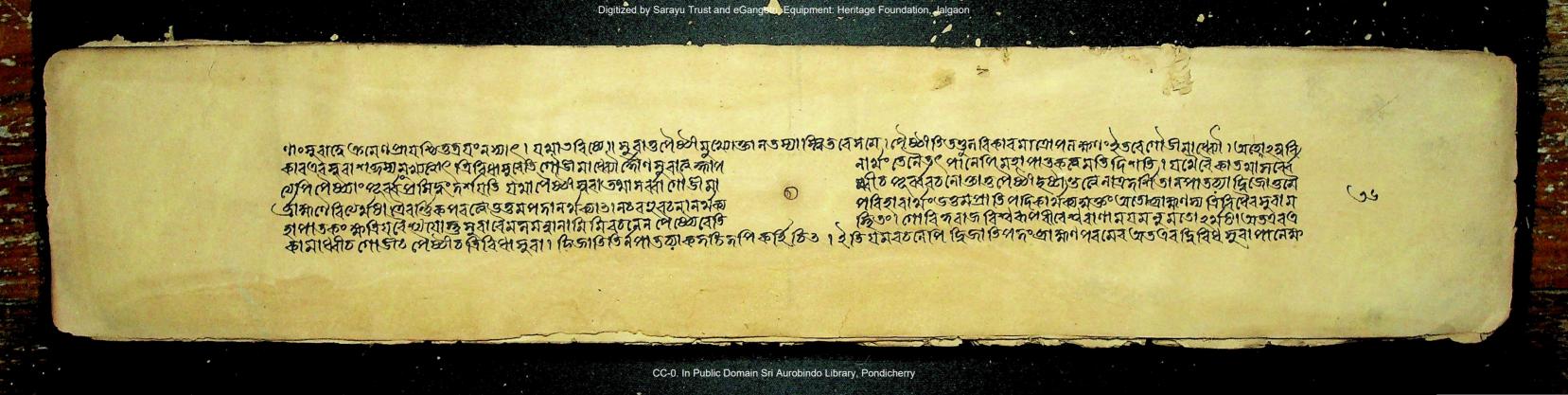
रक्ष

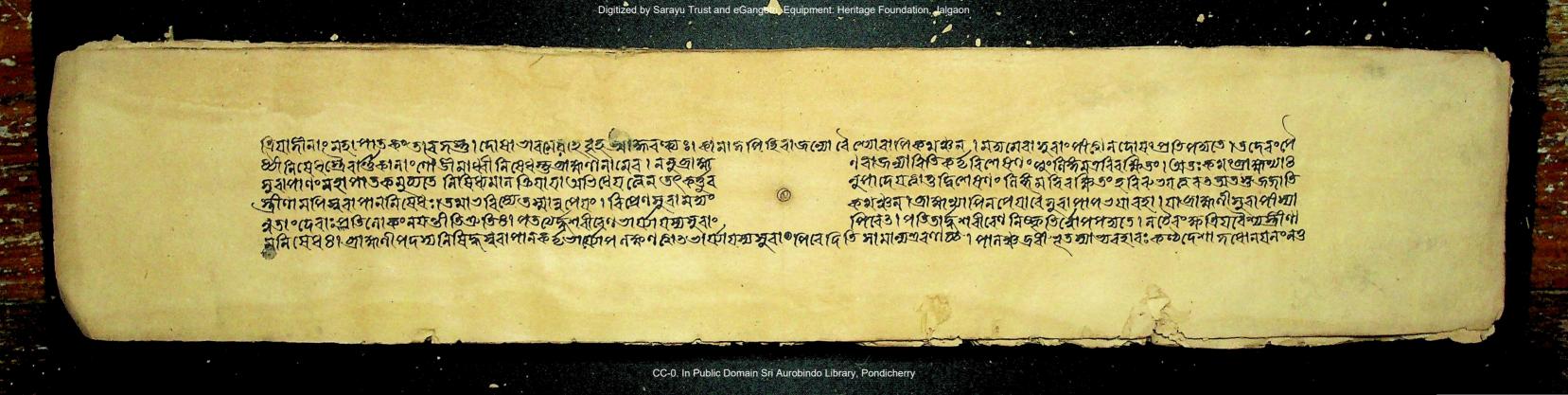
एक ग्राहिक निकार महाति के निकार के कि नि

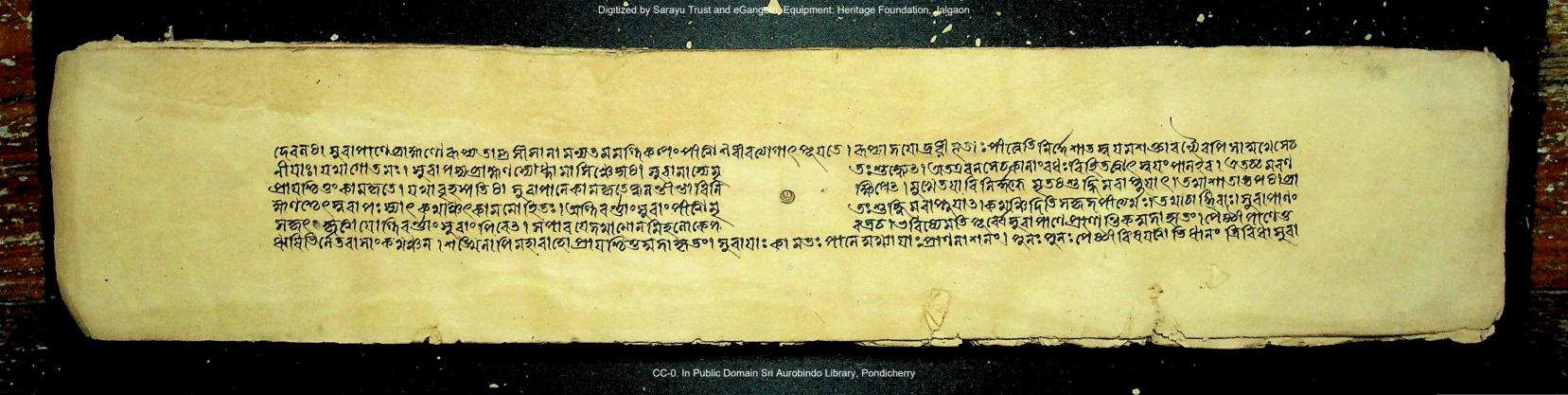
তিনি মন্ত্র মন্ত্রালি পান মন্ত্রালি ক্রিয়ালি কর্মানি ক্রিয়ালি ক্রিয়ালিক ক্রয়ালিক ক্রিয়ালিক ক্রিয়ালিক ক্রিয়ালিক ক্রিয়ালিক ক্রিয়ালিক ক্

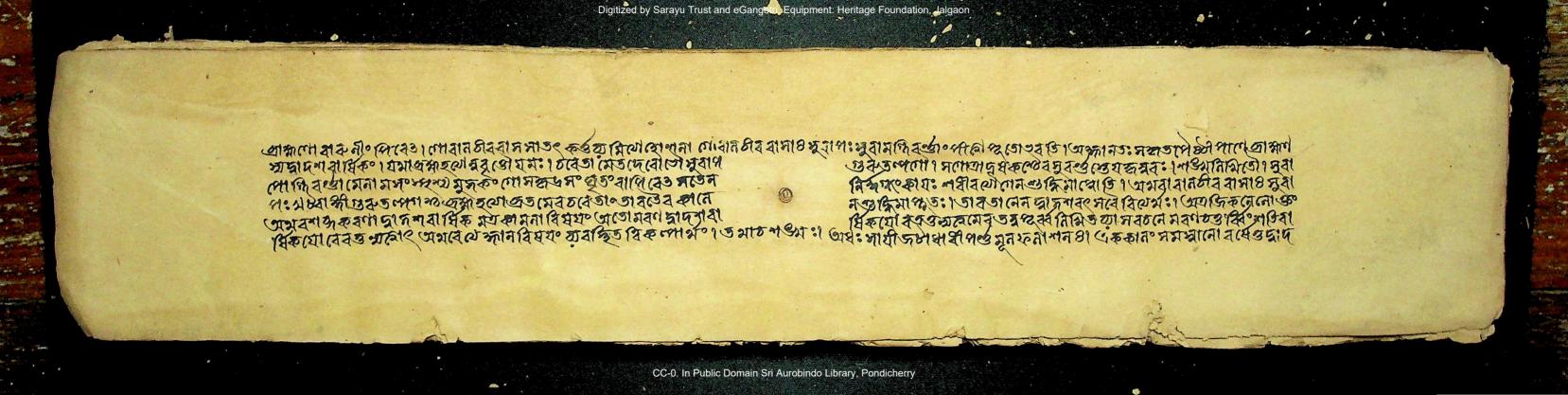


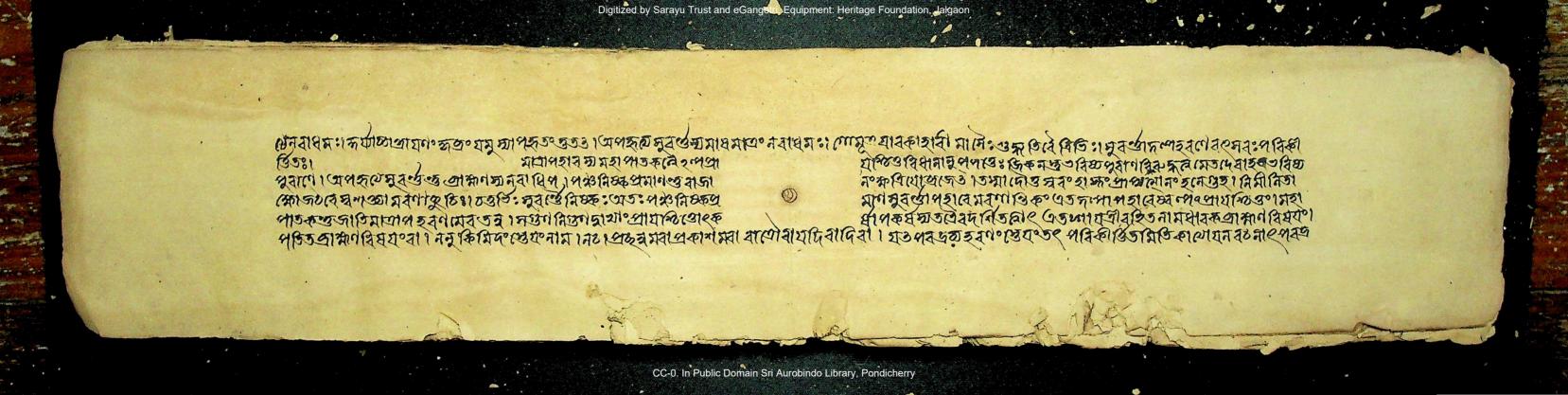


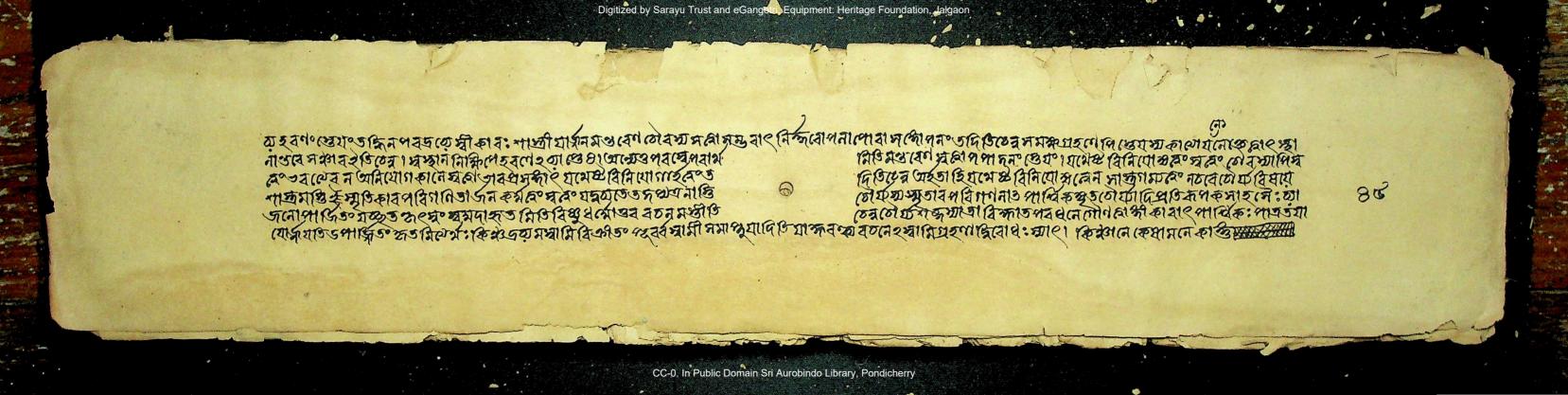


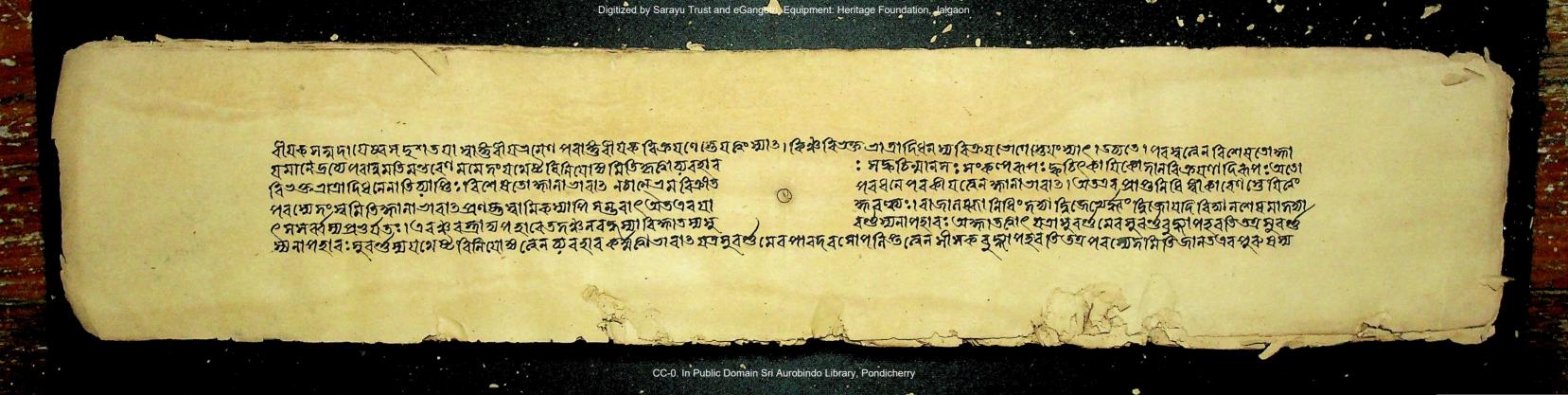


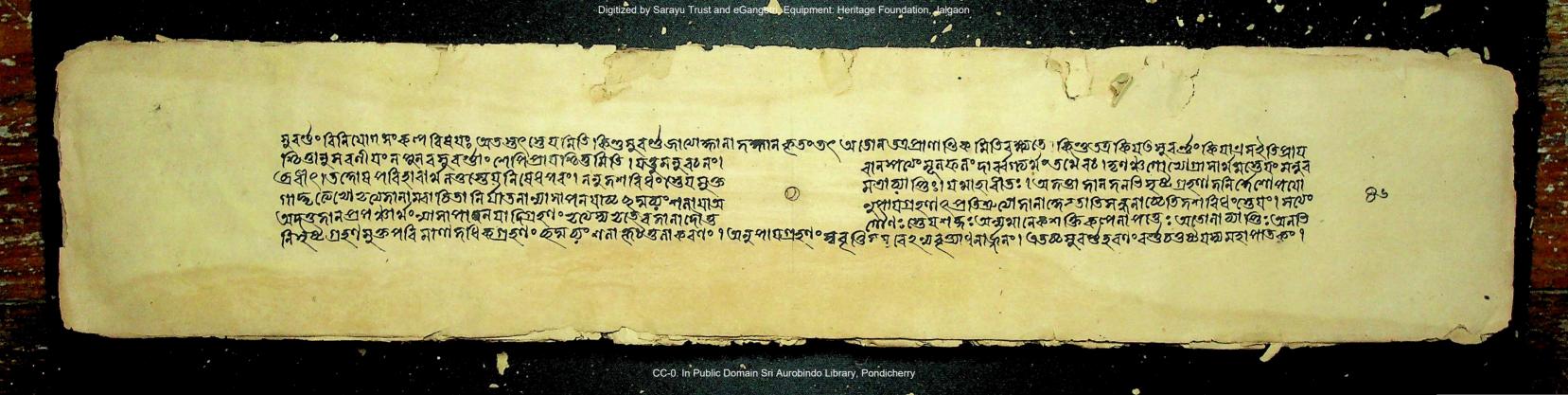


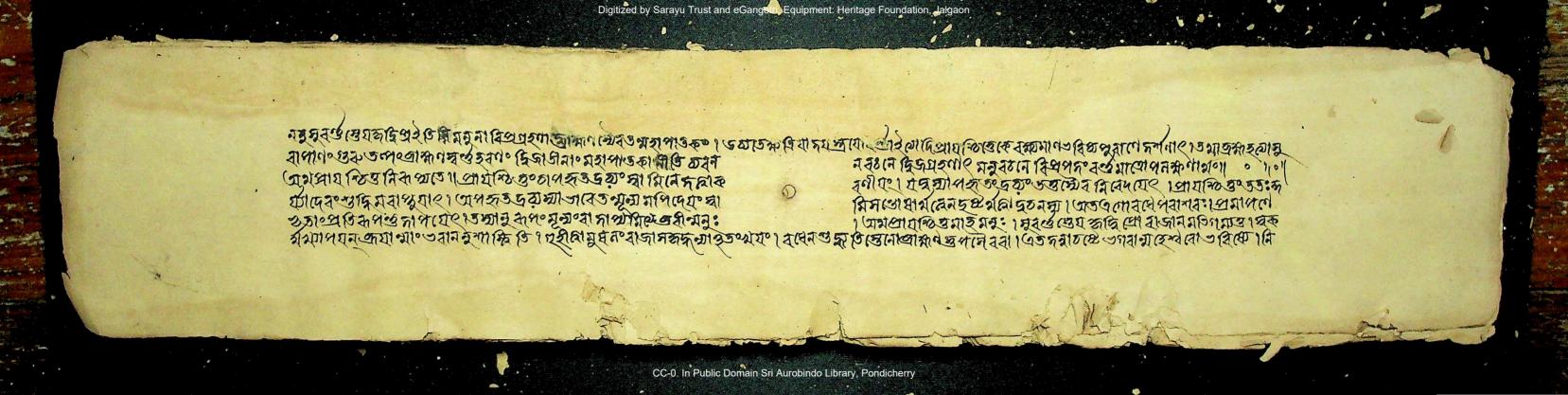


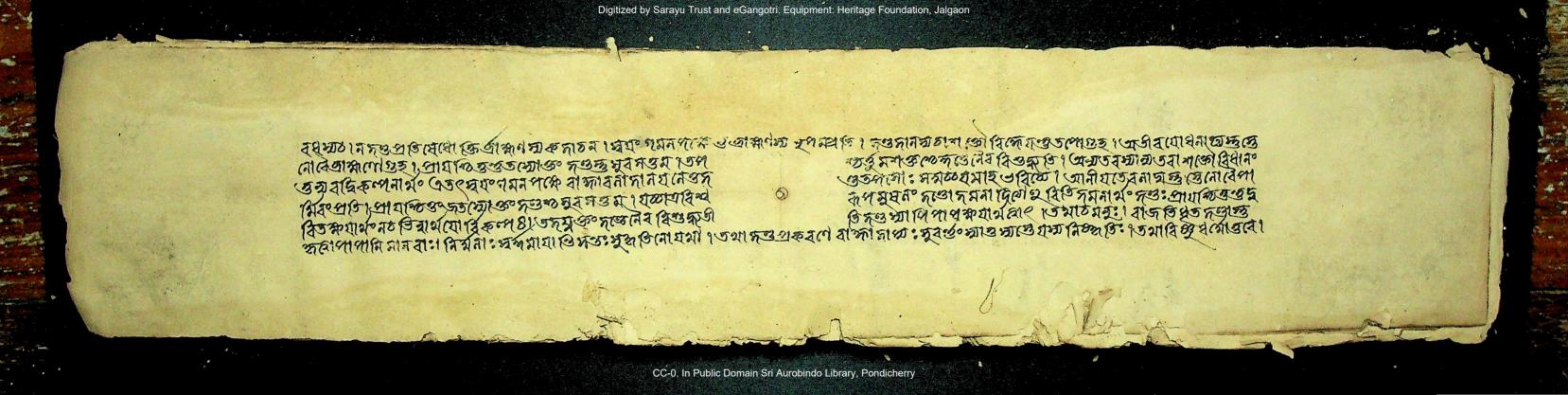


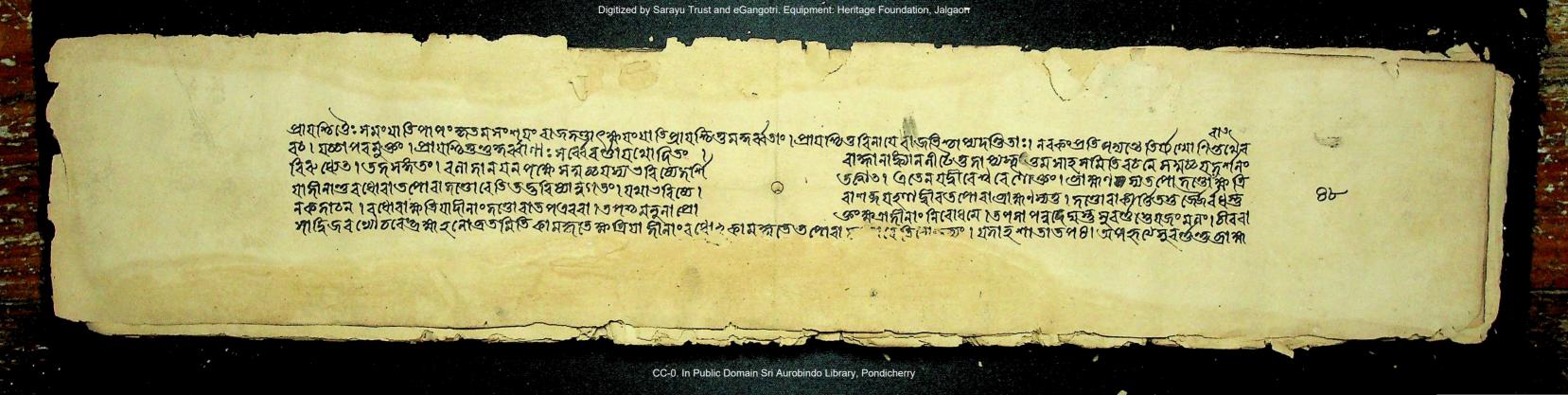


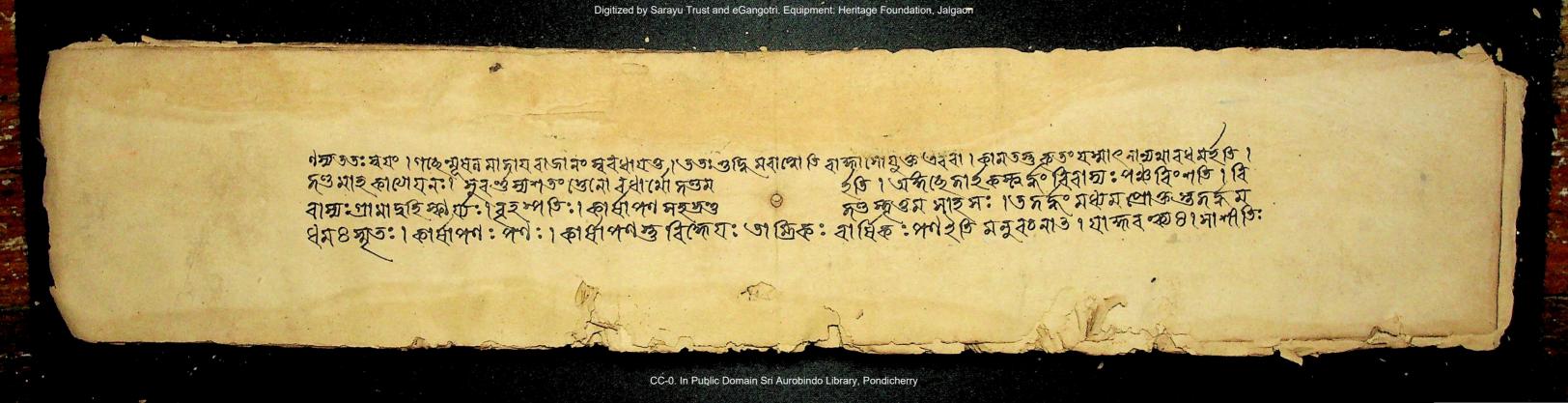


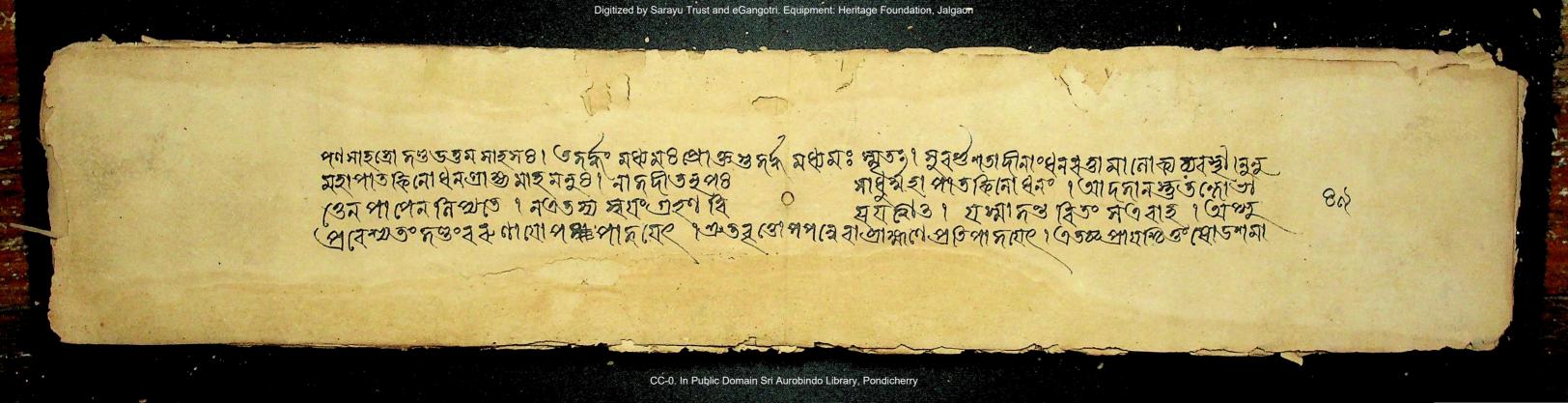


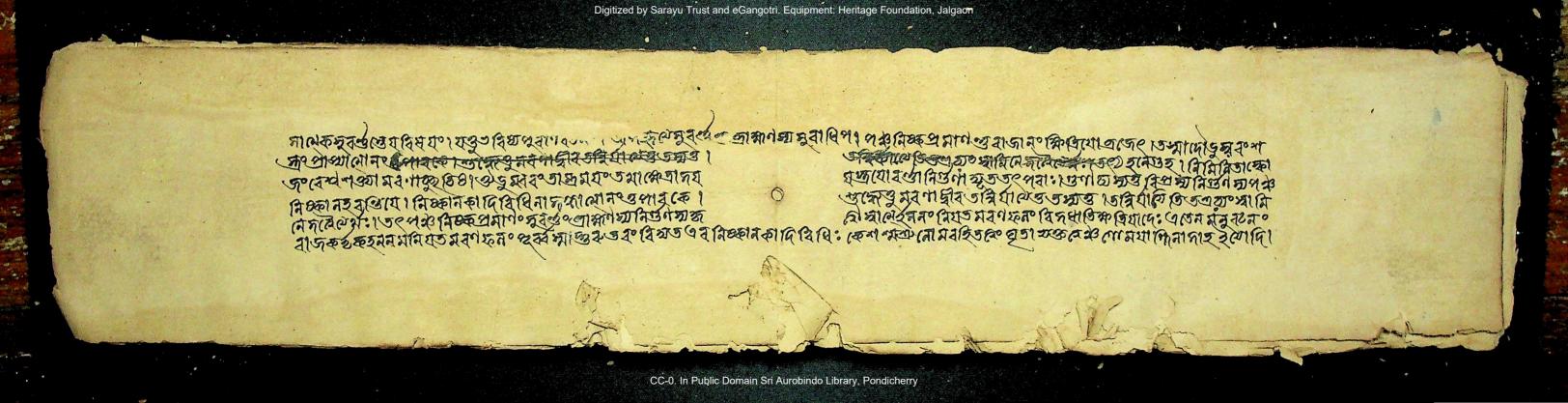


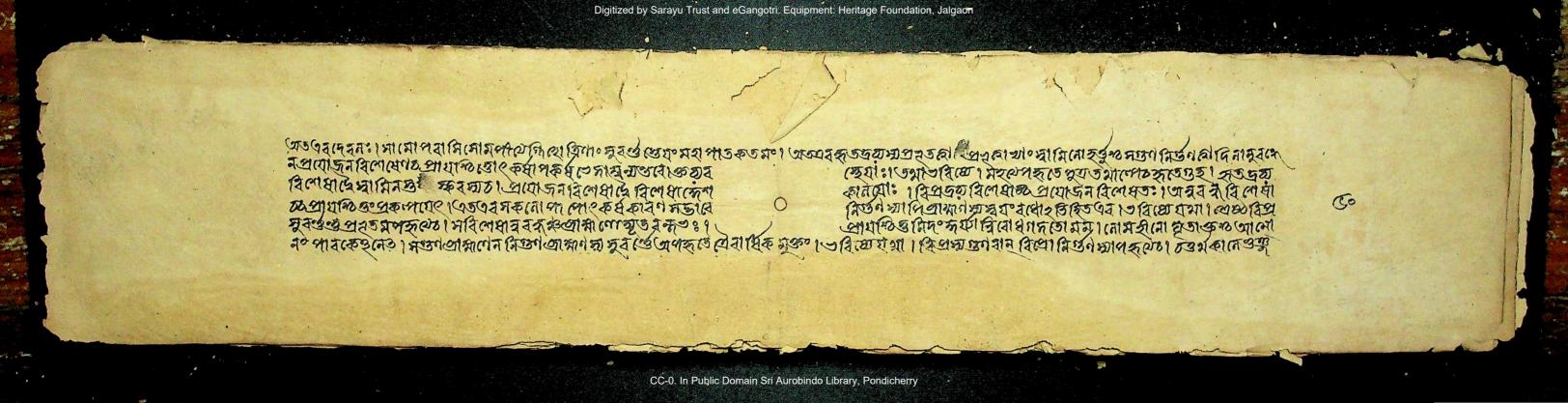


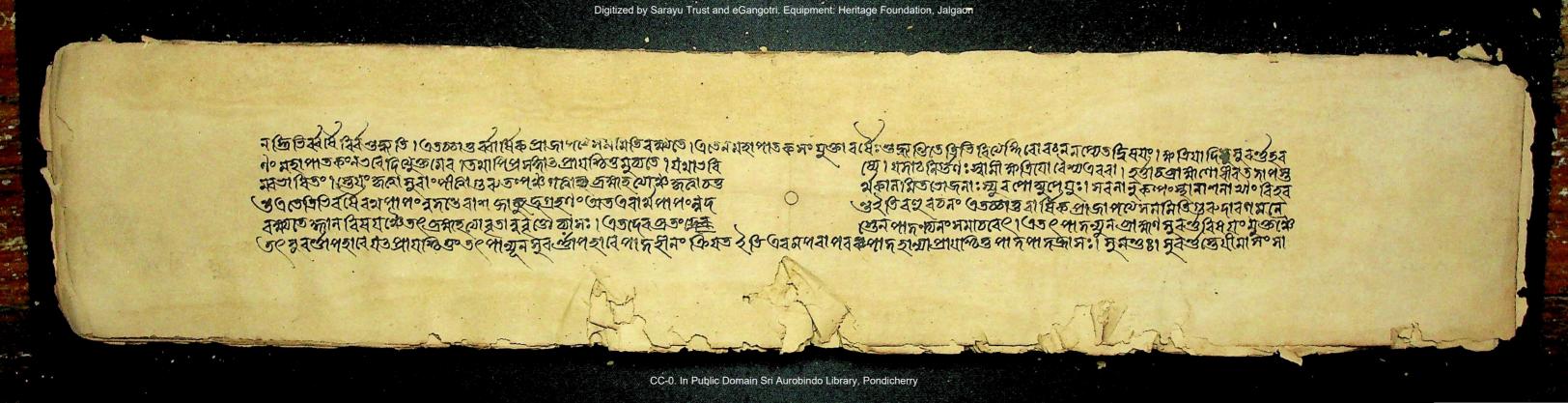


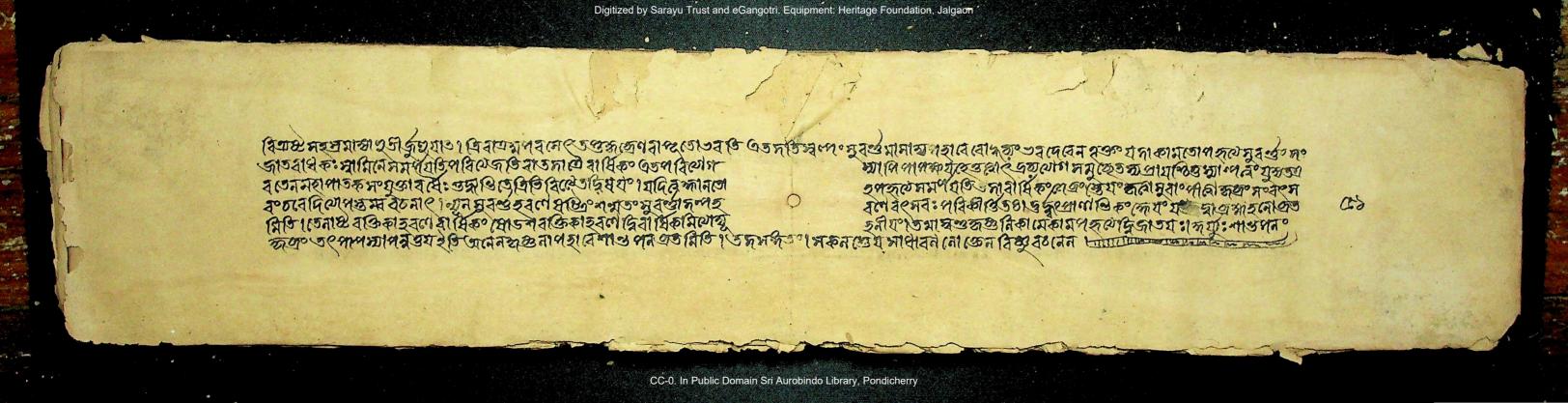


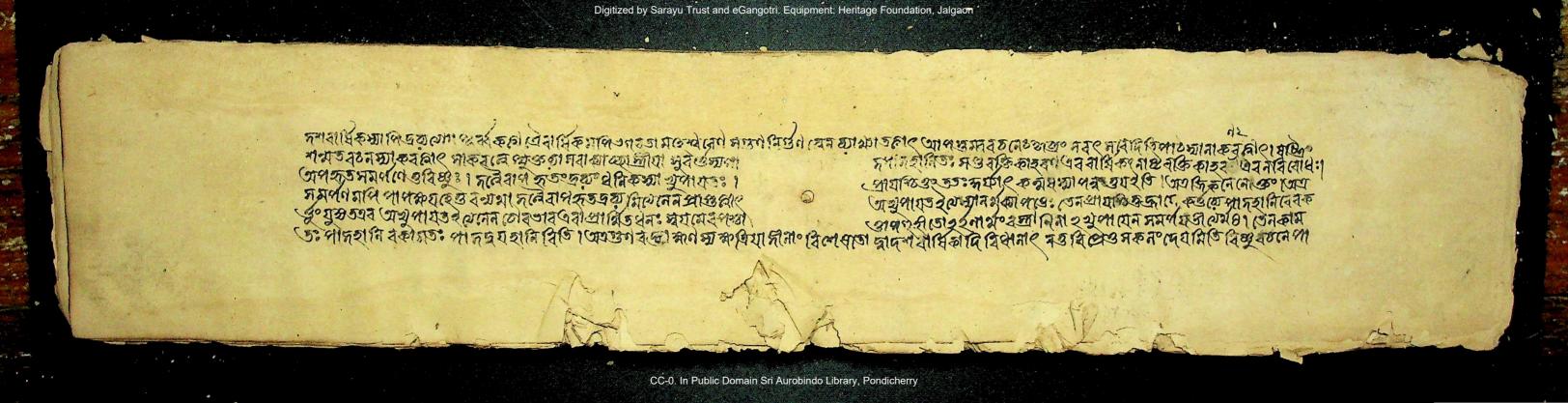


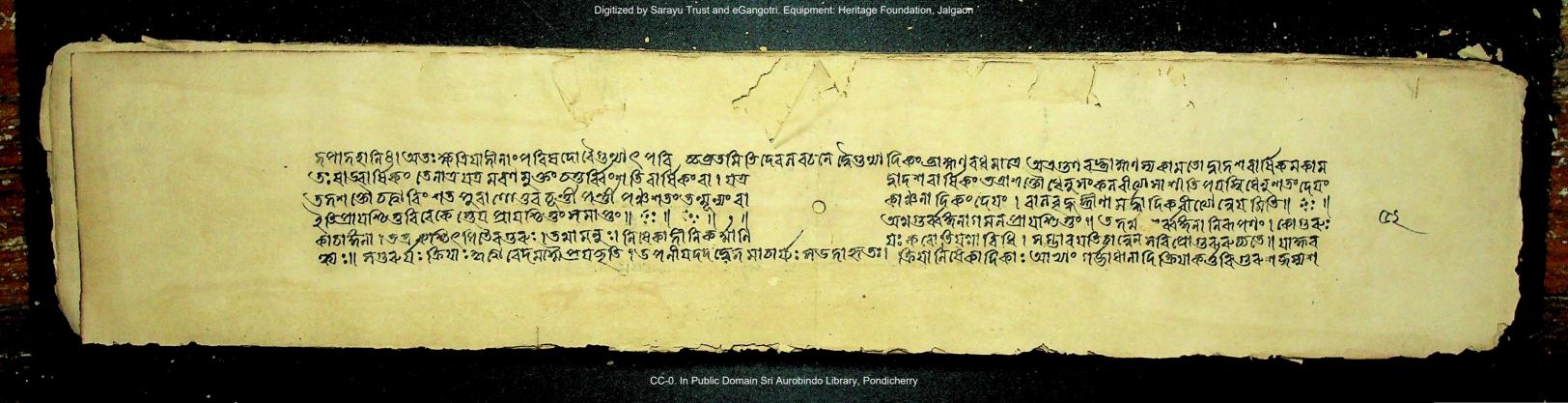


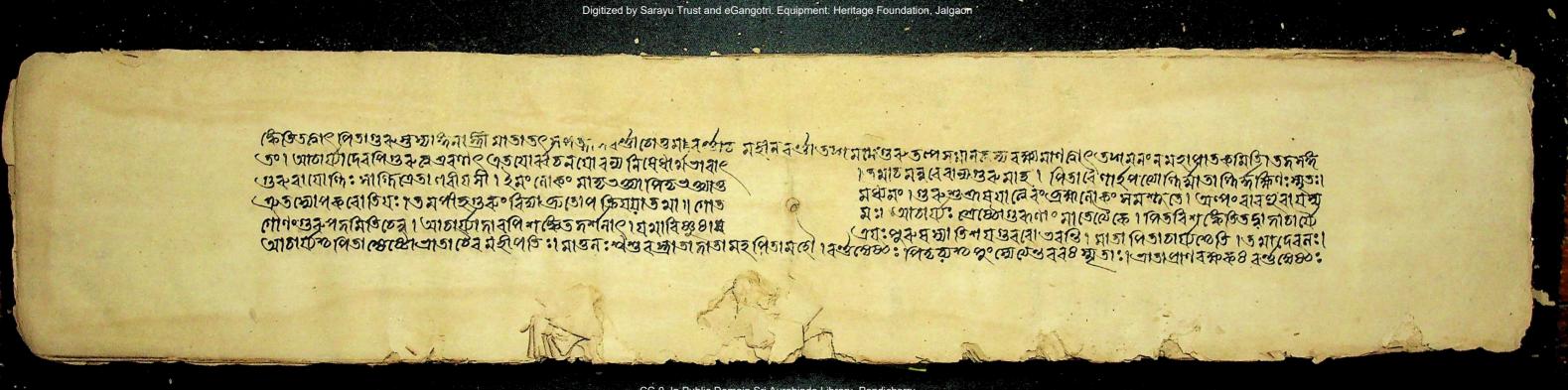


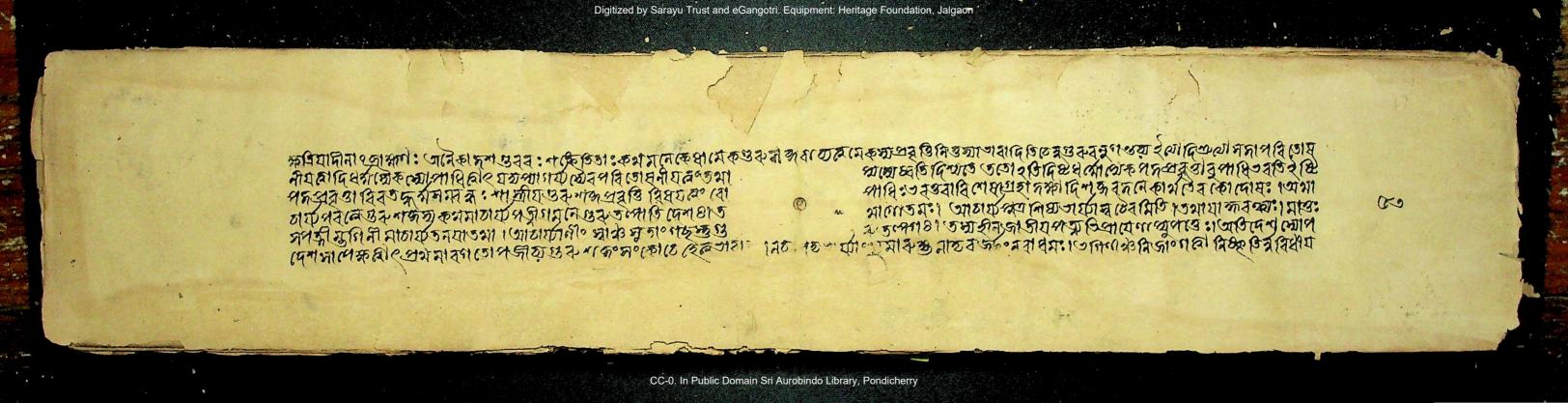


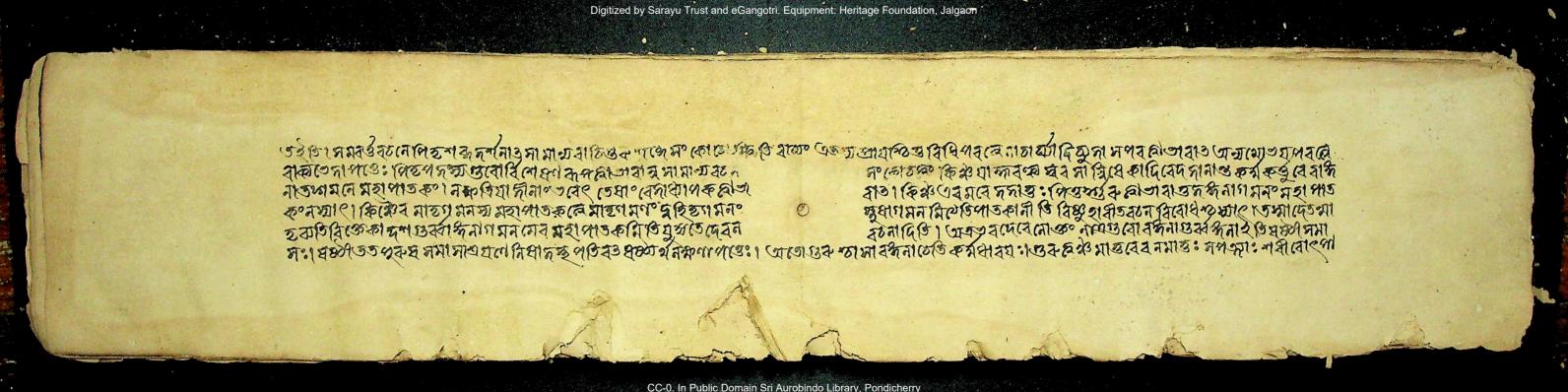


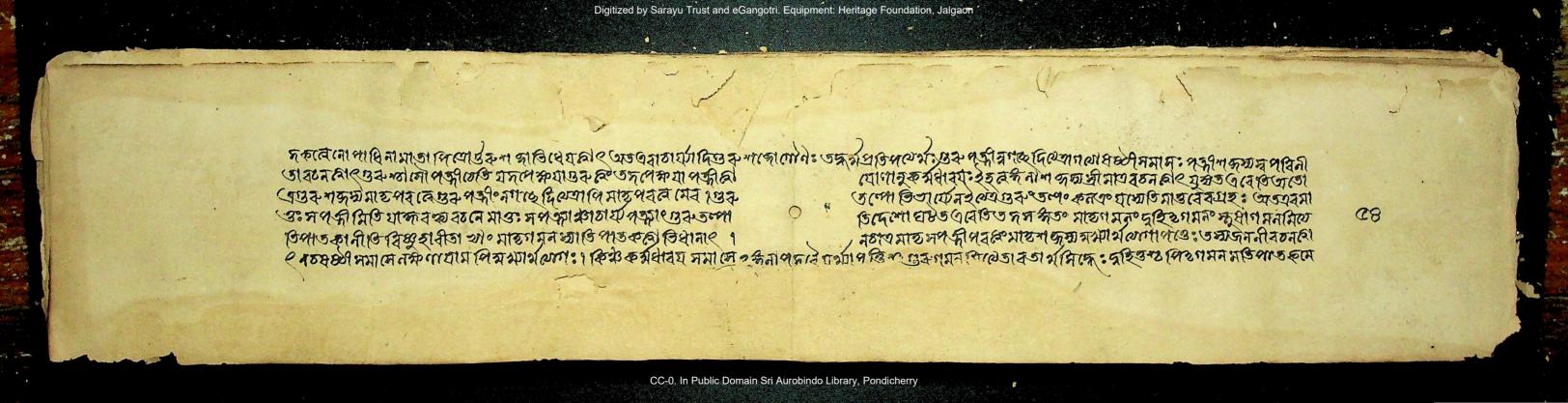


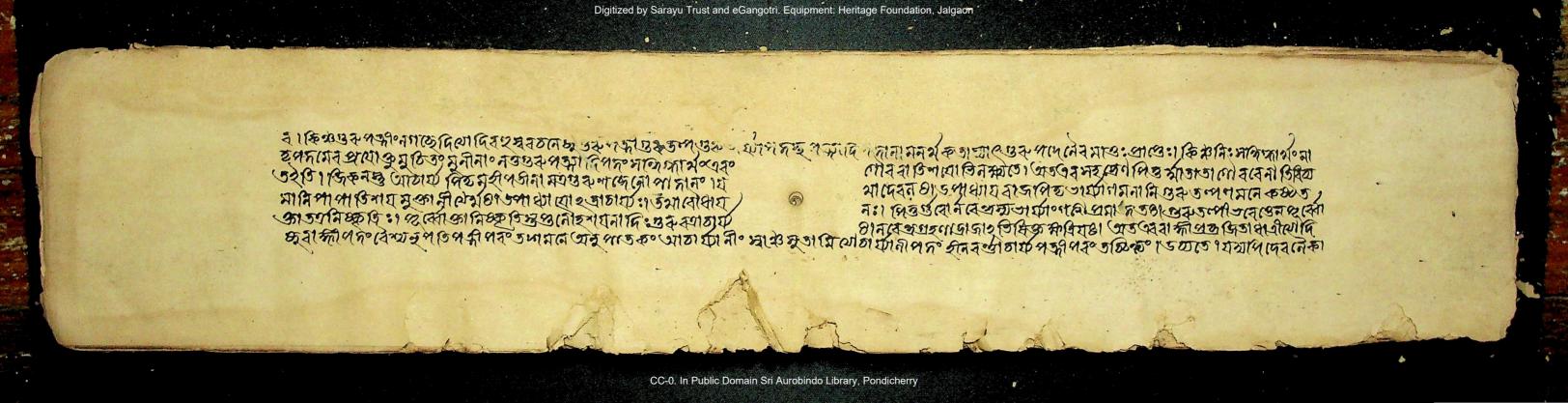


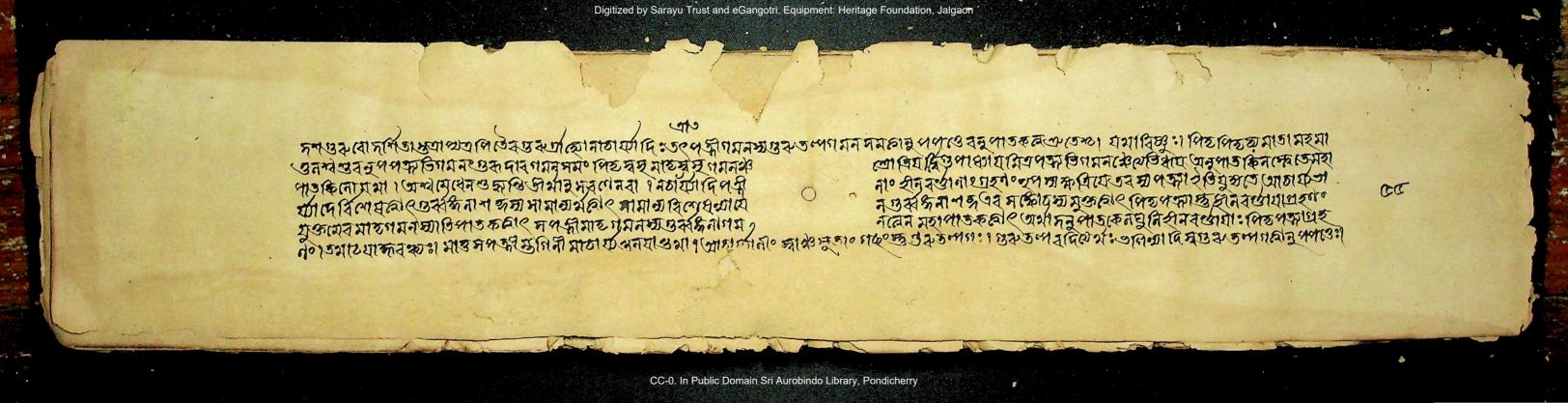


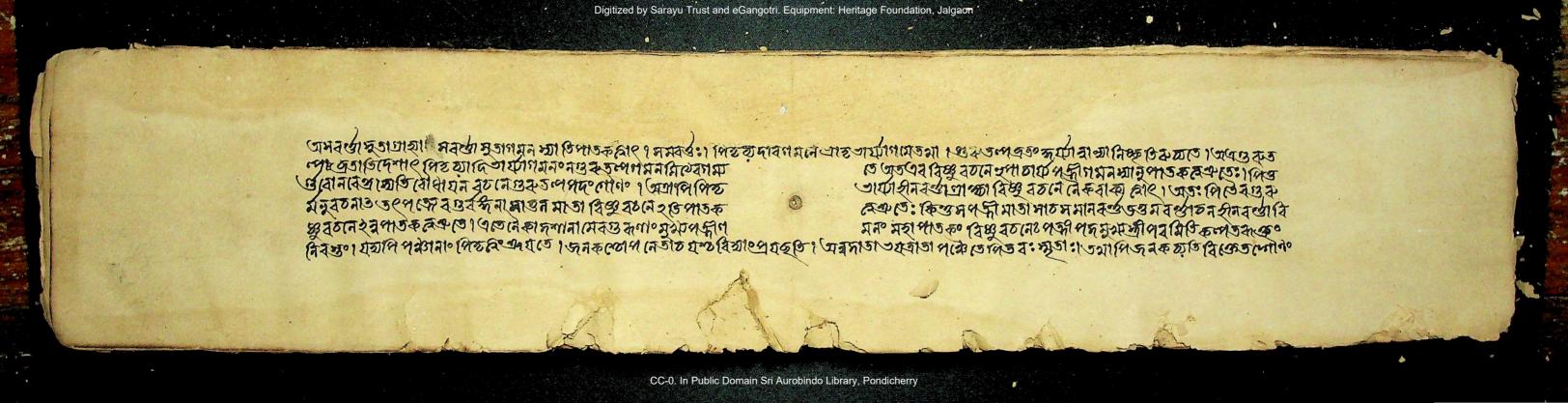


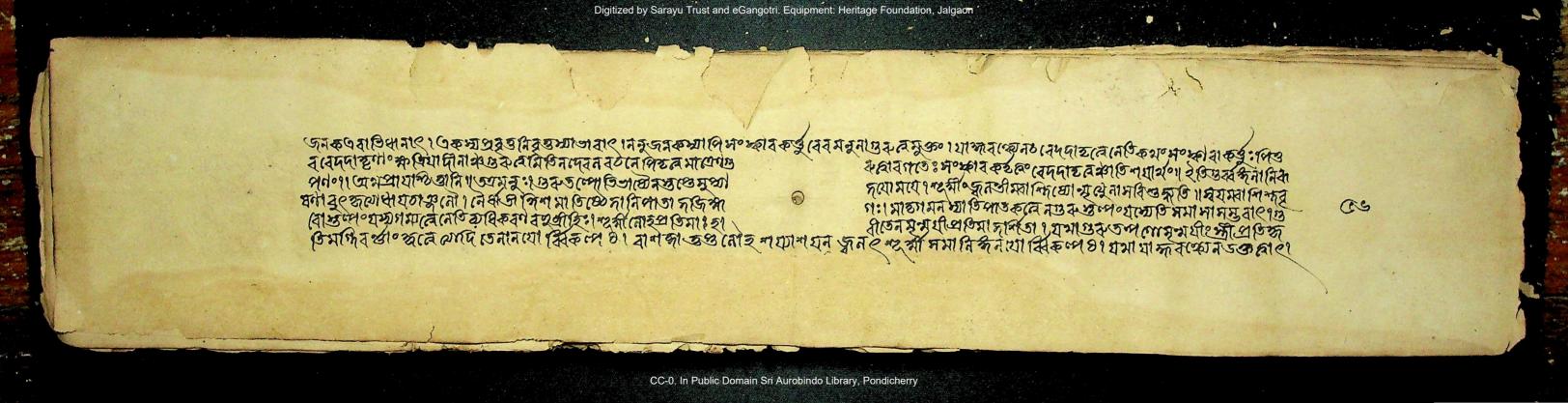


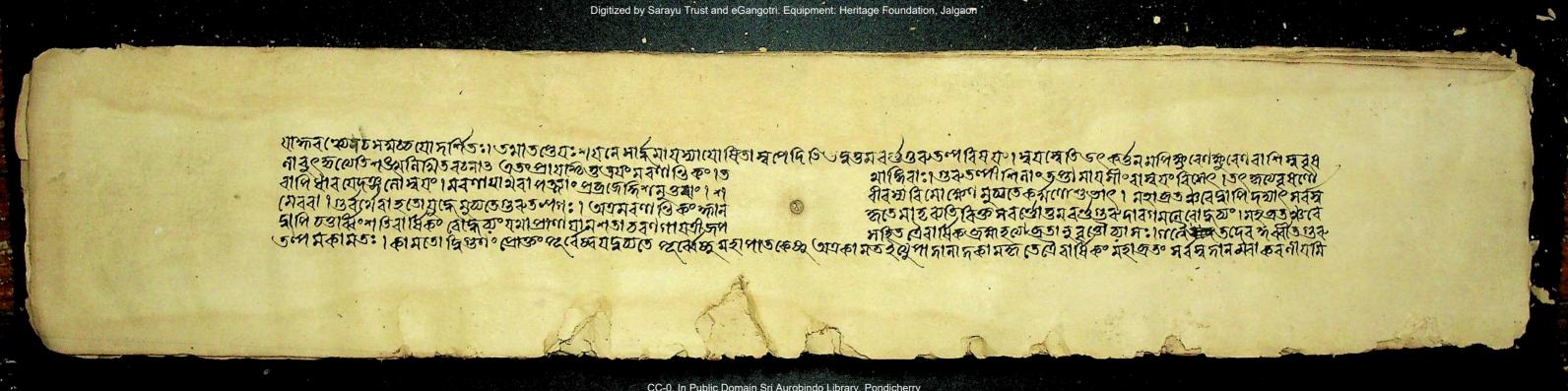


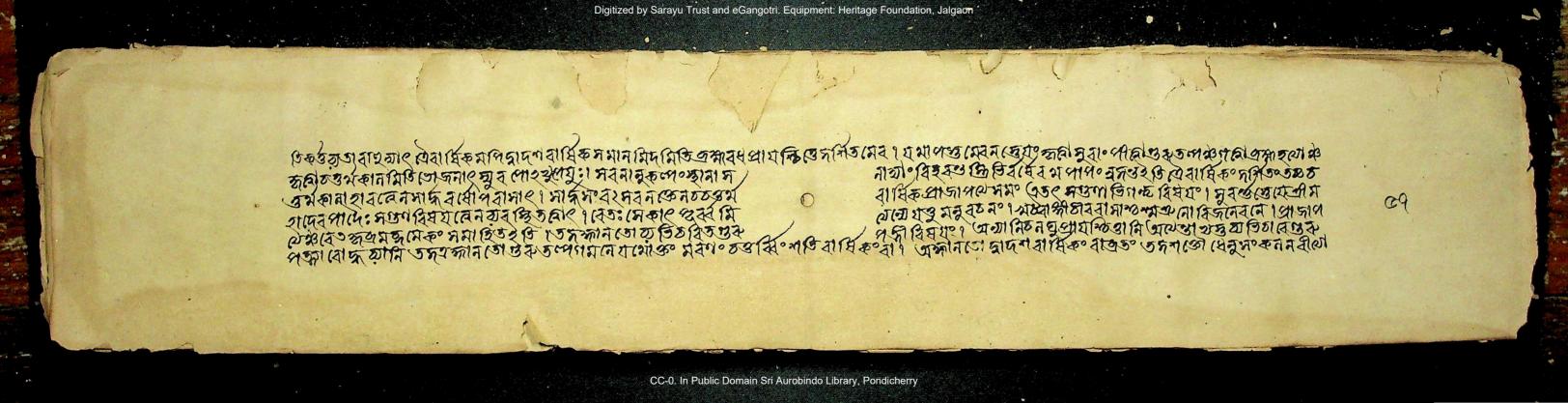


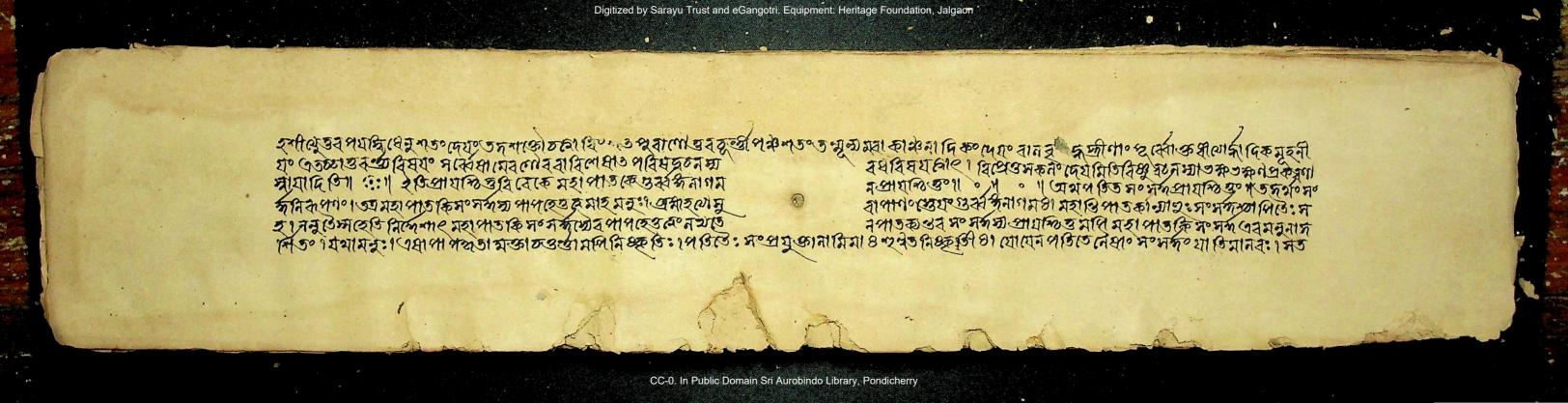


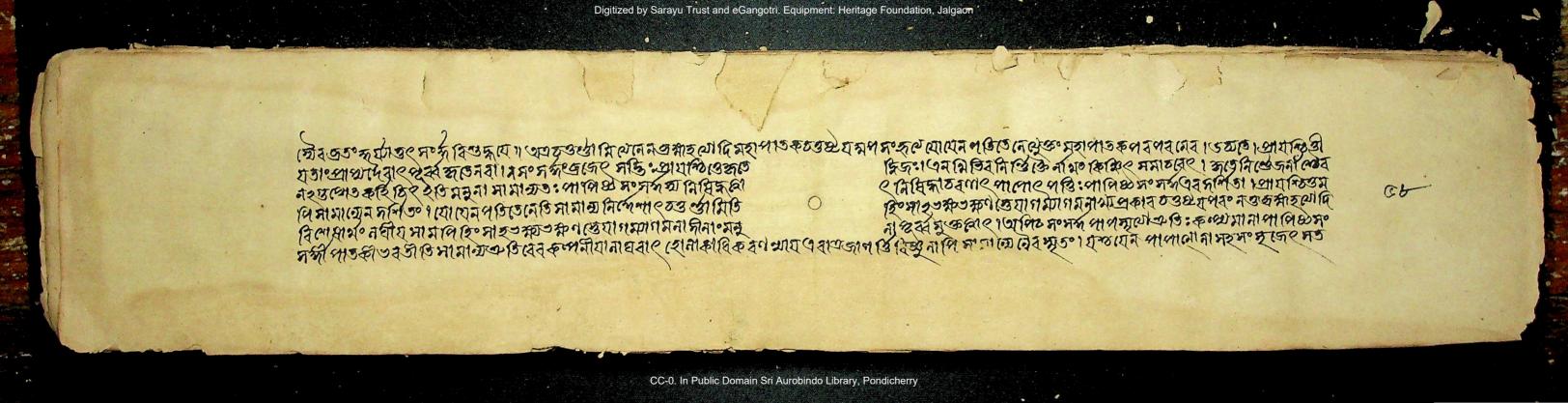


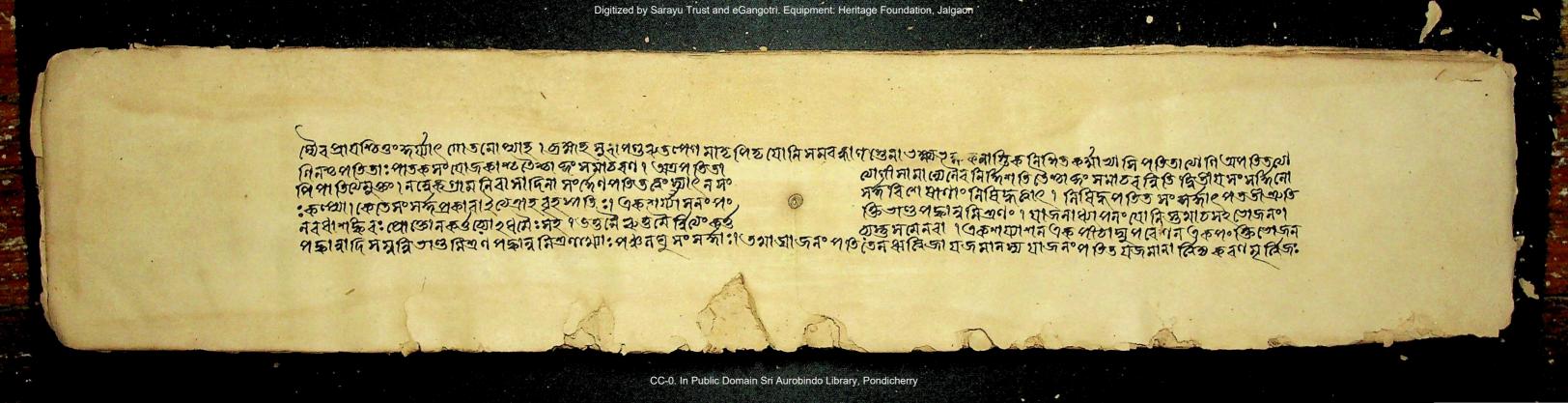


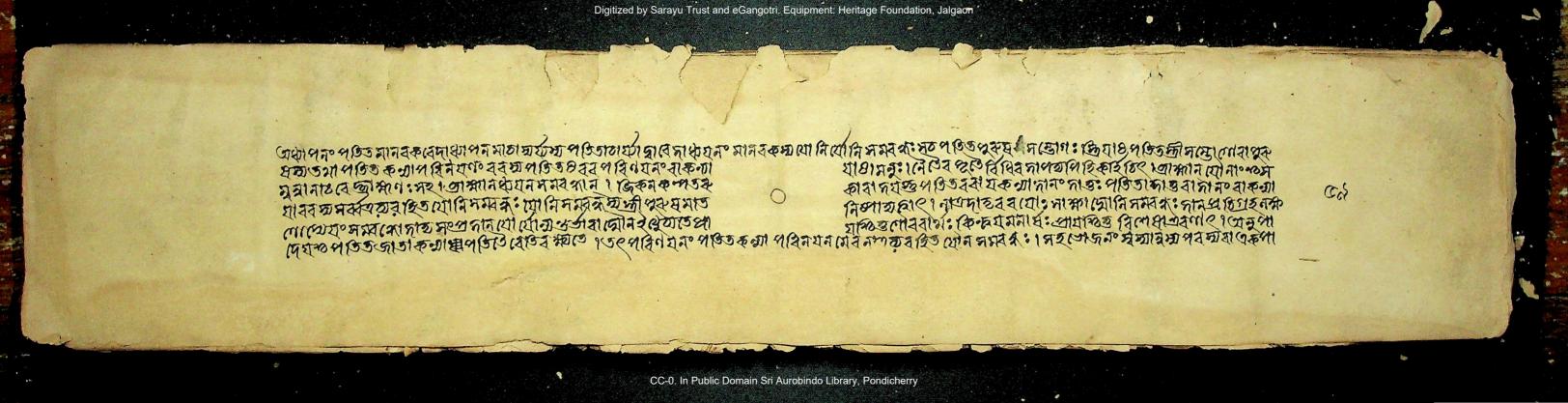


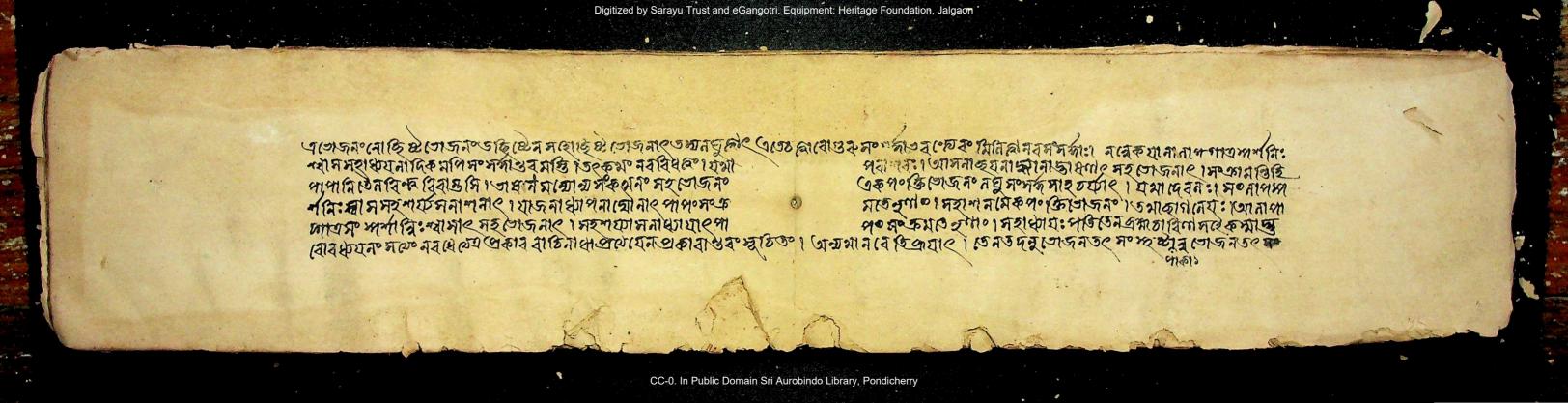


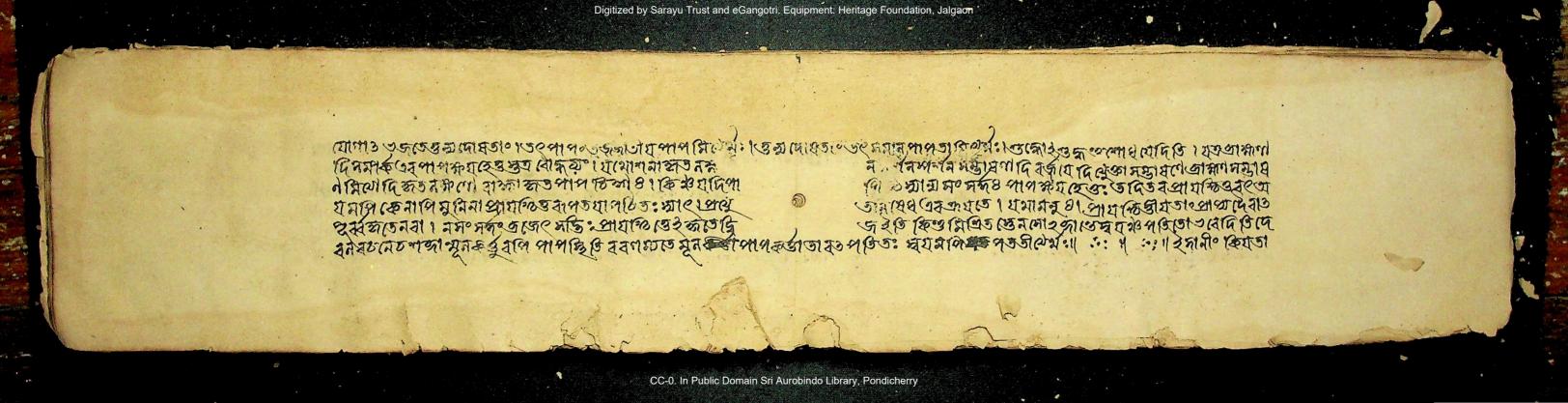


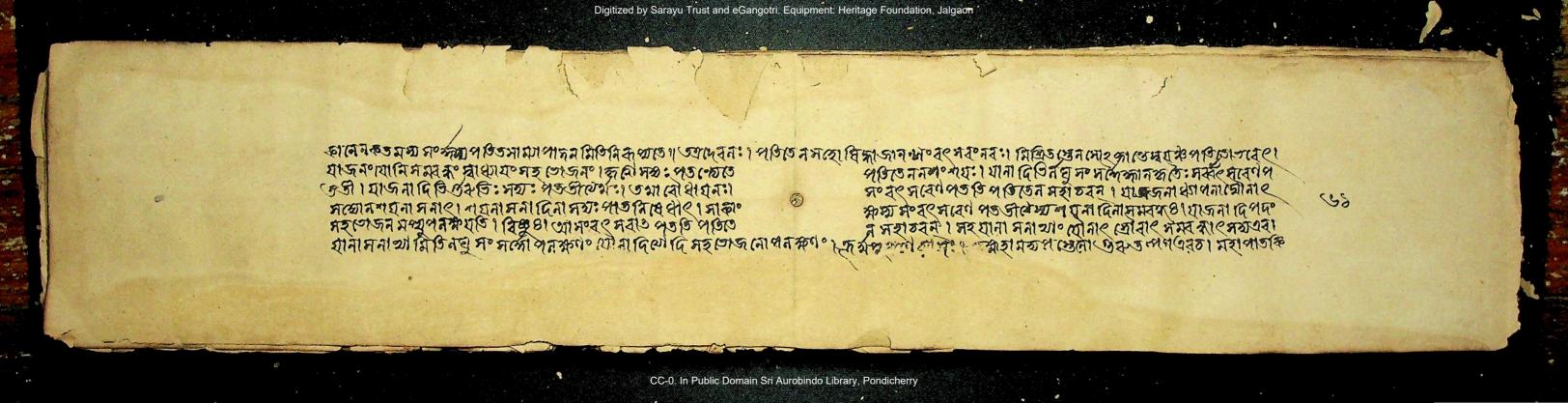


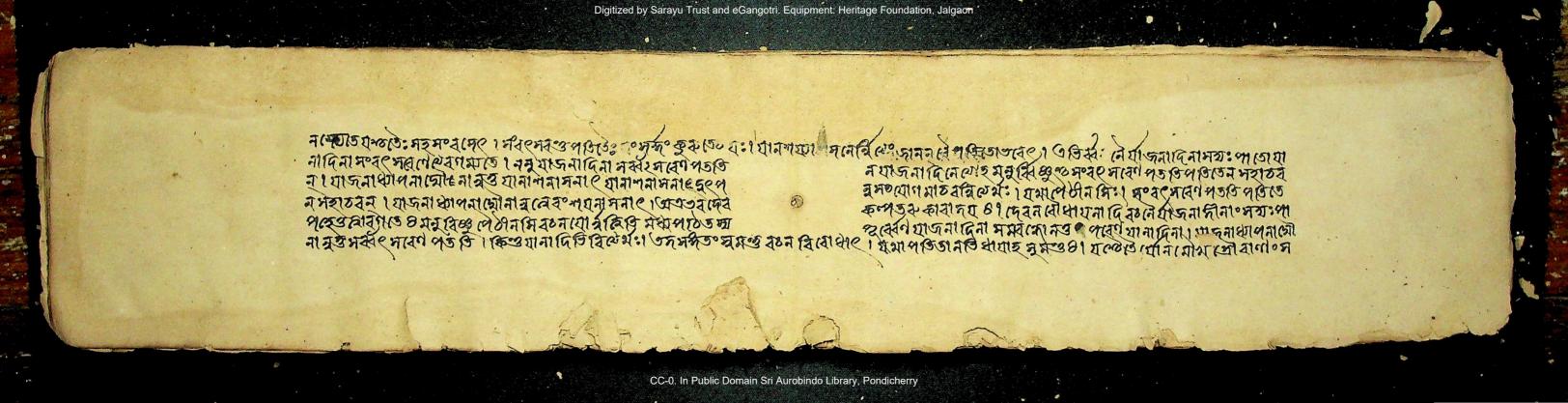


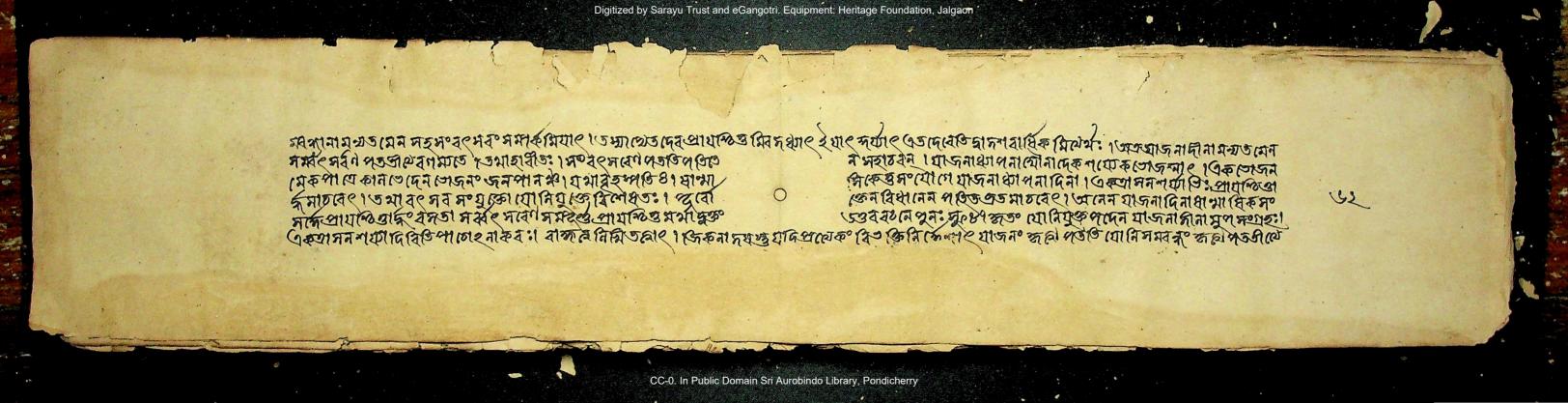


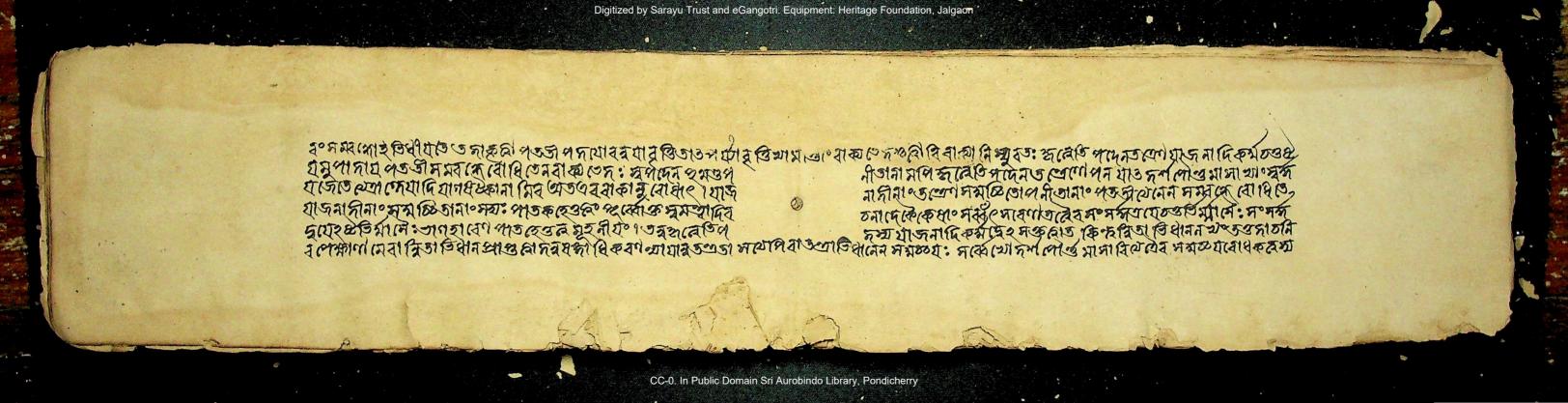


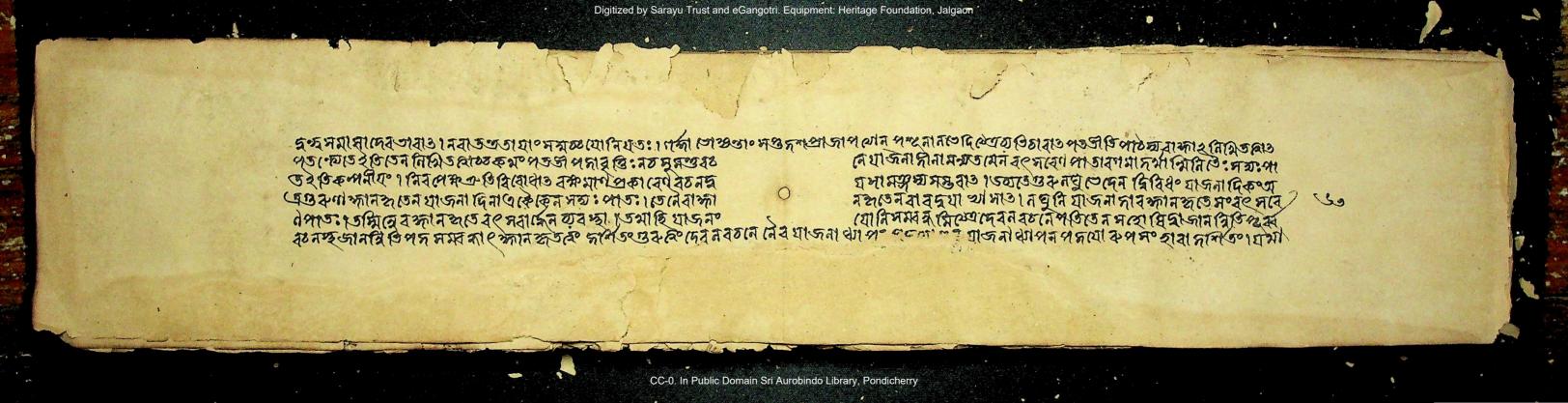


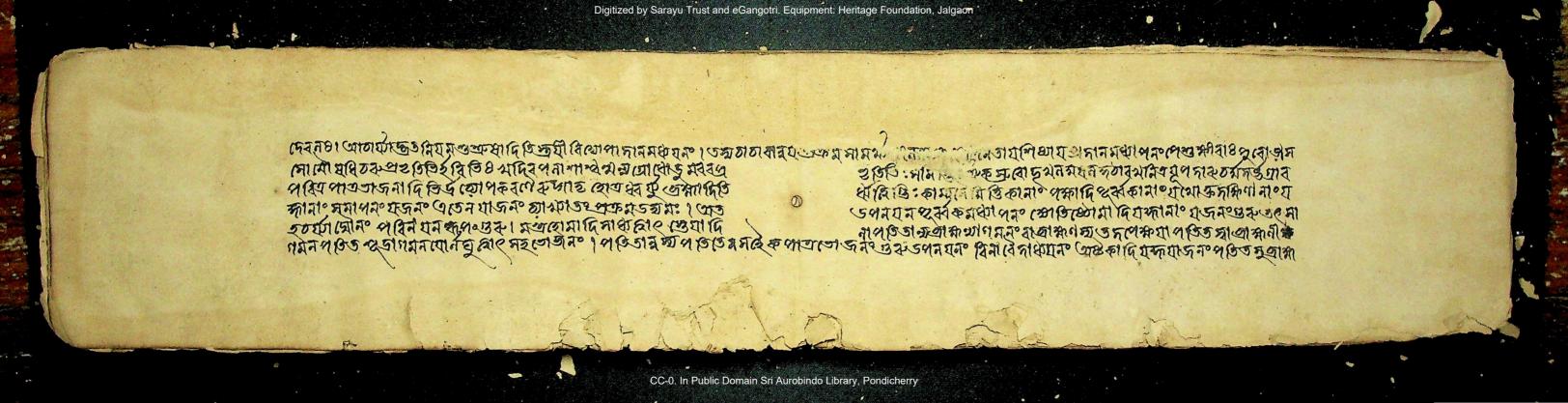


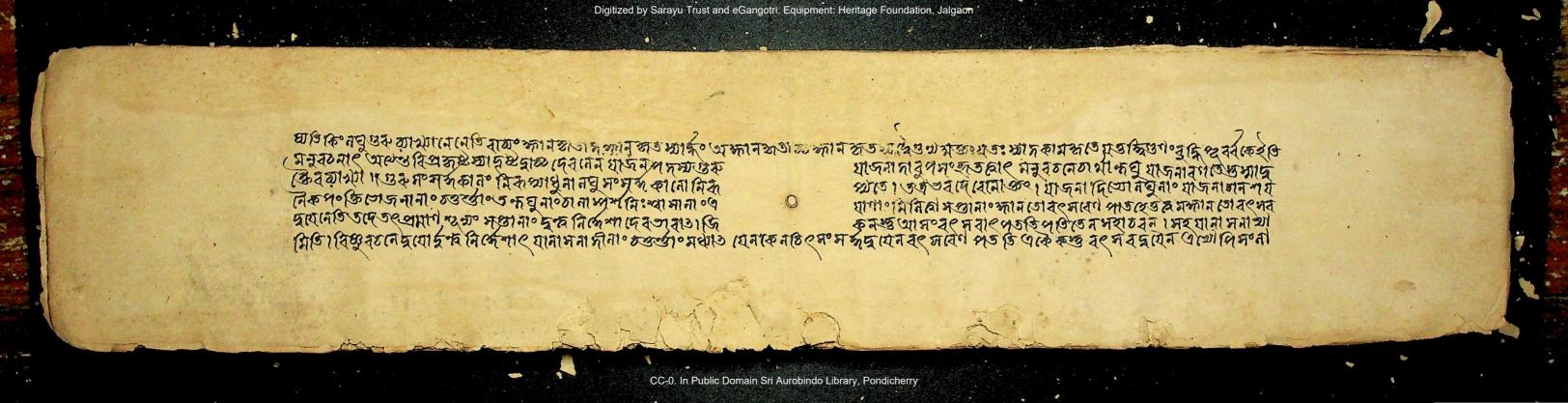


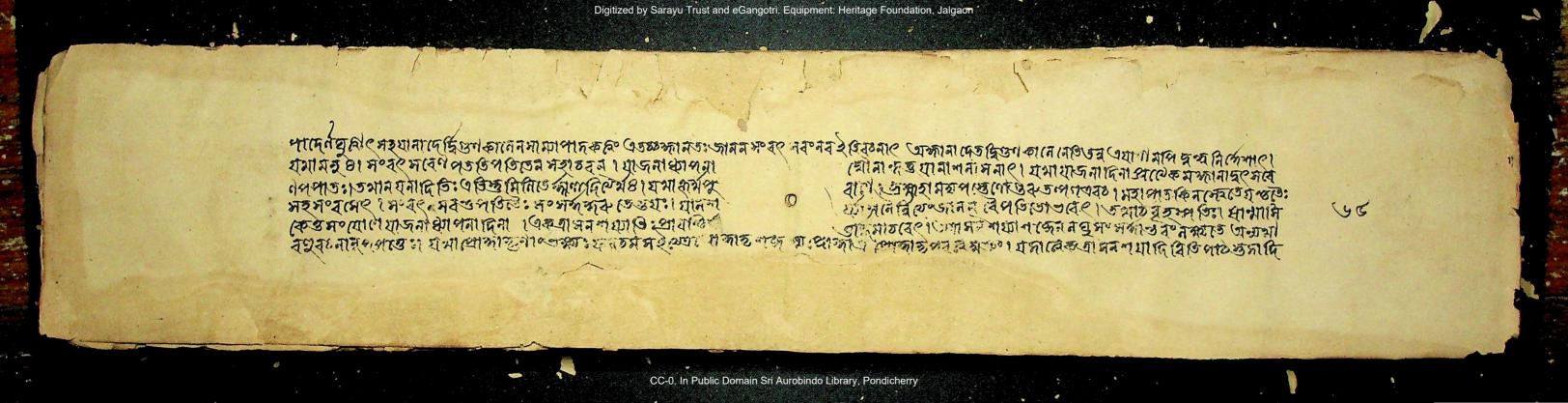


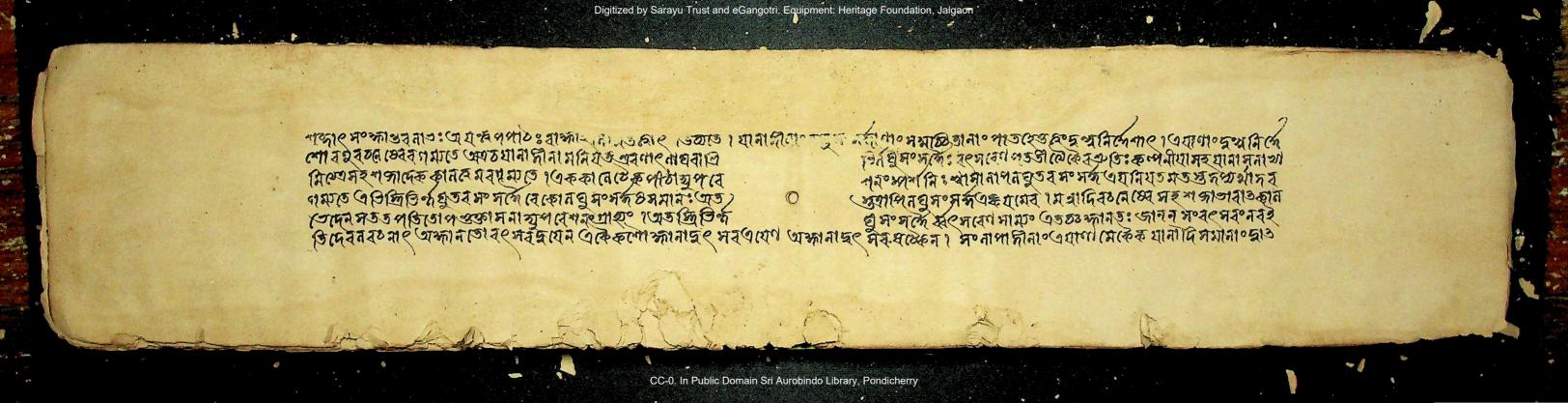


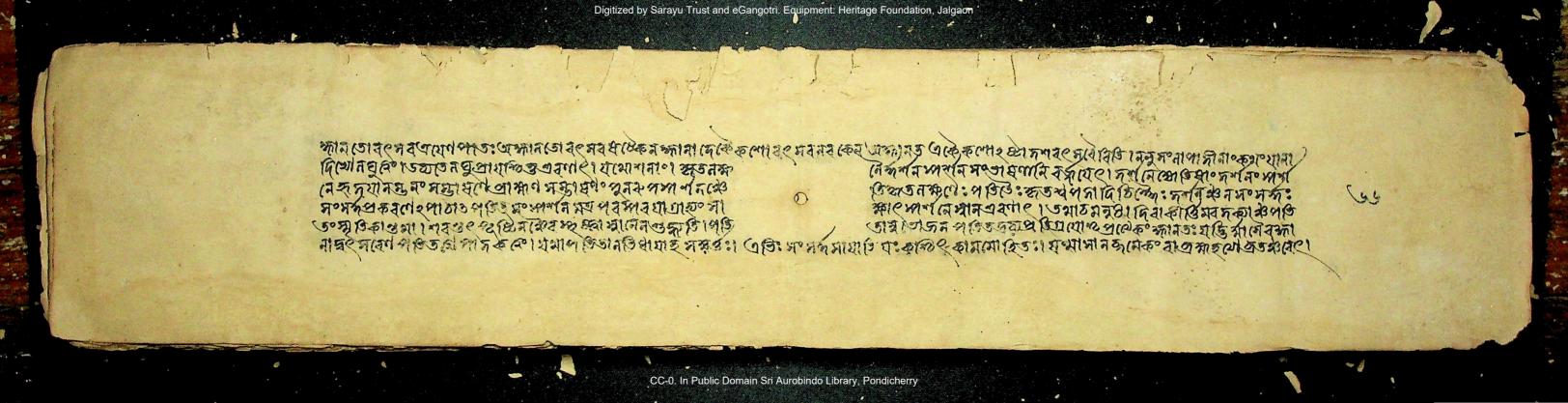


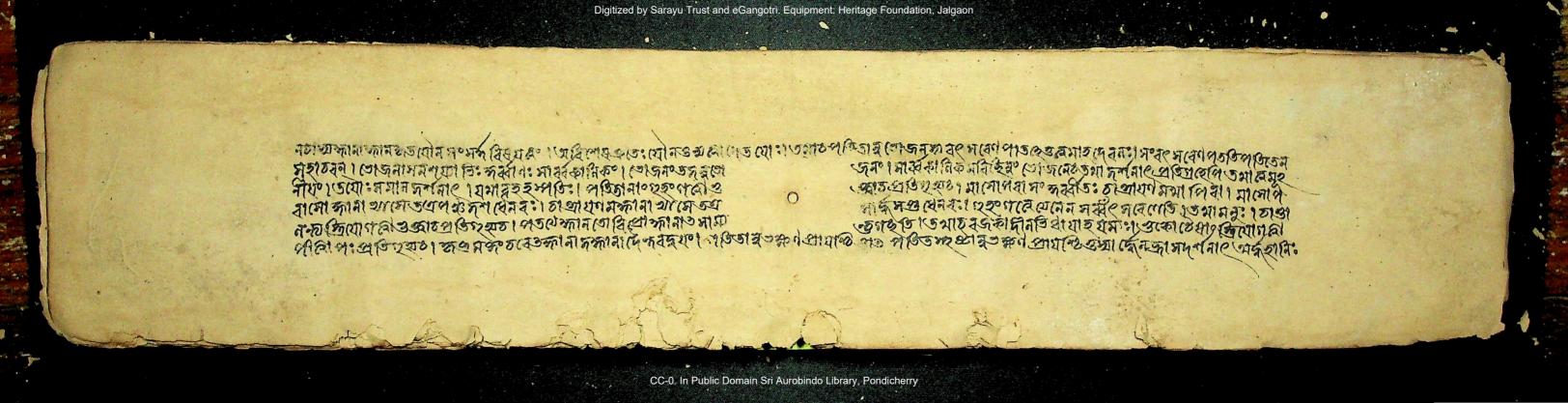


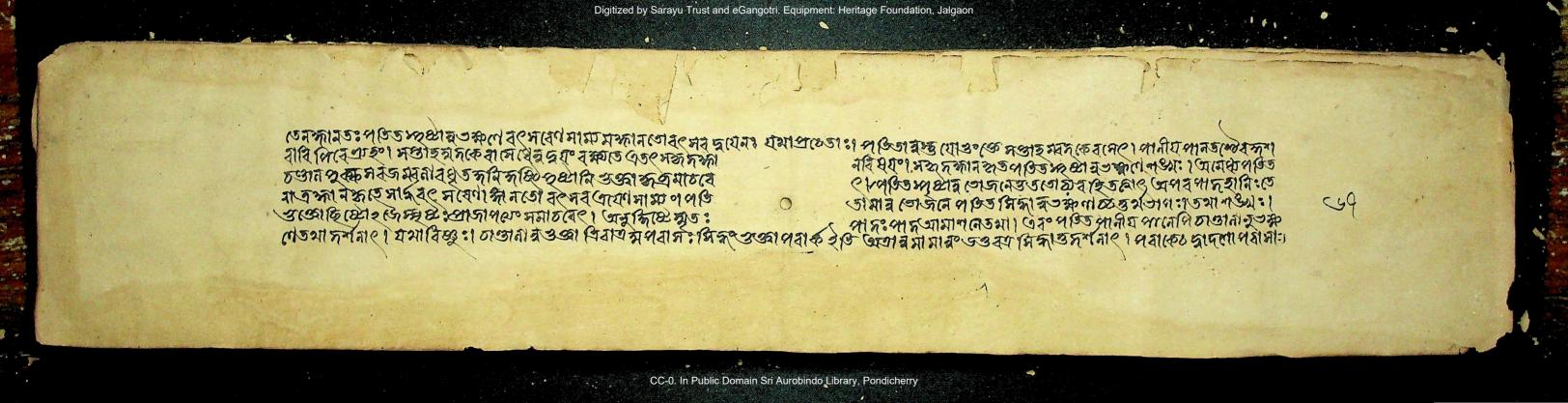


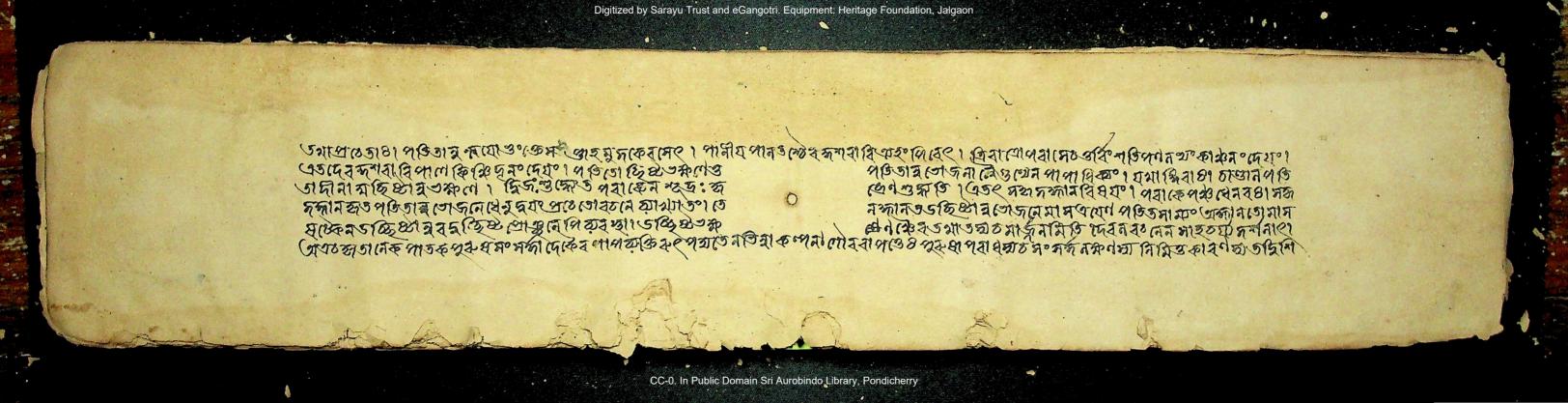


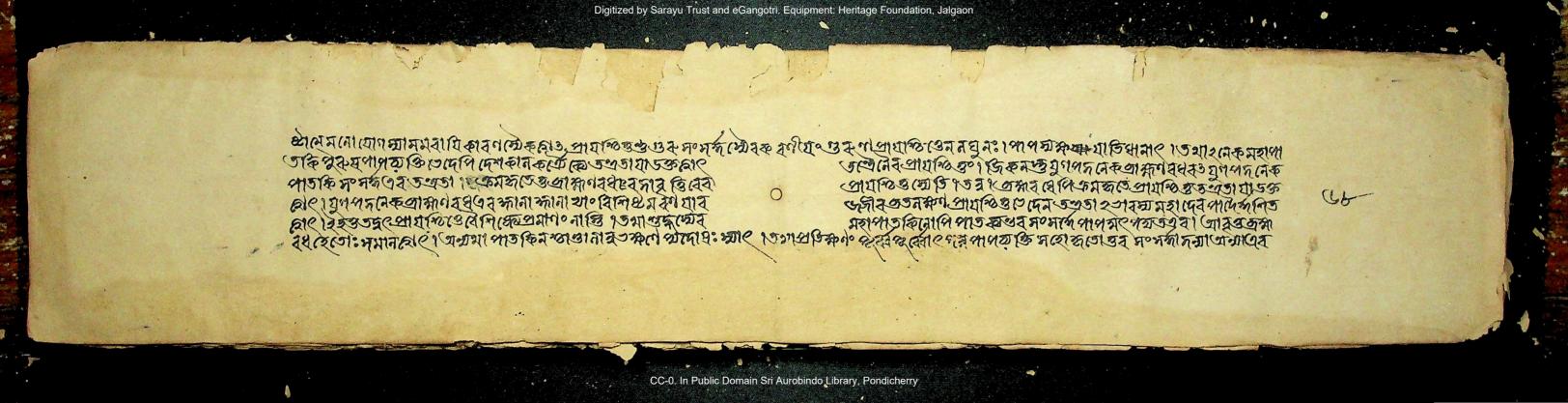


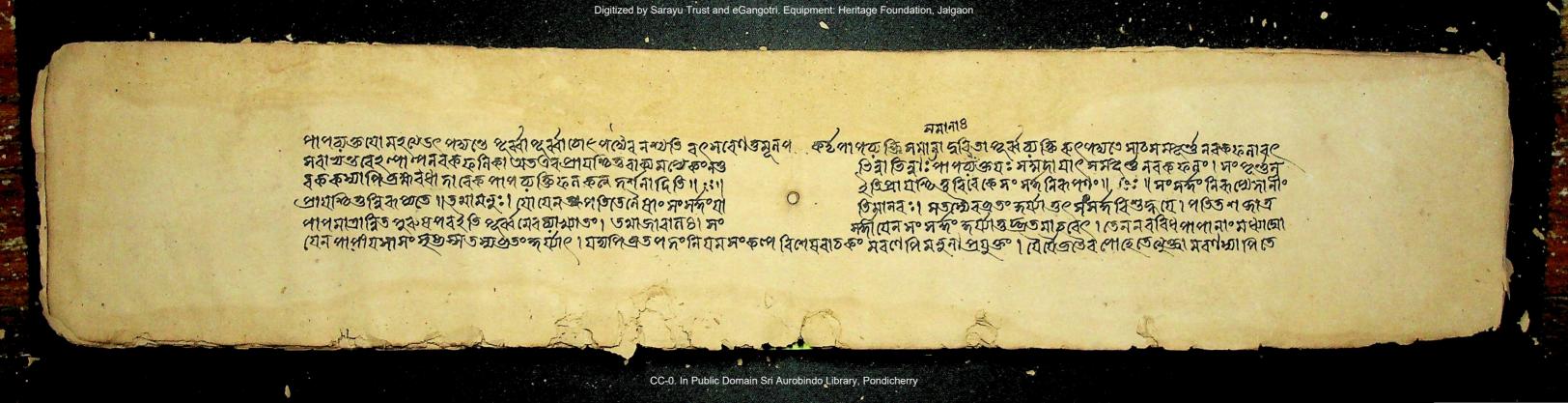


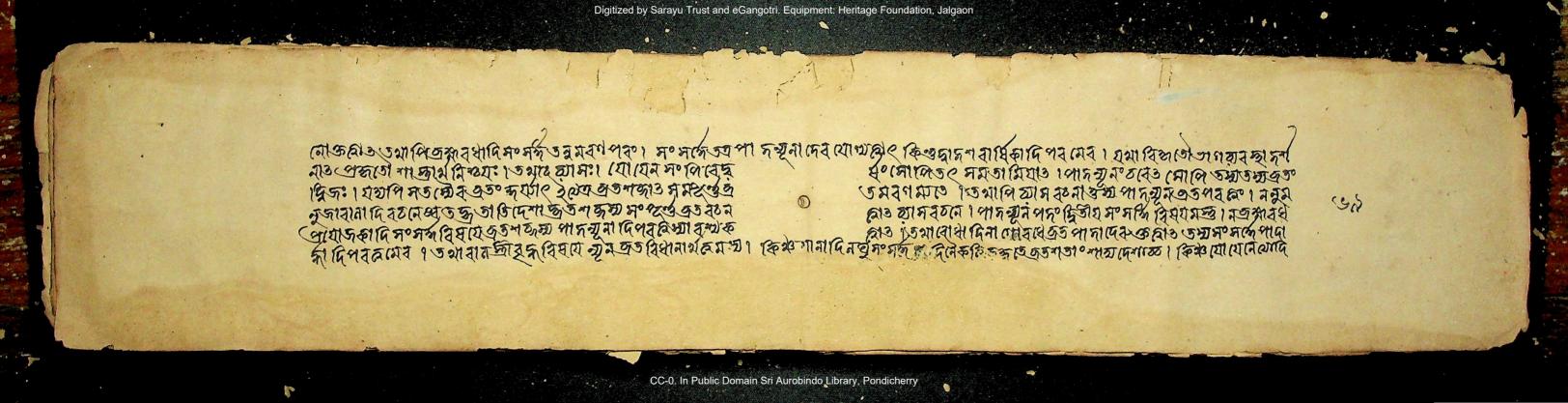


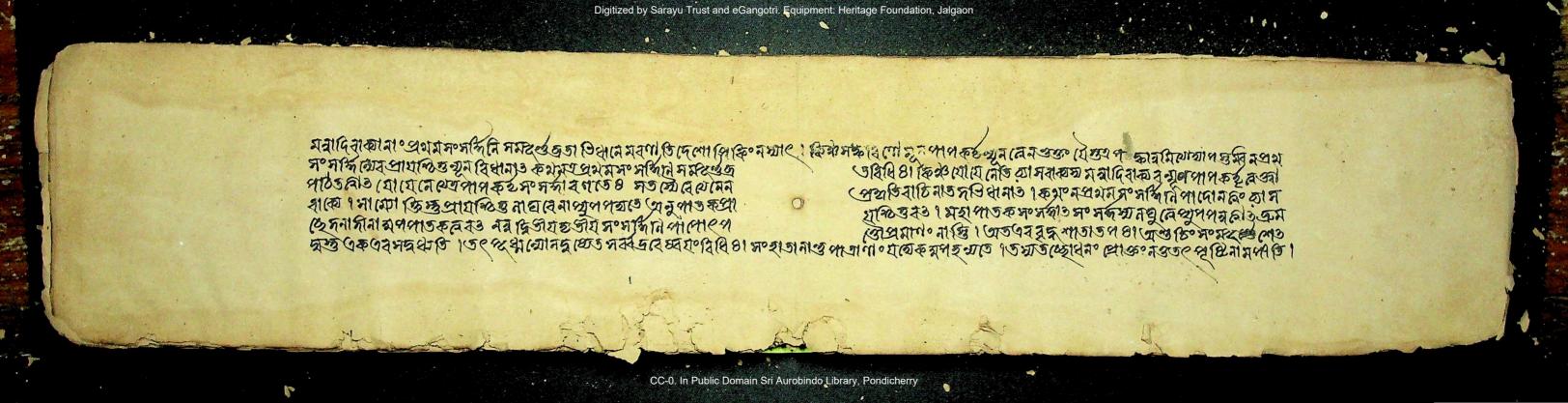


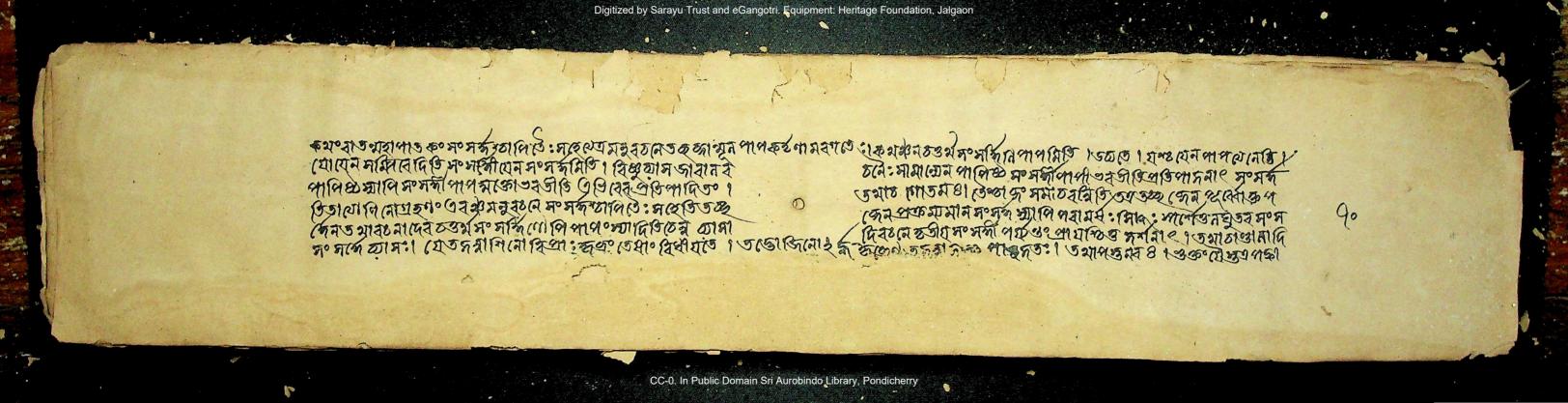


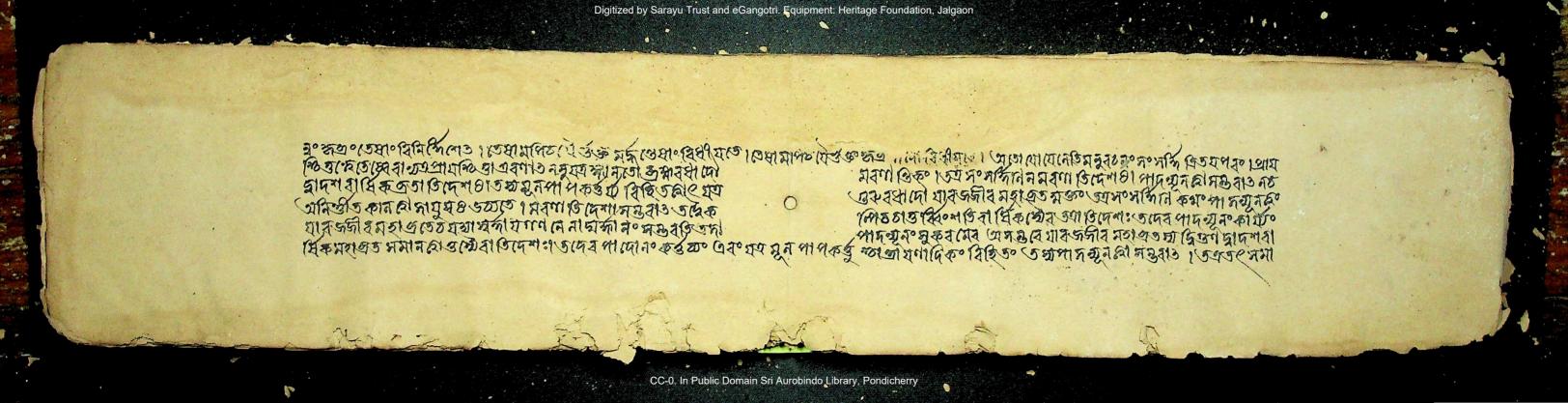


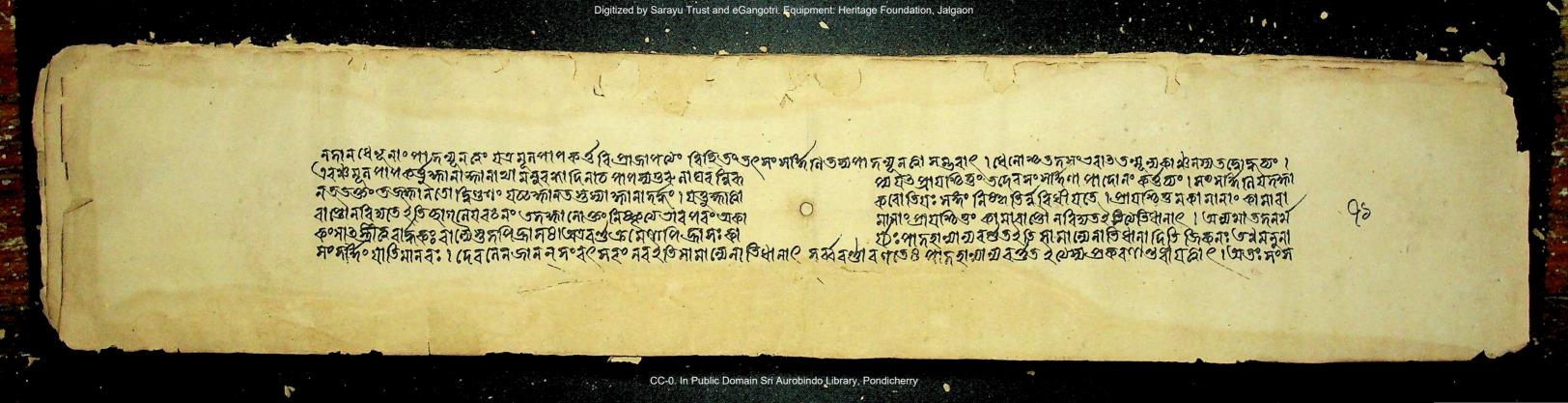


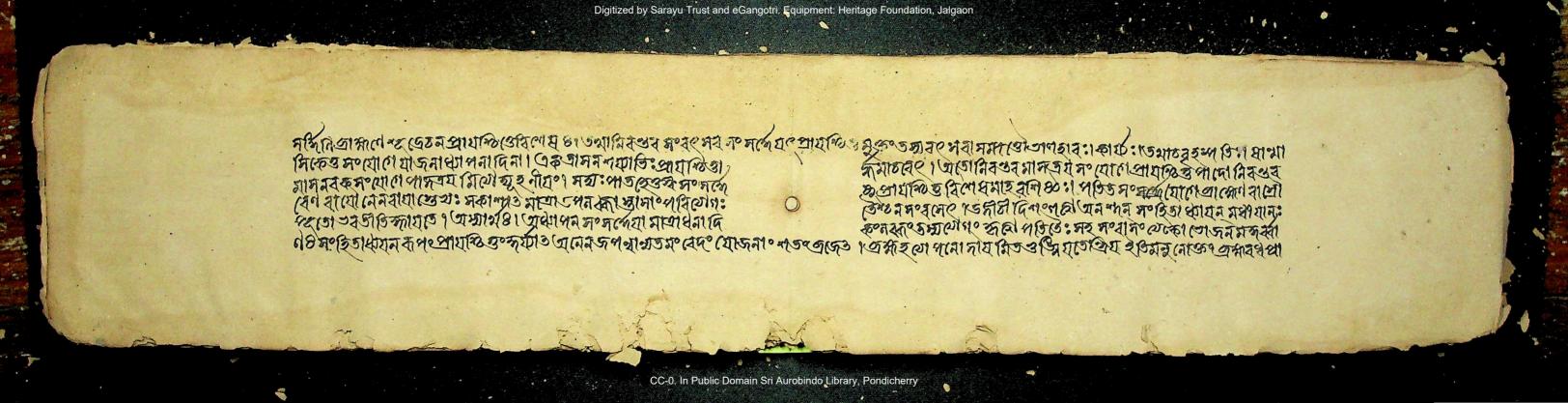


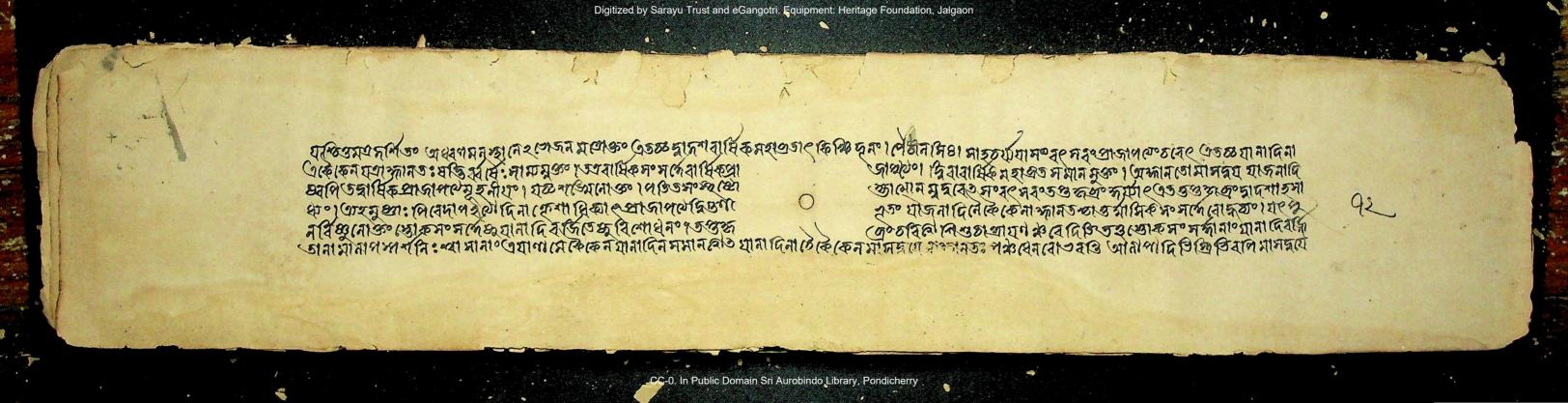


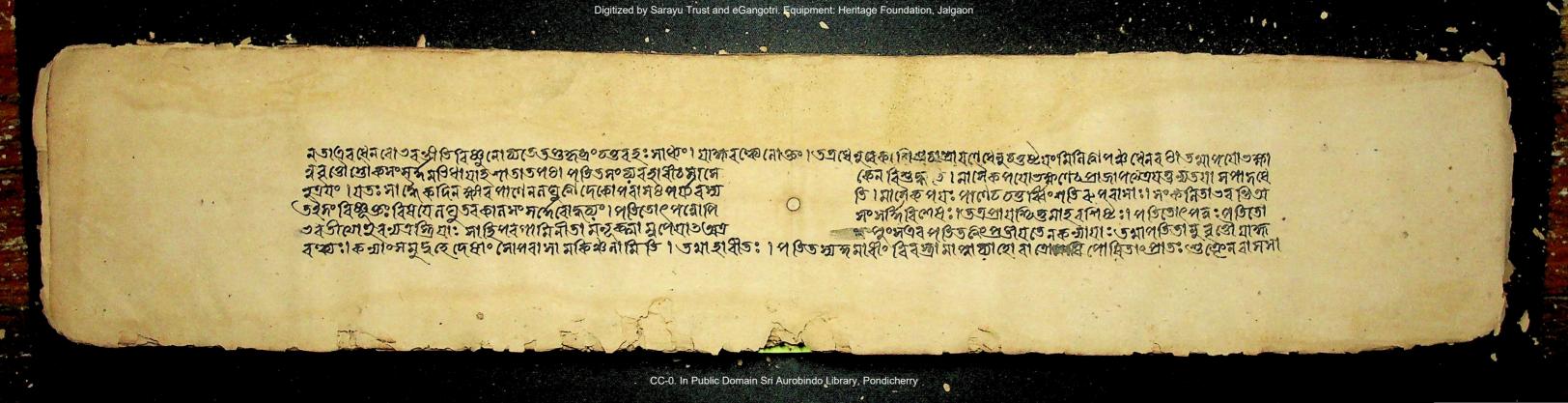


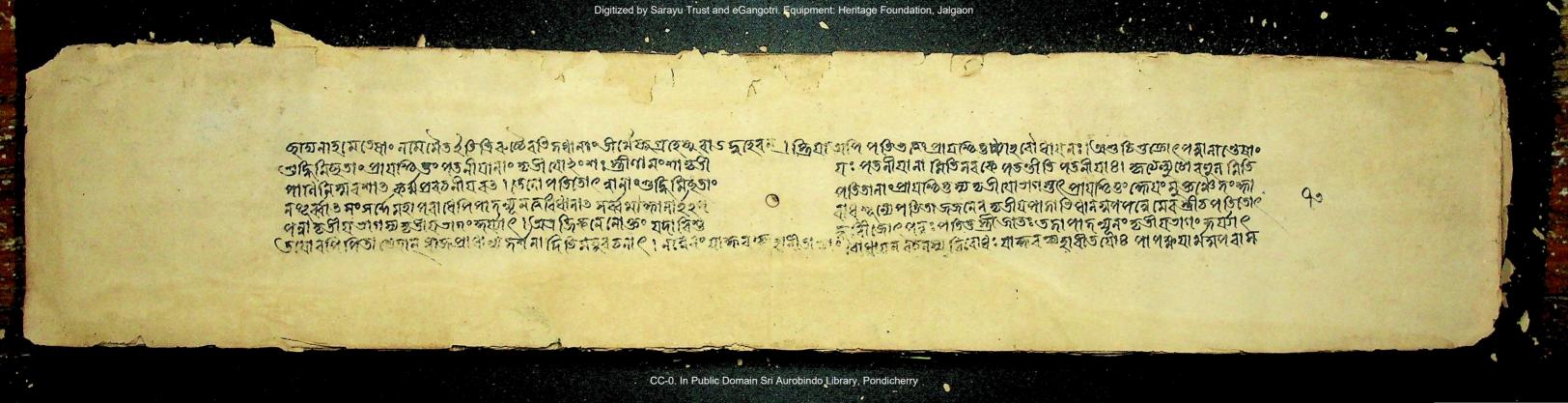


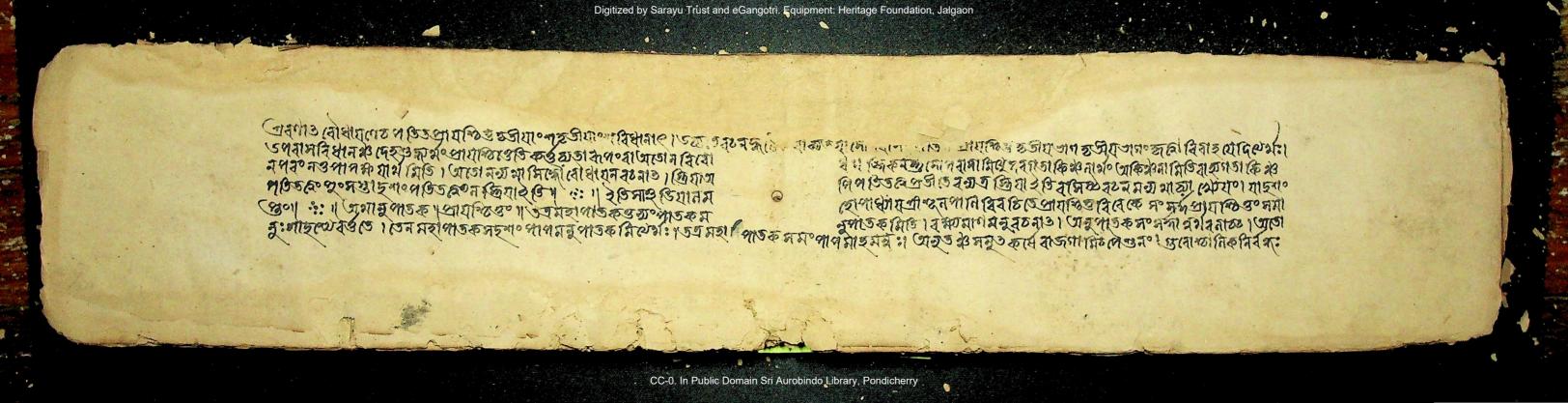


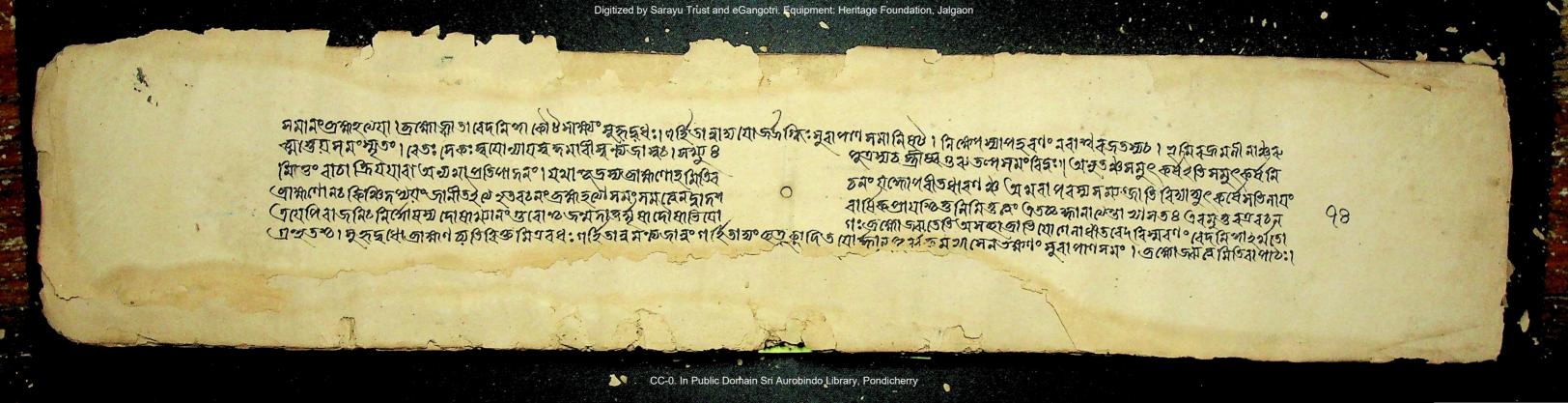


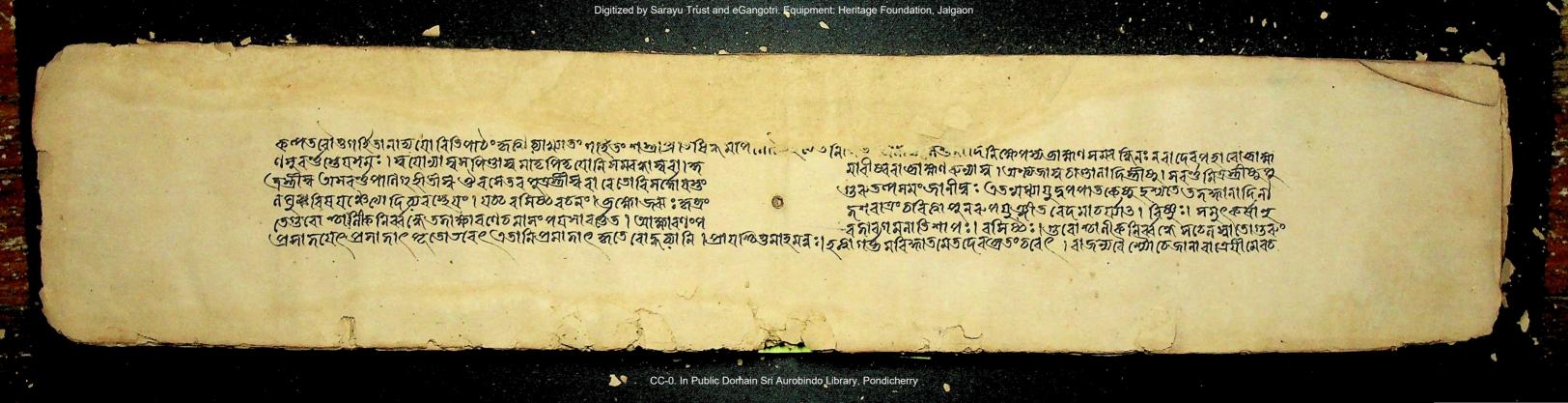


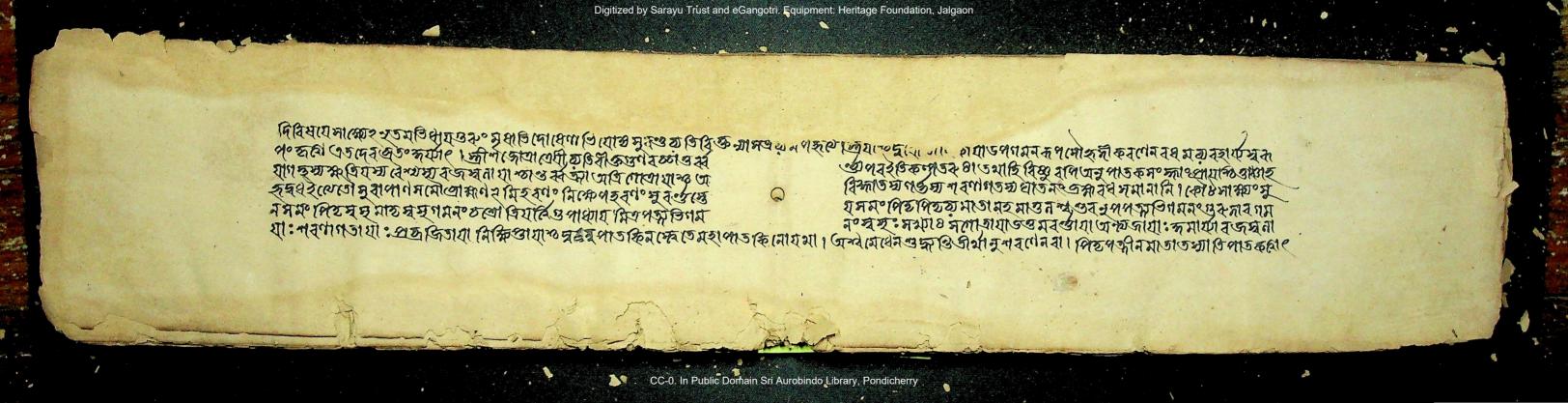


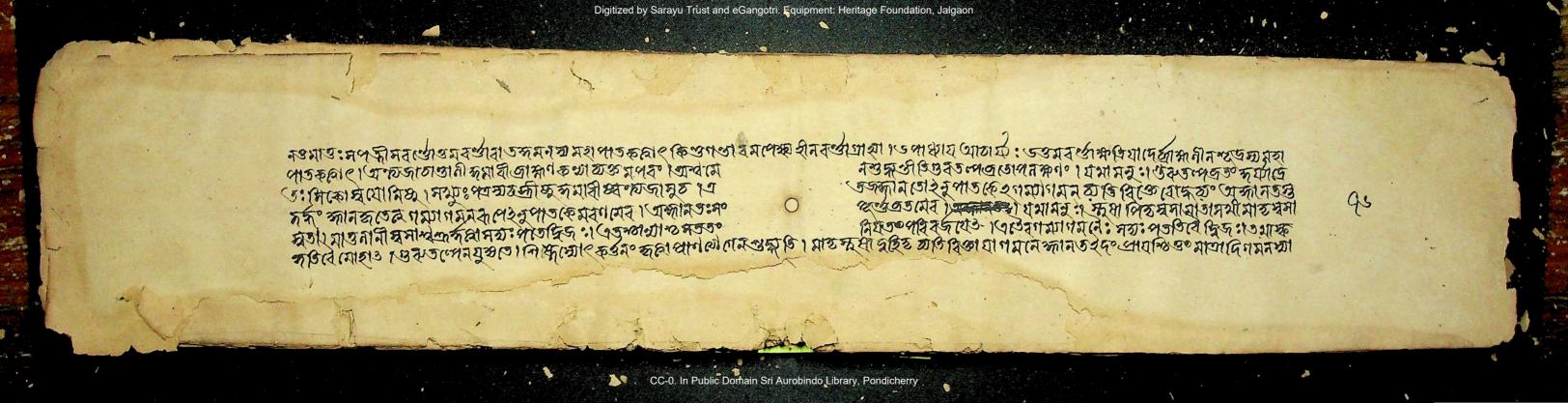


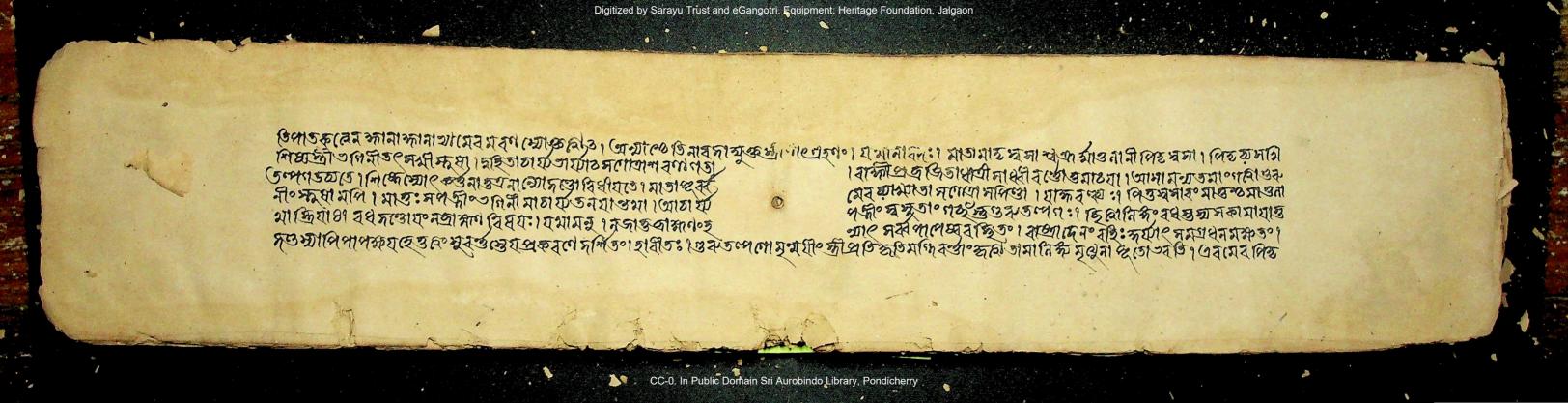


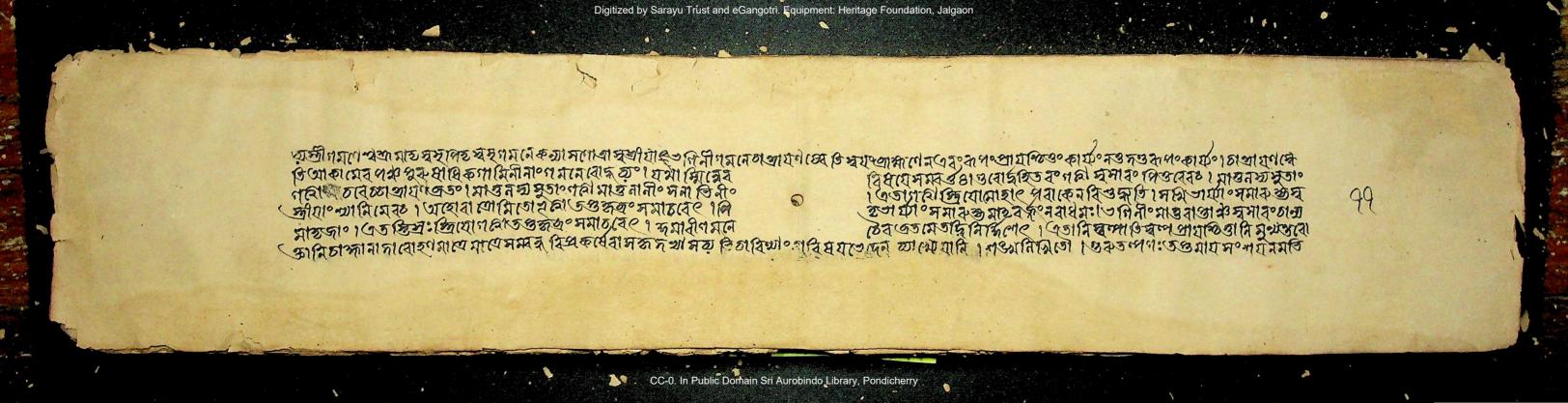


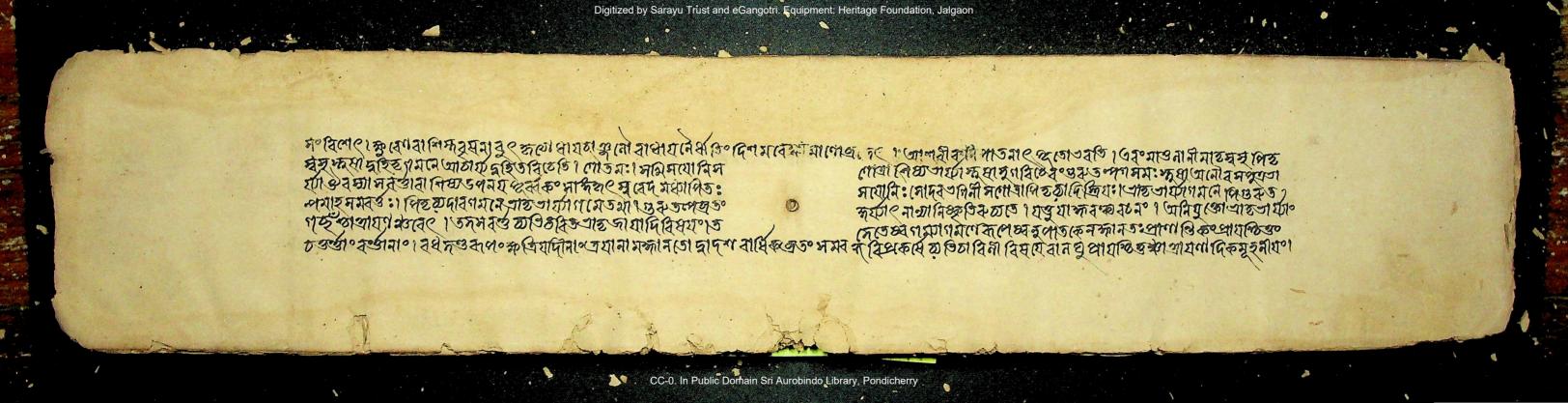


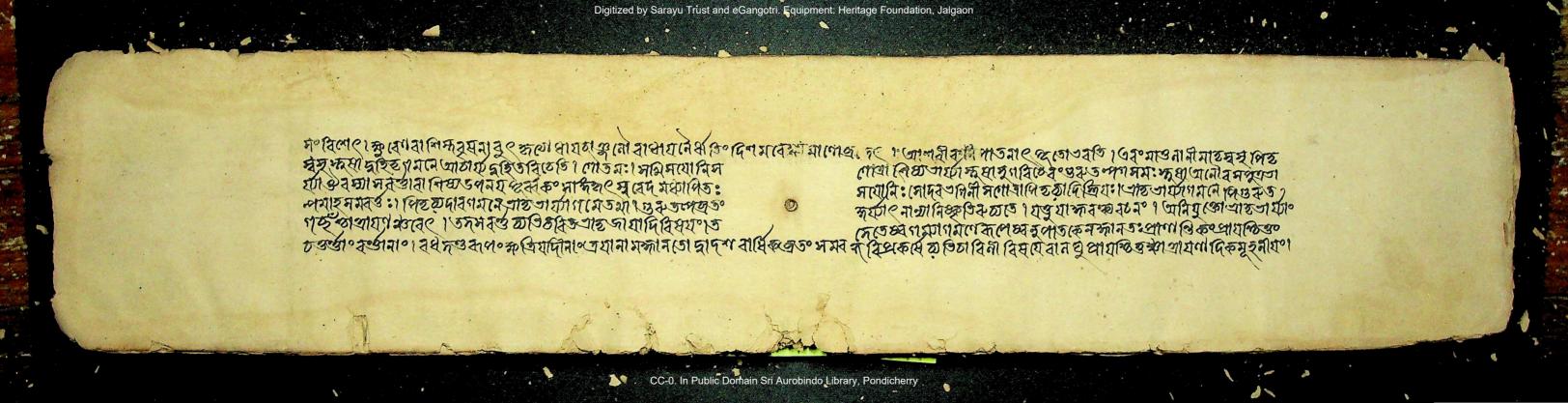


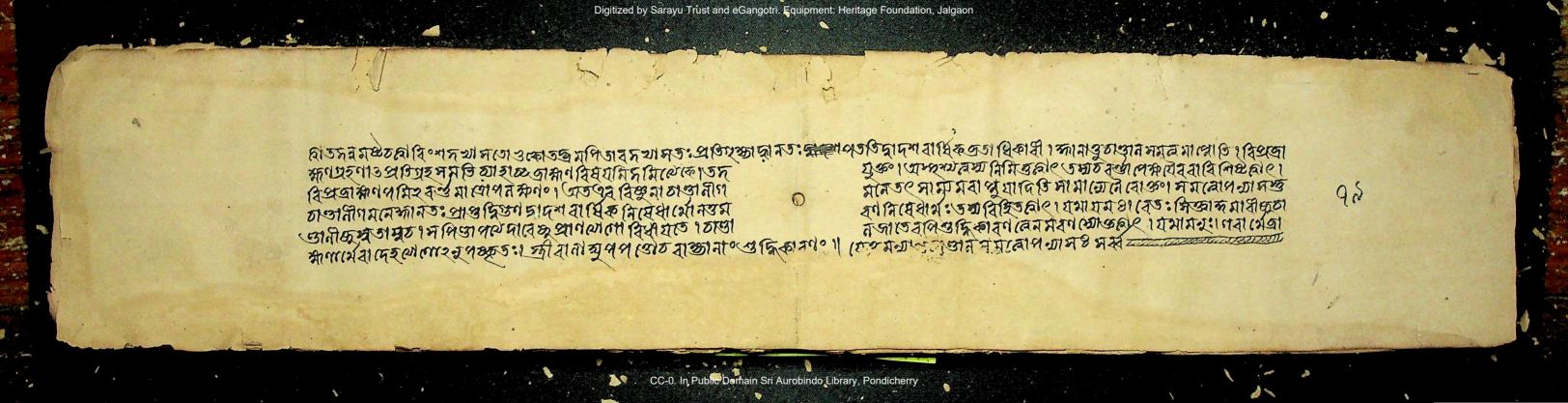


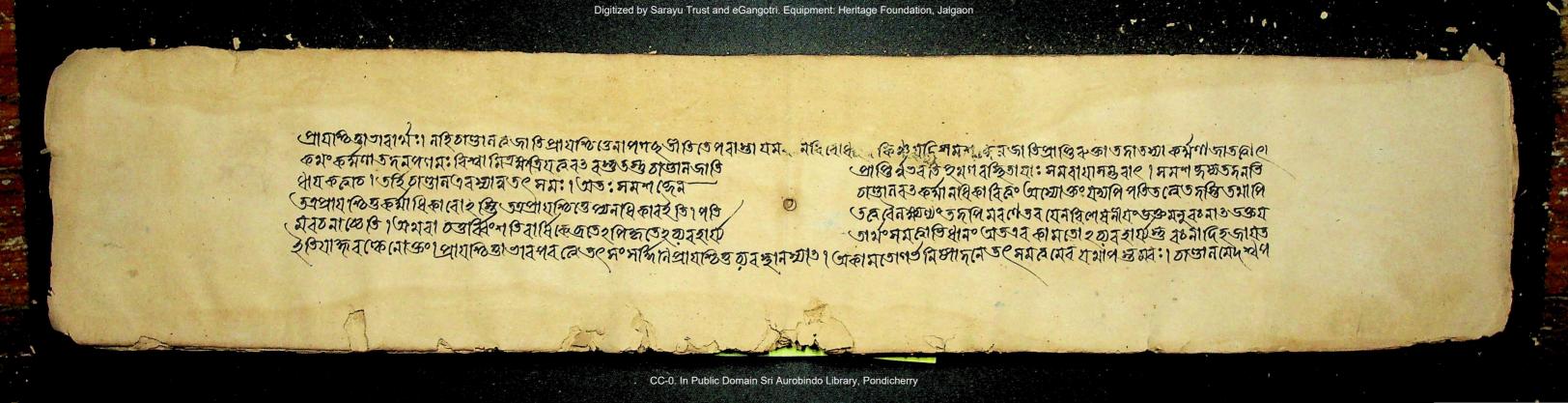


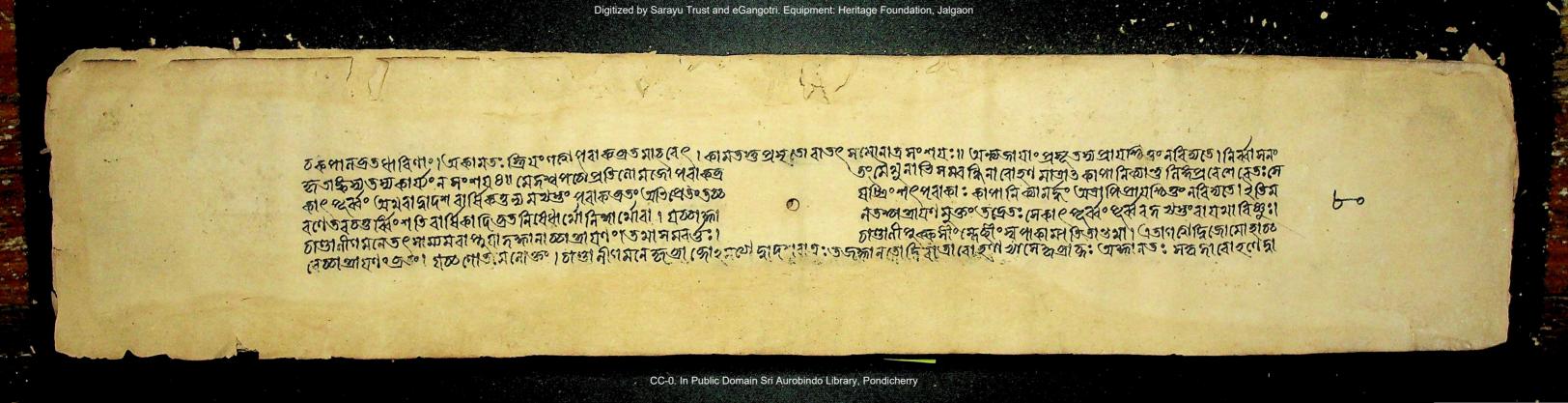


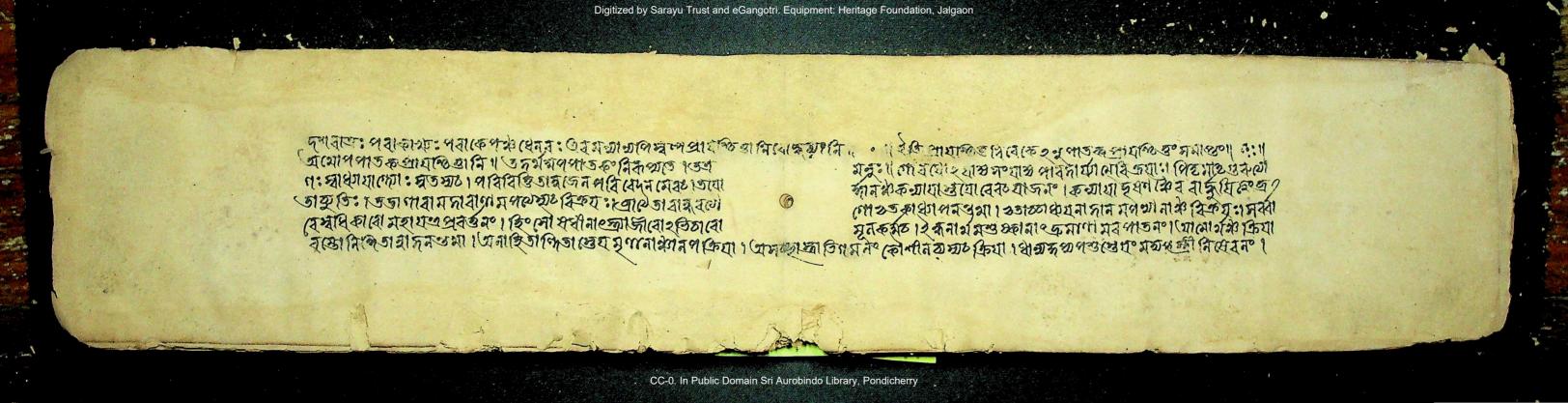


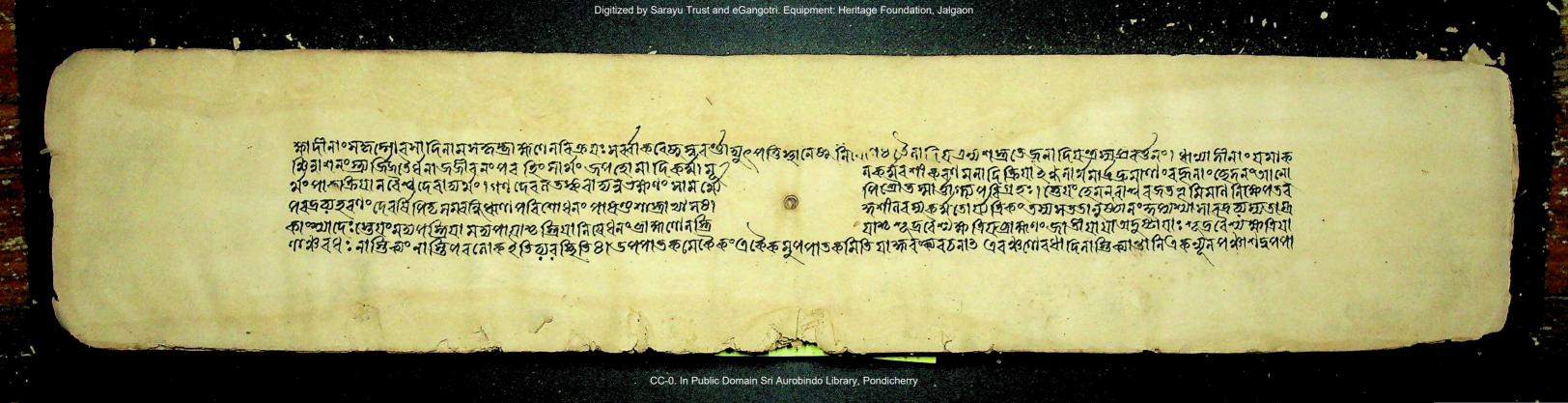


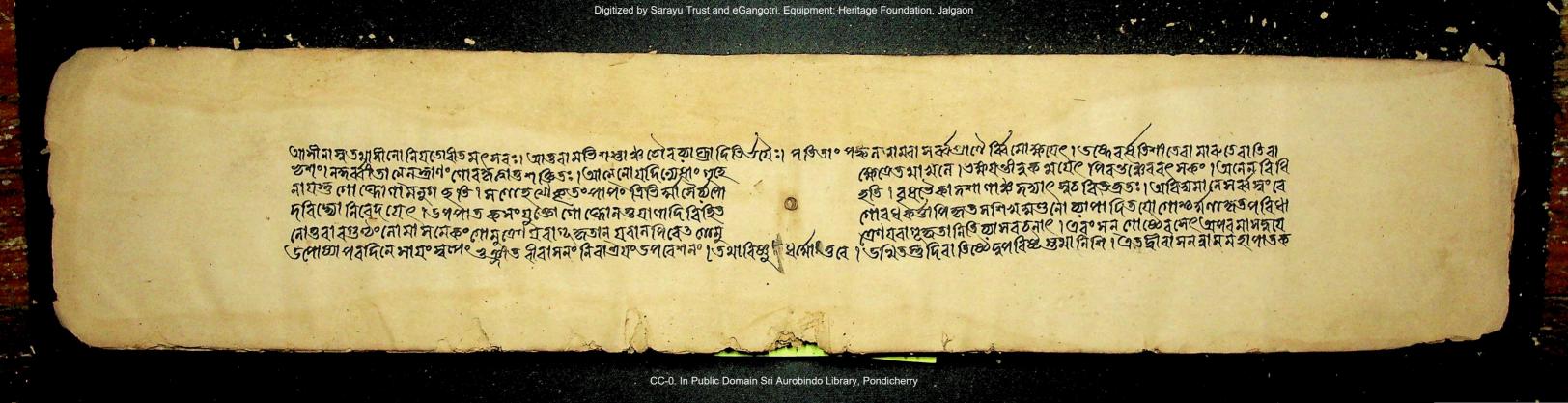


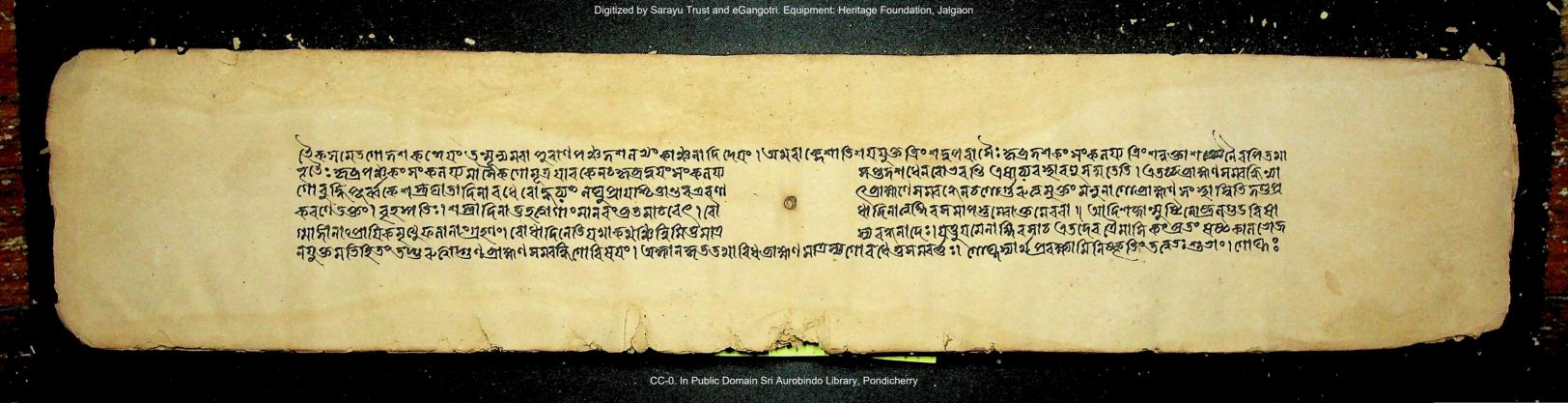


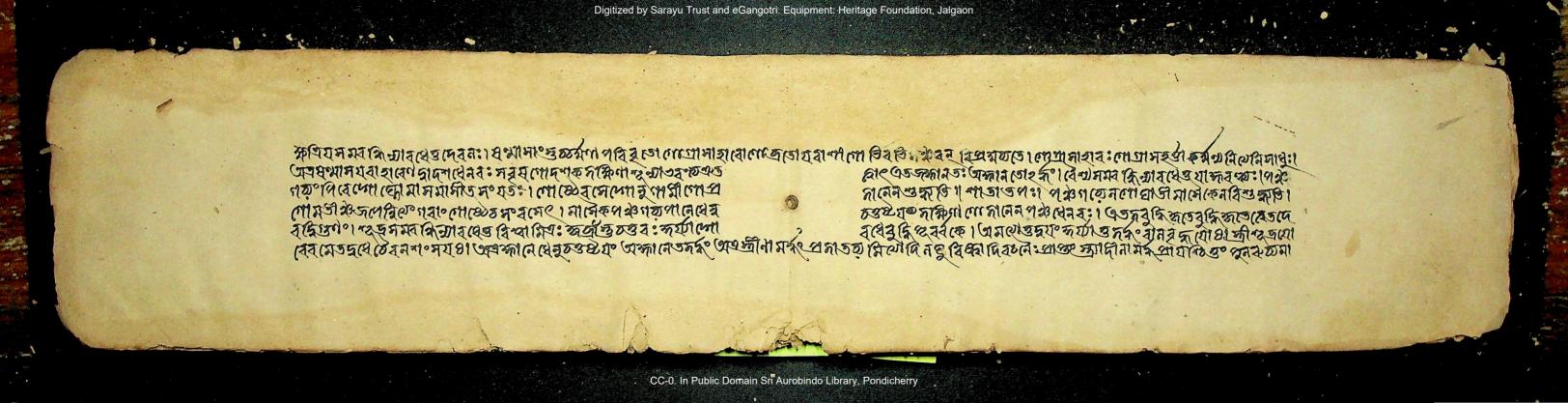


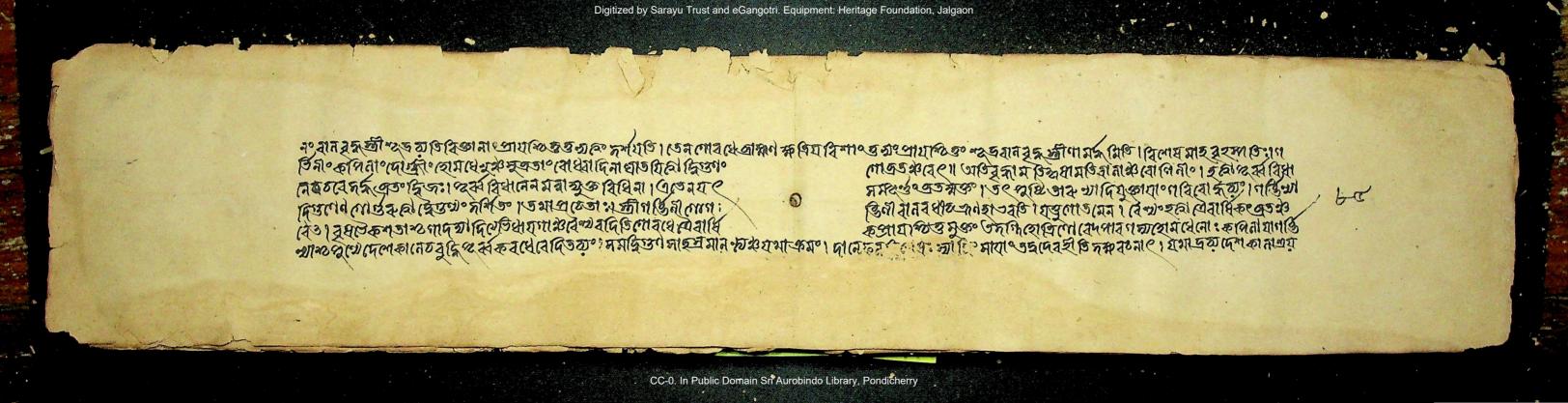


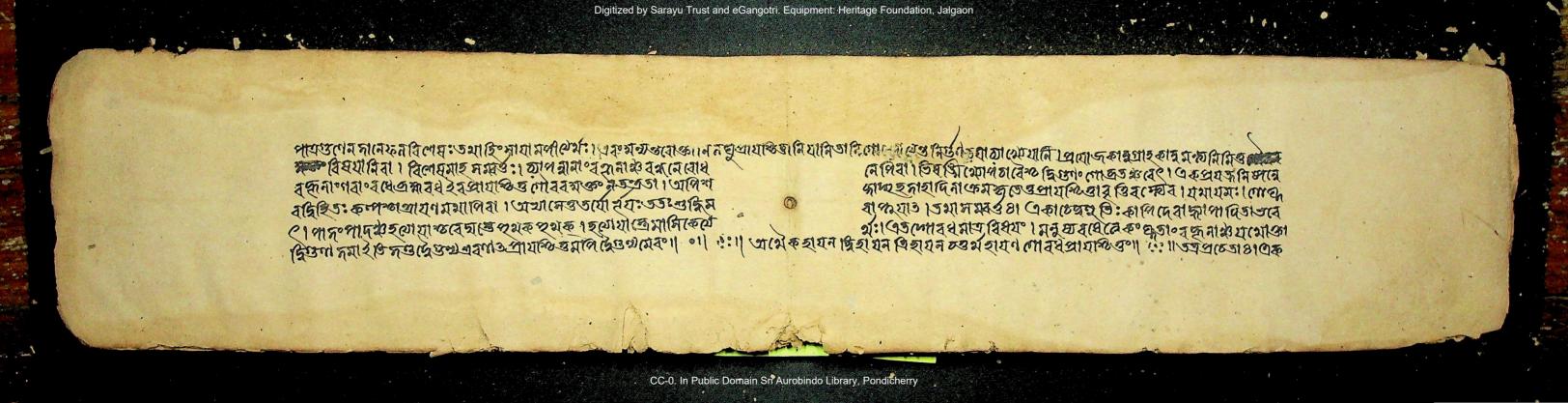


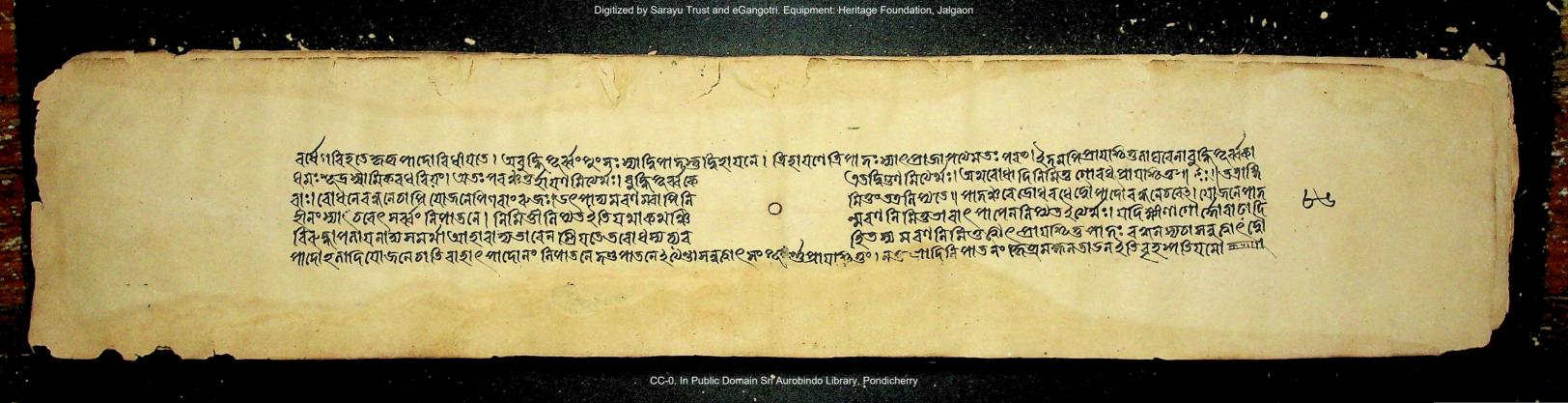


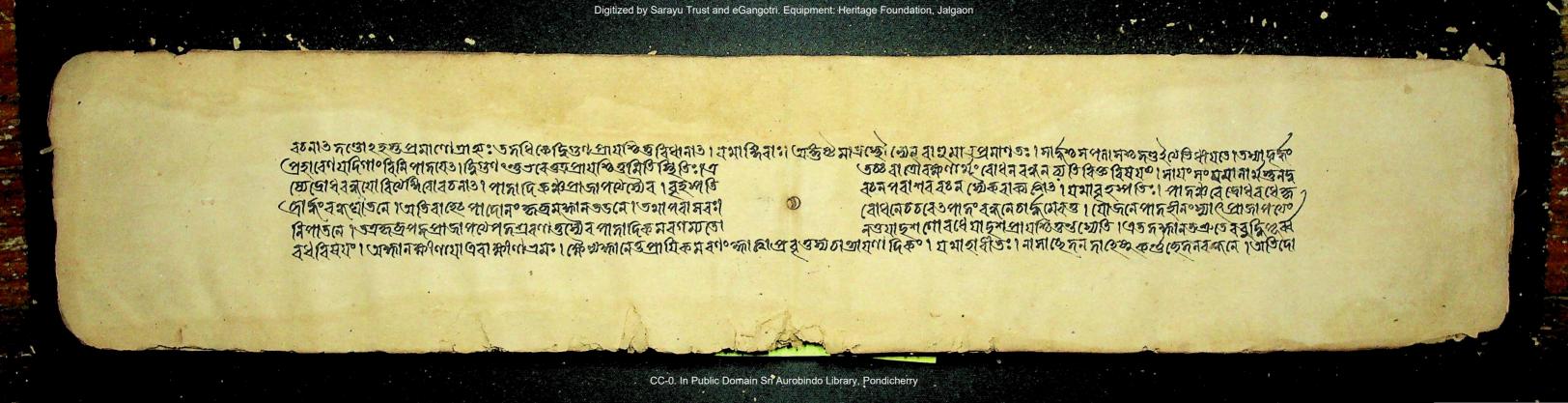


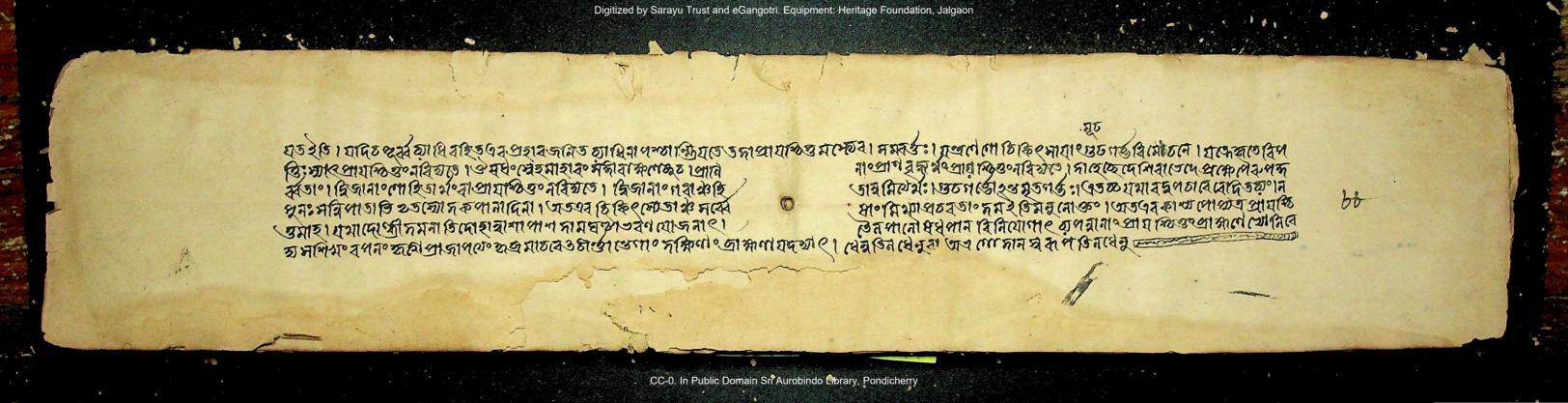


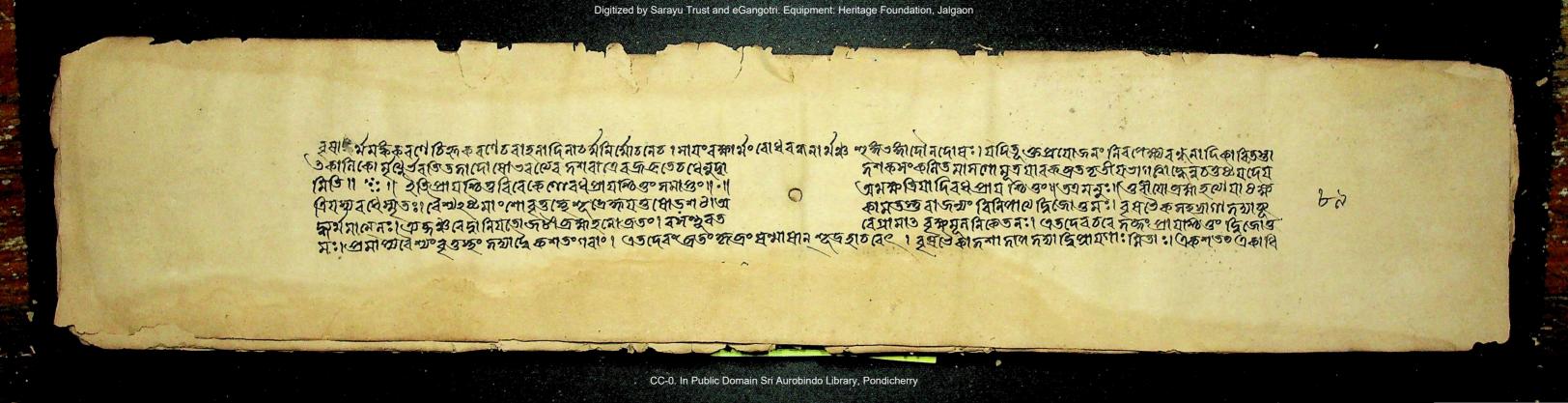


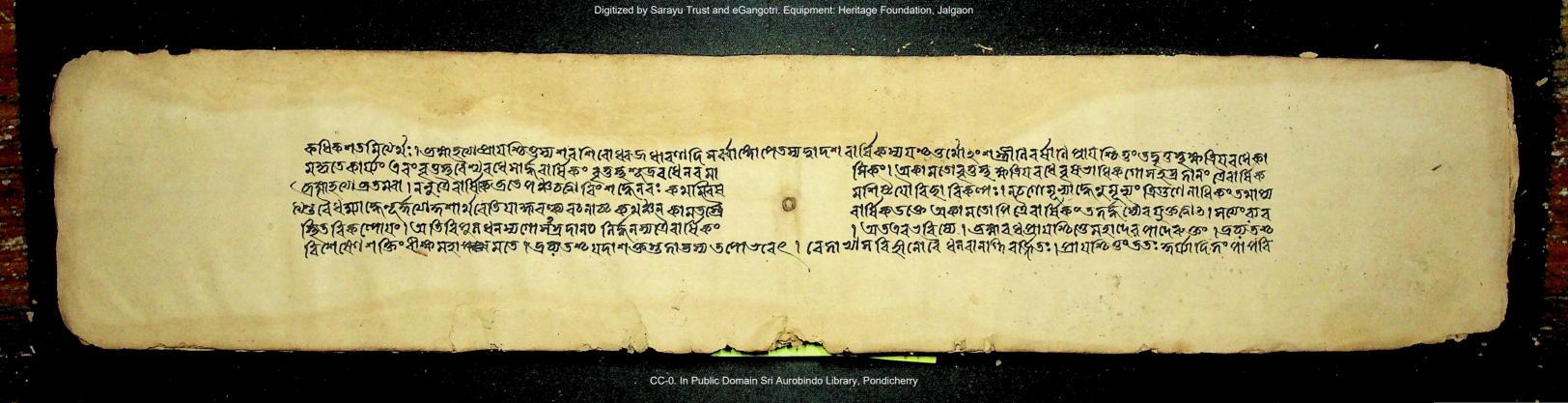


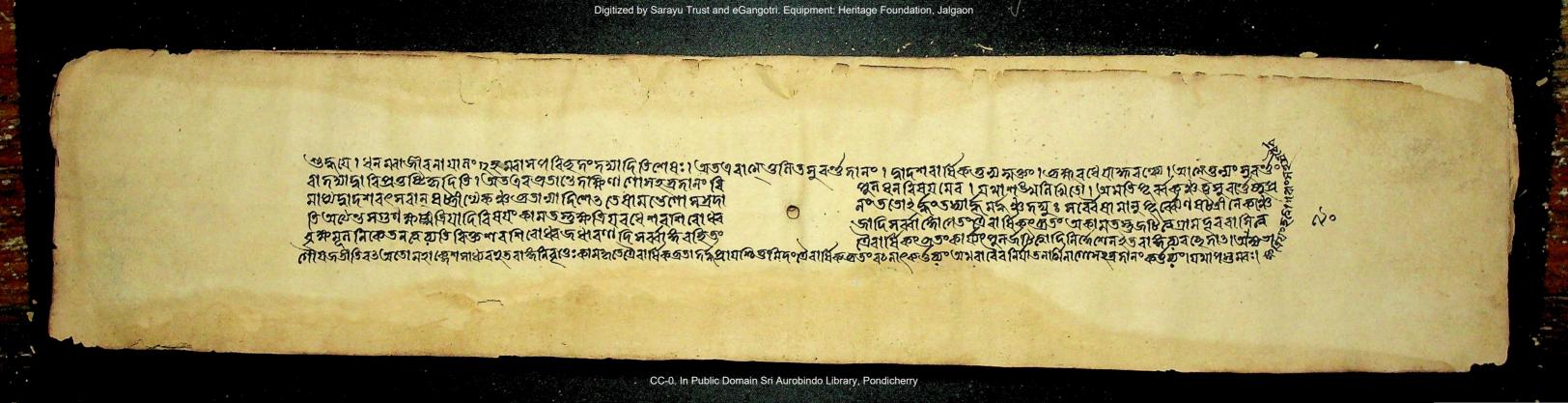






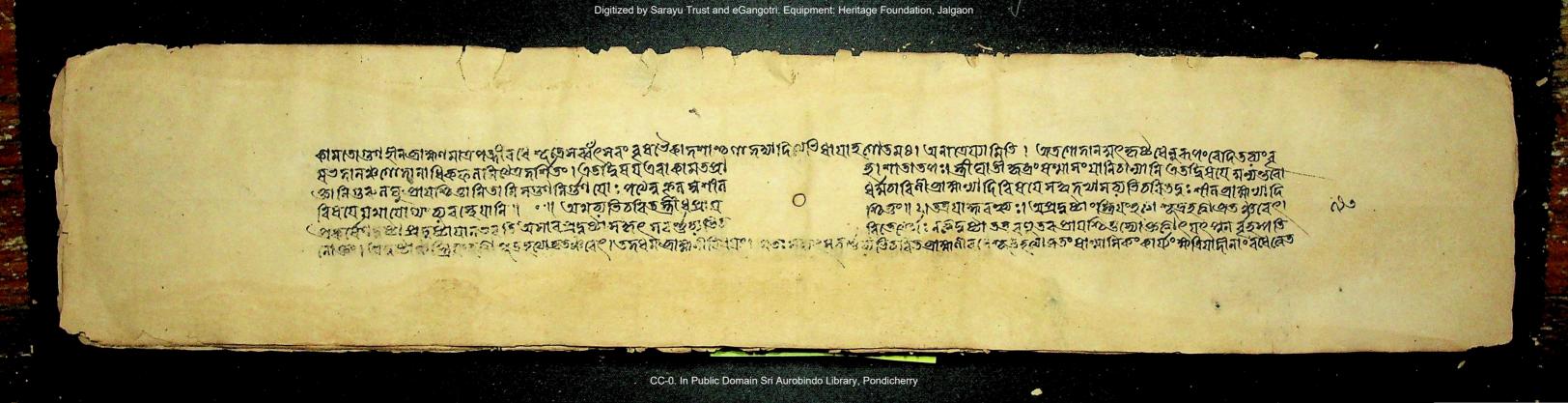


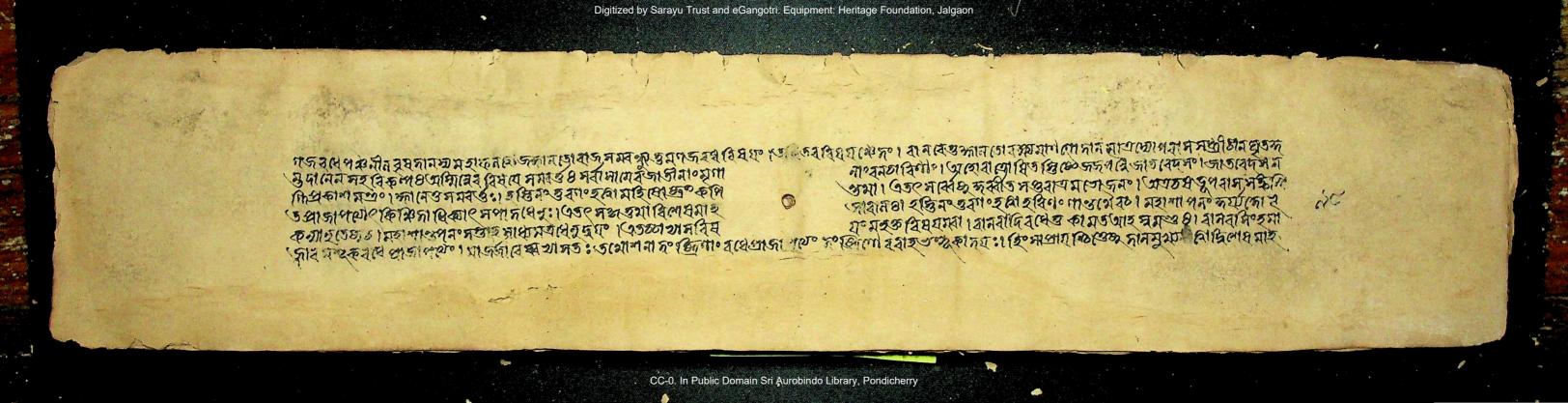


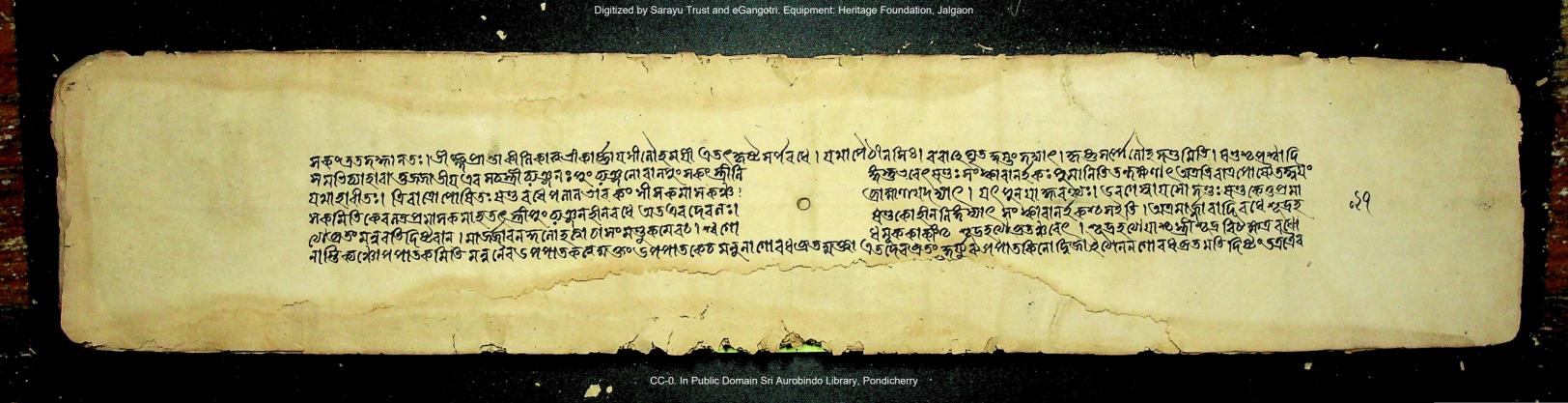


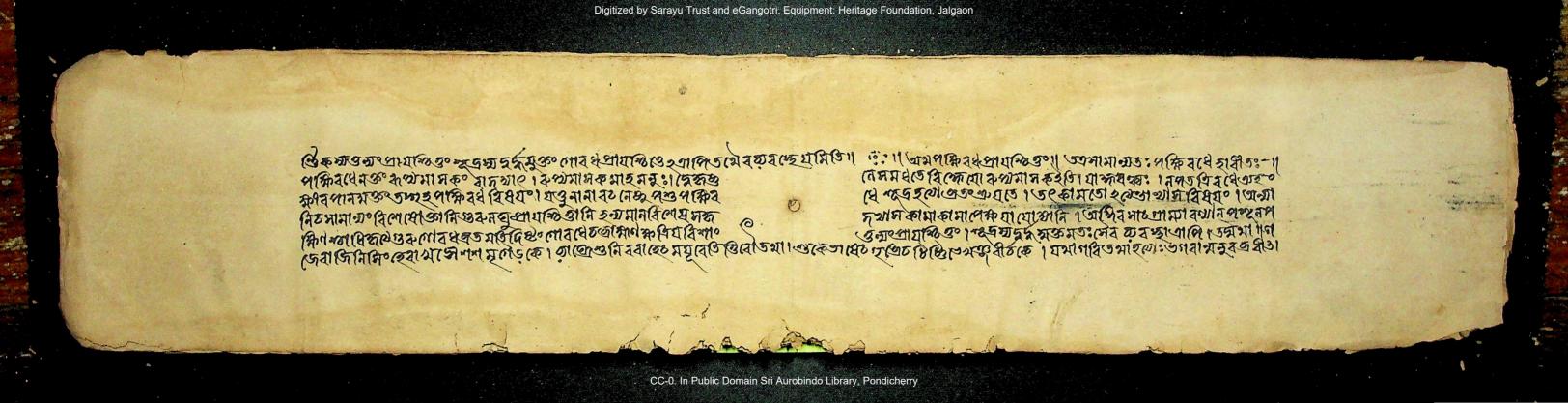
प्रियिष्य क्रिया क्रय क्रिया क्रिया

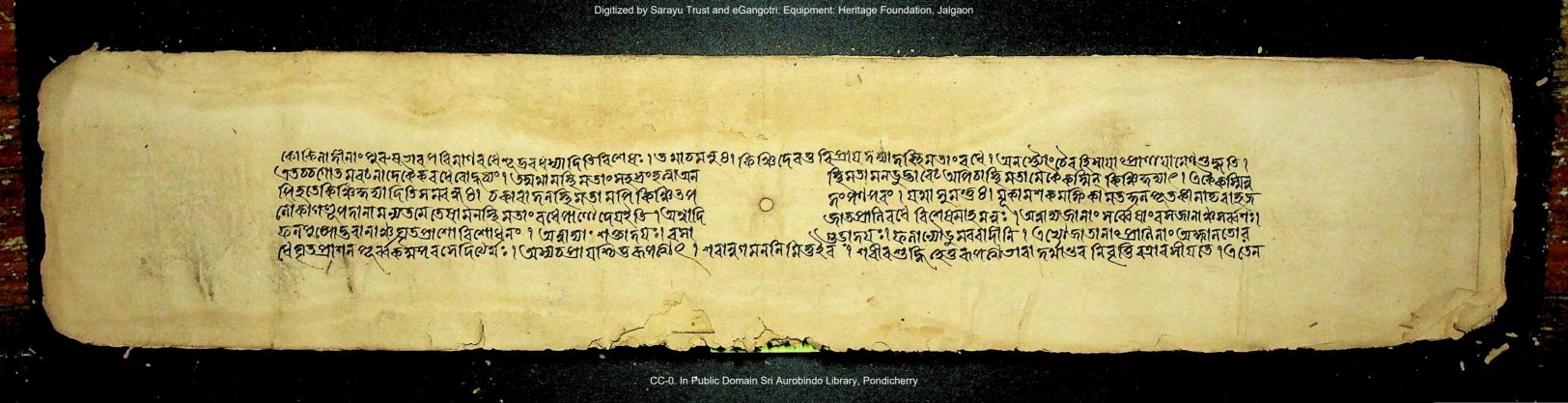
CC-0. In Public Domain Sri Aurobindo Library, Pondicherry











প্রকারণ - প্রকারণ প্রকারণ বিষ্ণারণ বিষ

प्रभाविष्युः।ठास्त्र विश्व अक्षित्र विश्व विश्व अक्षित्र विश्व क्ष्य विश्व वि

प्रियम् भरेष्ठ अपन्य म्क्या । भव विवाद ती एक स्वाद्य कि प्रियम् । प्रियम् अपन्य प्रियम् अपन्य प्रियम् । प्रियम् अपन्य प्रयम् अपन्य प्रियम् अपन्य प्रयम् अपन्य प्रयम्य प्रयम् अपन्य प्रयम्य प्रयम् अपन्य प्रयम् अपन्य प्रयम्य प्रयम् अपन्य प्रयम् अपन्य

वाभगा जाणाम छेर मा एक मा अक्र का मा अक्र का

200

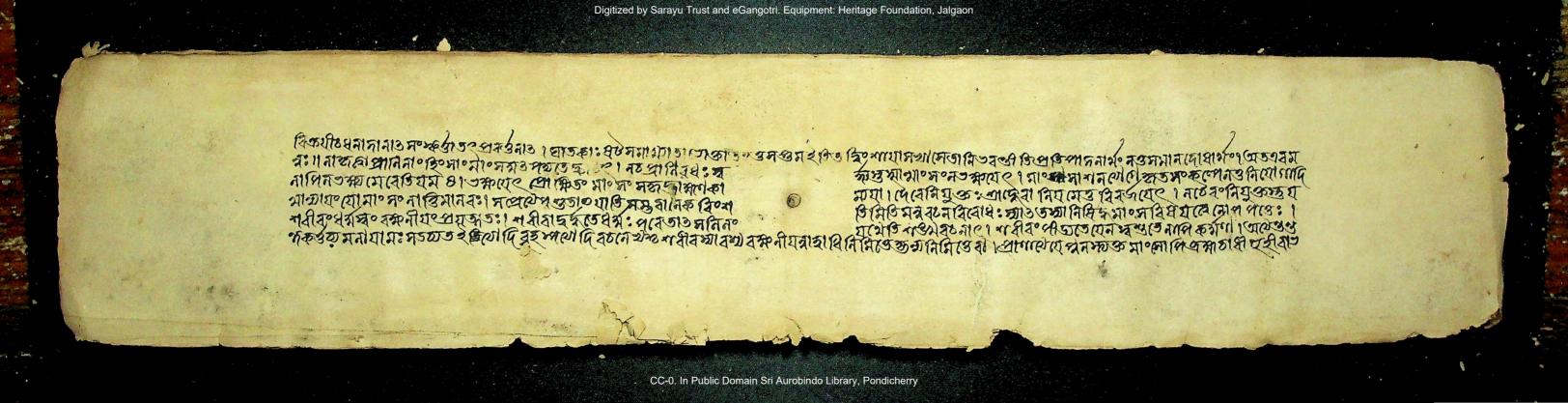
CC-0. In Public Domain Sri Aurobindo Library, Pondicherry

स्वर्ती लिखि कर विविध्य । विविष्य । विविध्य । विविध्य । विविध्य । विविध्य । विविध्य । विविध्य ।

क्ष्विति प्रकार कार्य है । जा कार्य के क्ष्य कार्य के क्ष्य के क्

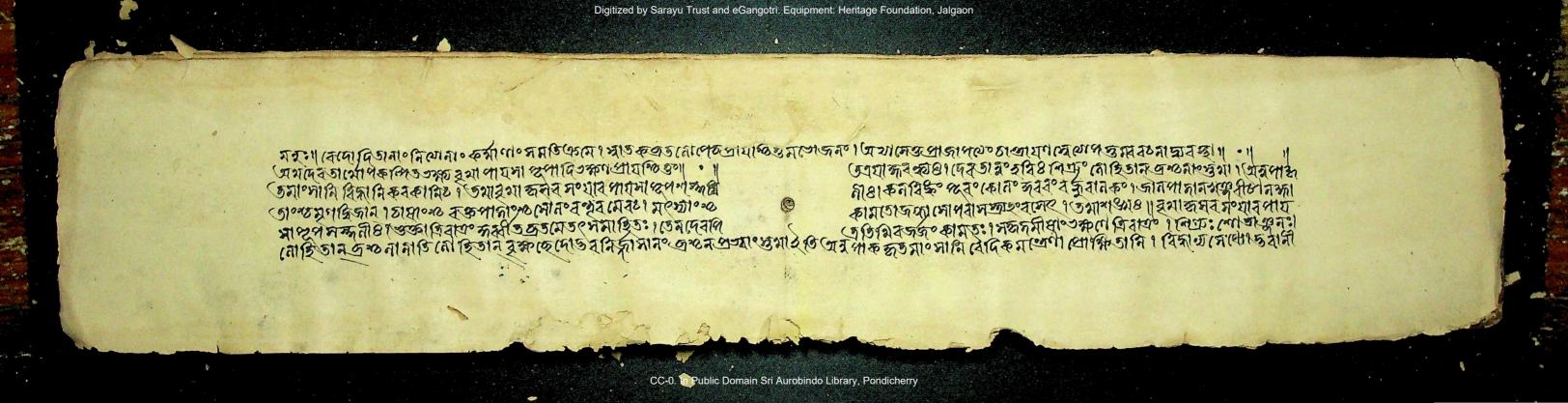
কানাখাদেহকানাখাদেহদ হ' হম্ভ: ক্রেচি সুষাদিশের প্রাণ্ড ক্রেচারী ক্রমান্ত বি তিরামান্ত ক্রমান্ত বি তিরামান্ত কর্মান্ত বি কর্মান্ত কর্মান্ত

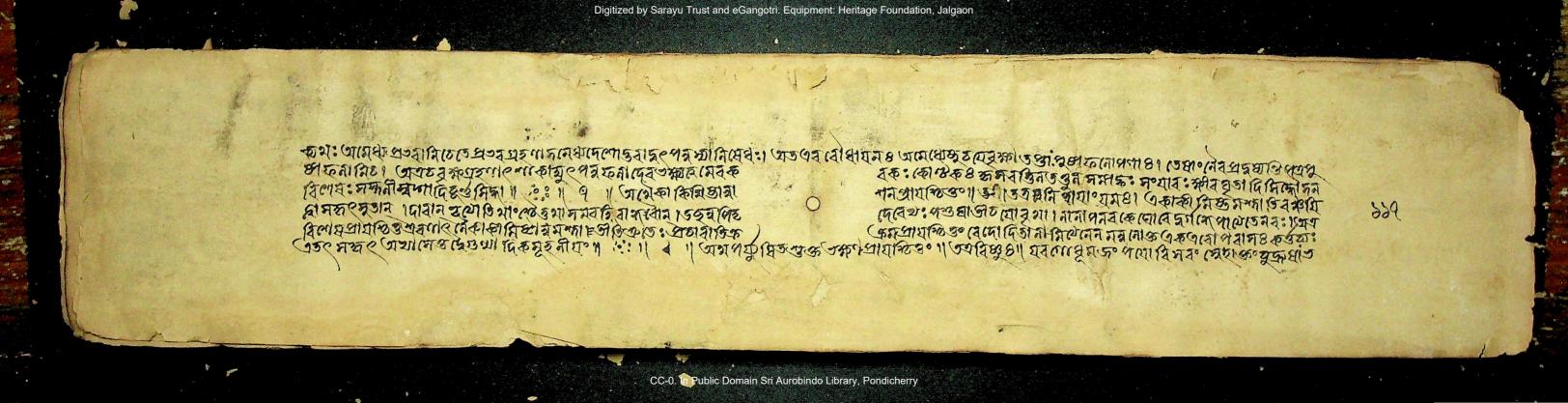
कि । त्यात्रम दें (क्रमा एकि : में के स्वर्ध प्रिक्त ) : से मा (क्षां के स्वर्ध क्षां प्रिक्त क्षां

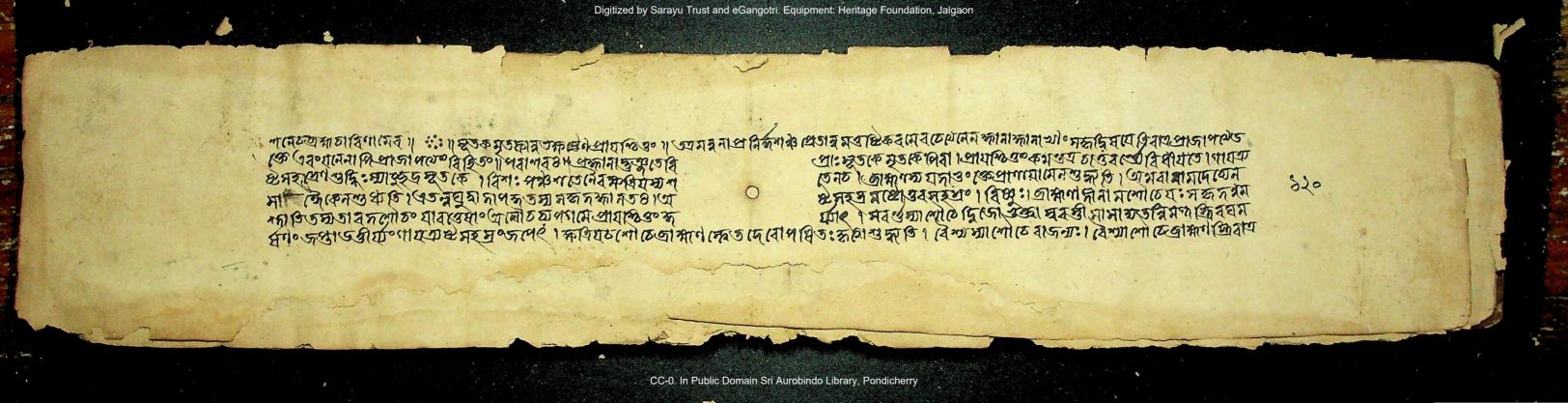


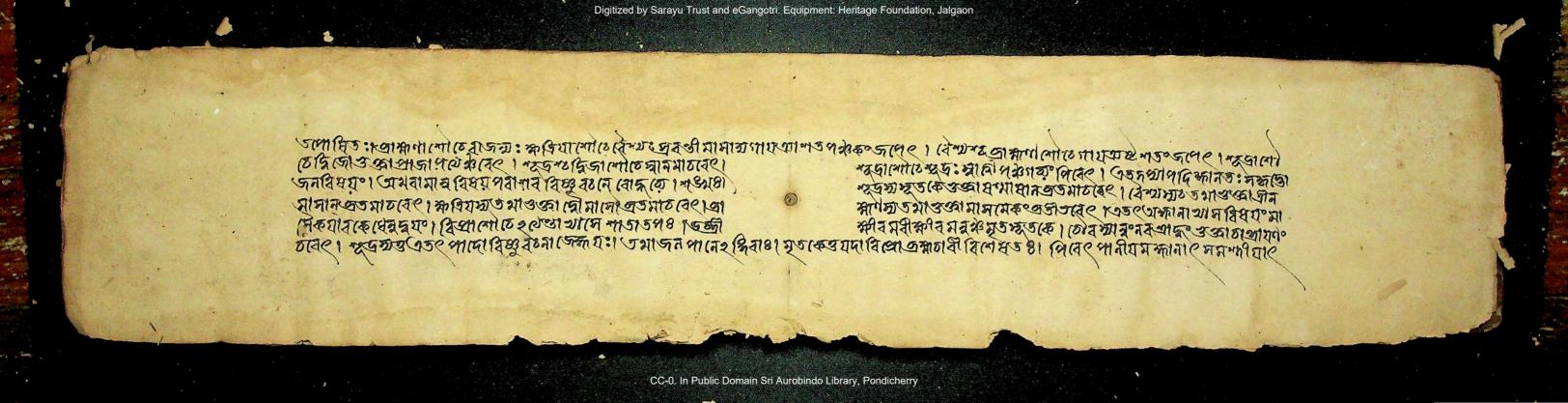
Digitized by Sarayu Trust and eGangotri. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon म्प्रियान्याभिक्तां का मुख्यां मान्य का माना विक्र का भागा विक्र का अधिक विक्र प्राप्त का भागा विक्र का माना विक्र का माना विक्र माना विक्र का रिक्या में अन्य हु हता मान स्वामार स् क्षणा अस्ति हा जा असे सन्तः। (प्राप्ता अस्ति। स्त्र प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता । इस म उक्कात । याक्री वाक्रा गानि क्राणी नित्र नित्र विकास कारण । वाक्रासिक केरली किया । रेश न्या मंद्र विया मिया है। शाम न्ये कि सि विष्ठ में से भेड़ में प्रति या CC-0. In Public Domain Sri Aurobindo Library, Pondicherry

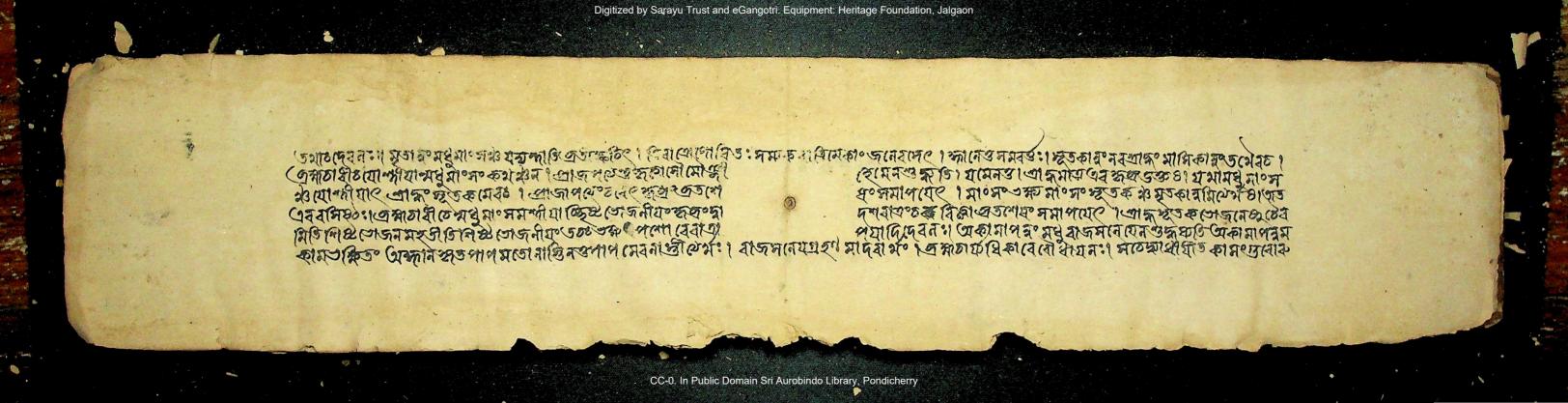
प्राचित्रा प्राचित्र प्राचार के प्रचार के प्राचार के प्राचार के प्राचार के प्राचार के प्राचार के प्रचार के प्राचार के प्रचार क

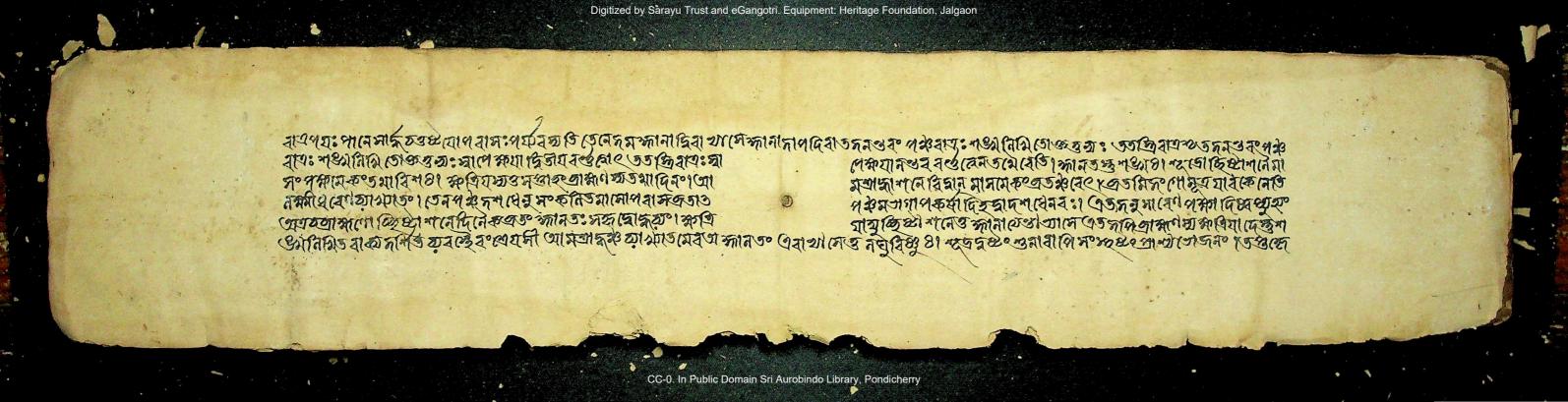












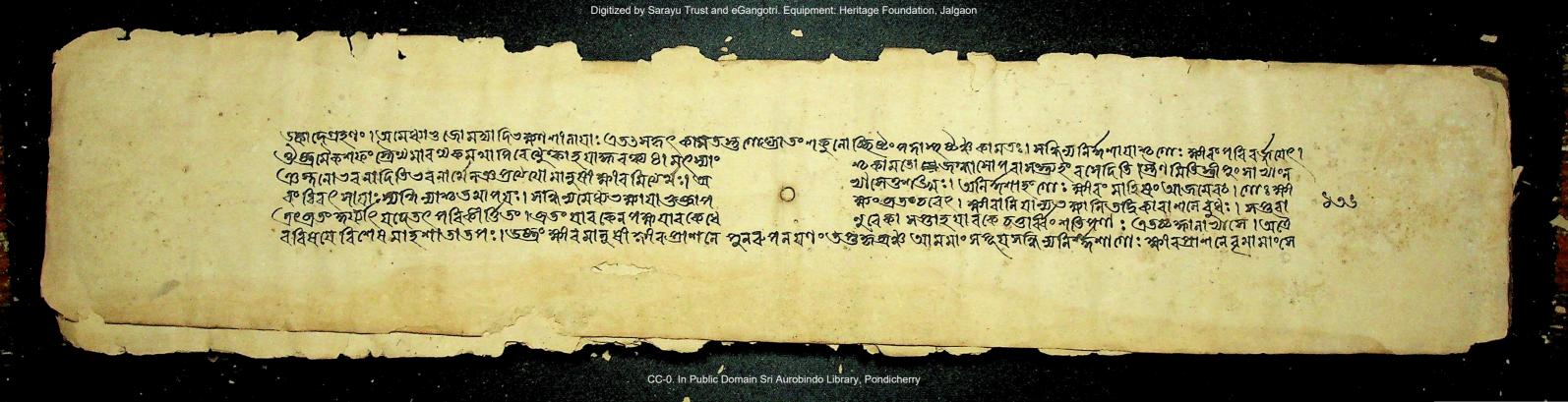
কালিং পিনি বিদ্যান প্রাণ্ড প্রমান প্রাণ্ড কর্মনার বিশ্ব করে বিদ্যান করে বিশ্ব বিশ্ব

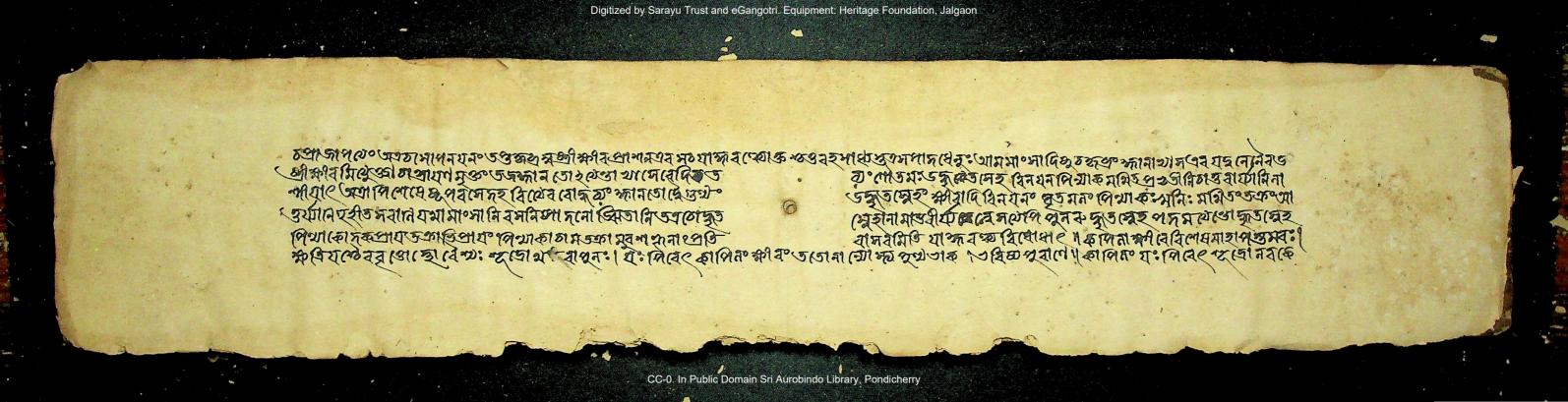
বিশ্বমন্তি নির্দানিত আমান্ত আমার্মান্ত বিশ্বমন্ত হিন্দার বিশ্বমন্ত বিশ্বমন্ত বিশ্বমন্ত বিশ্বমন্ত বিশ্বমন্ত বিশ বিশ্বমন্ত বিশ

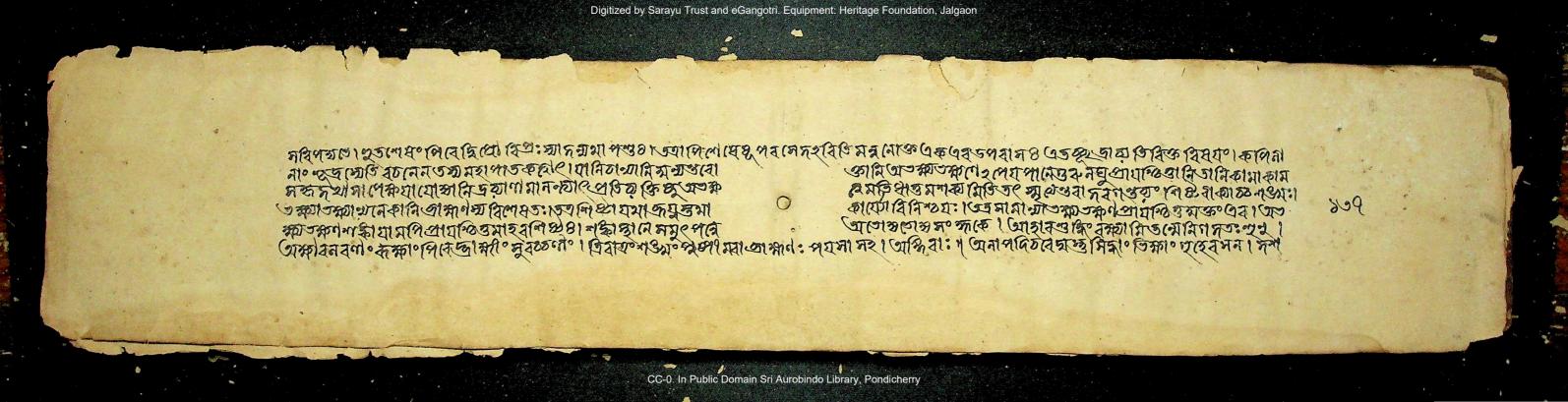
ees

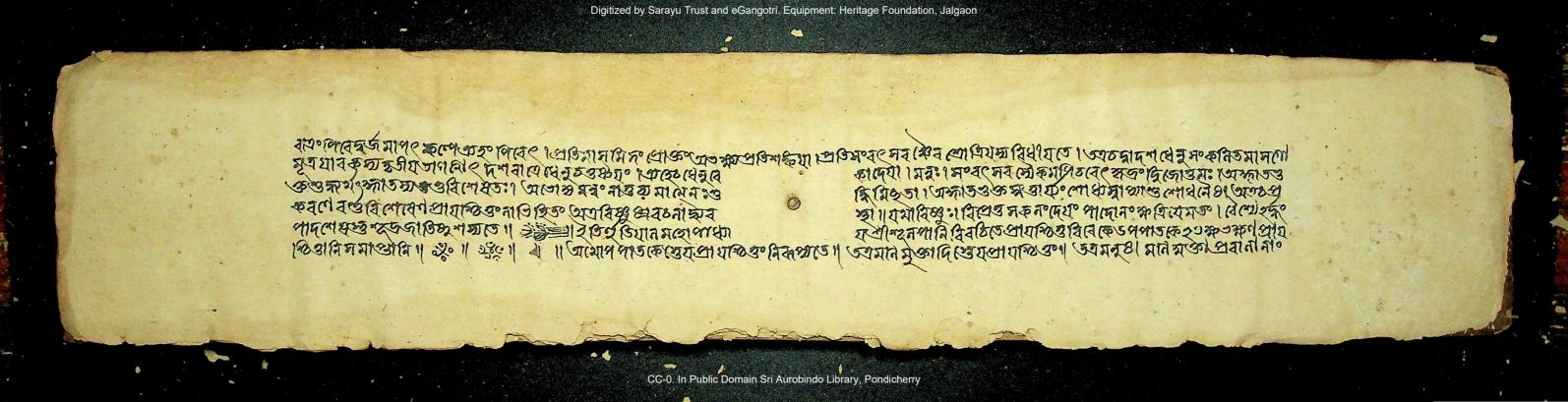
स्वापान मण्डम् । जिल्लाक विराण मण्डम विरा

Deck



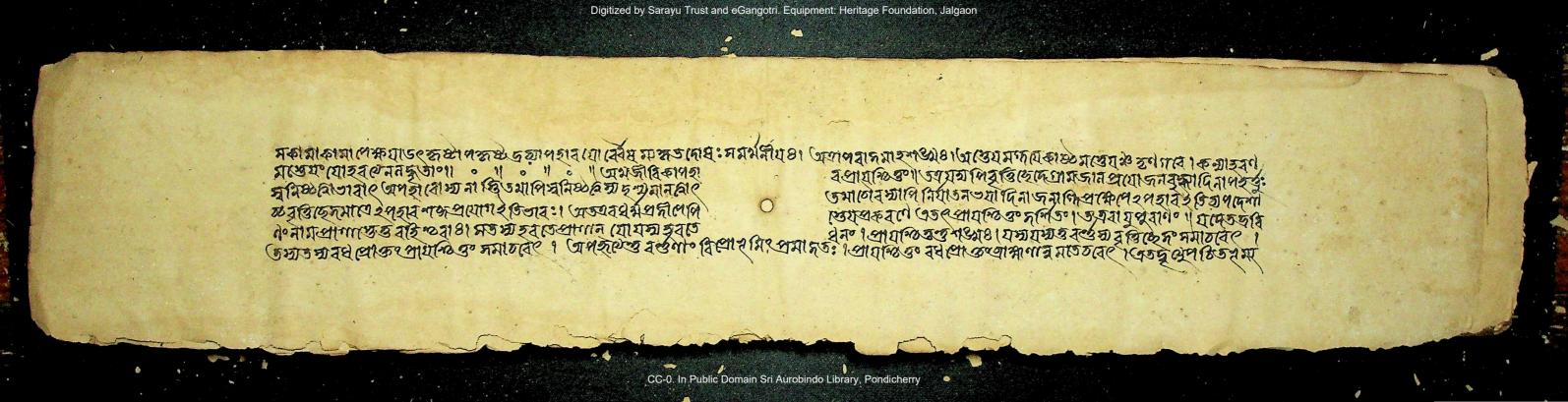


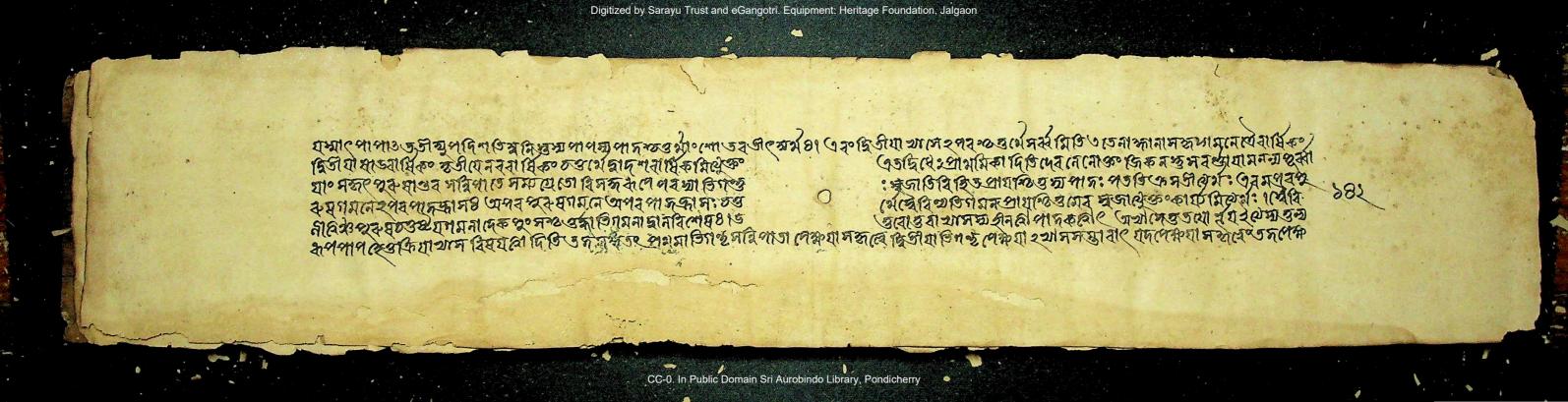


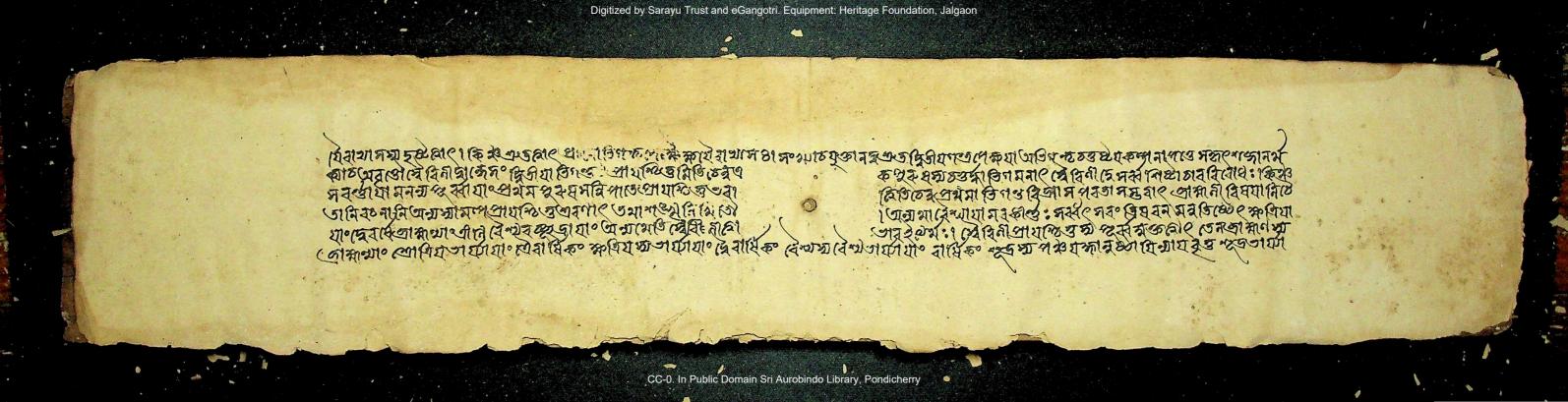


स्थानि हैं या शाह भारक हिला है । त्या शर्र के हैं । जा सार है है है । जा सार है । जा सार

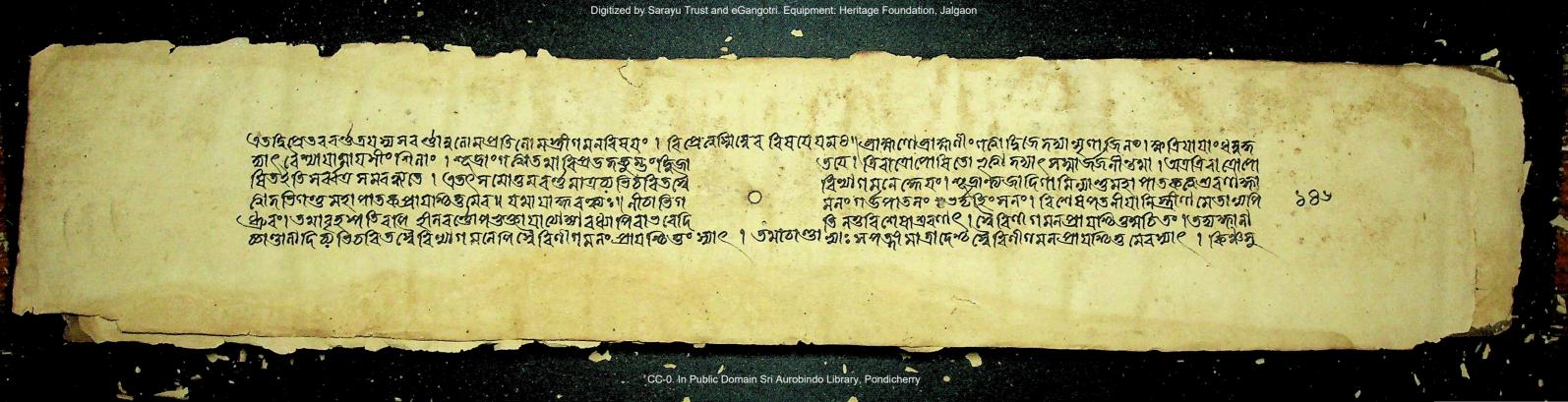
स्मित्ति स्मा हिंडा । तथः क के कि हिः प्रमण्ड विपाल आया । त्र के कि हि हिम के अव कि अव कि

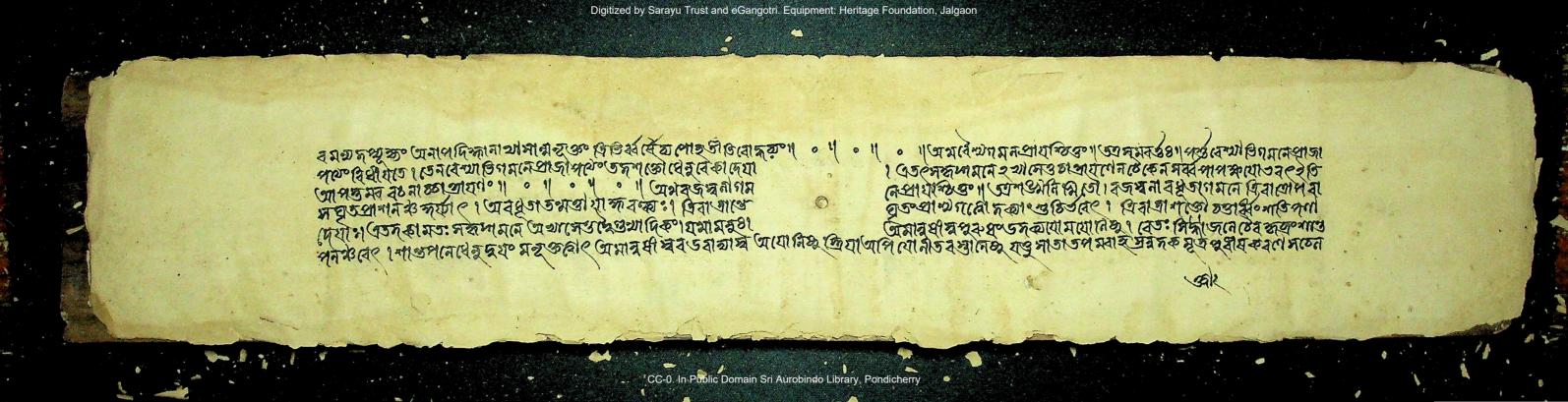


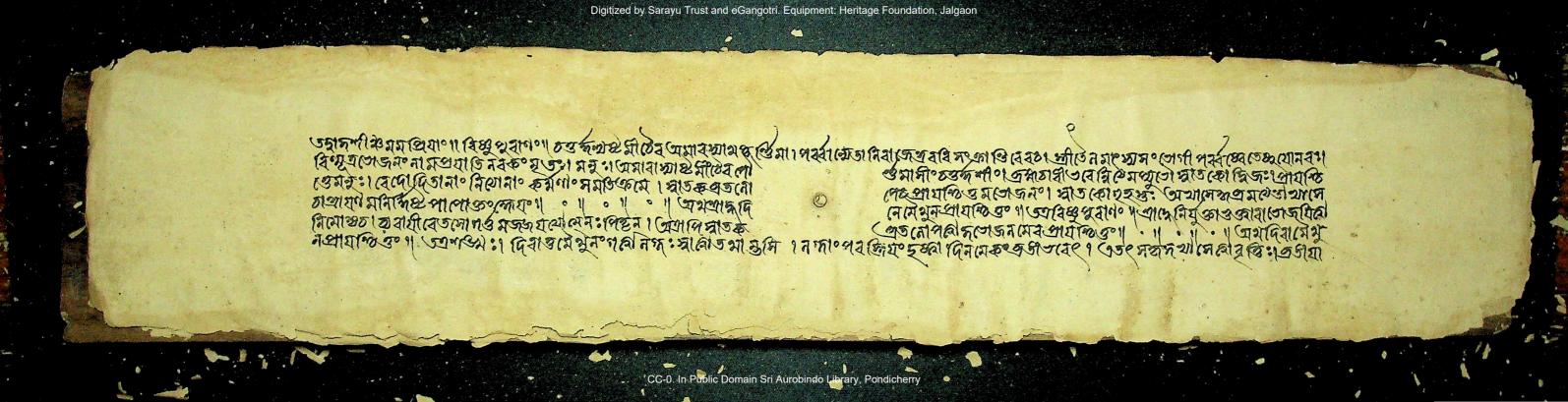


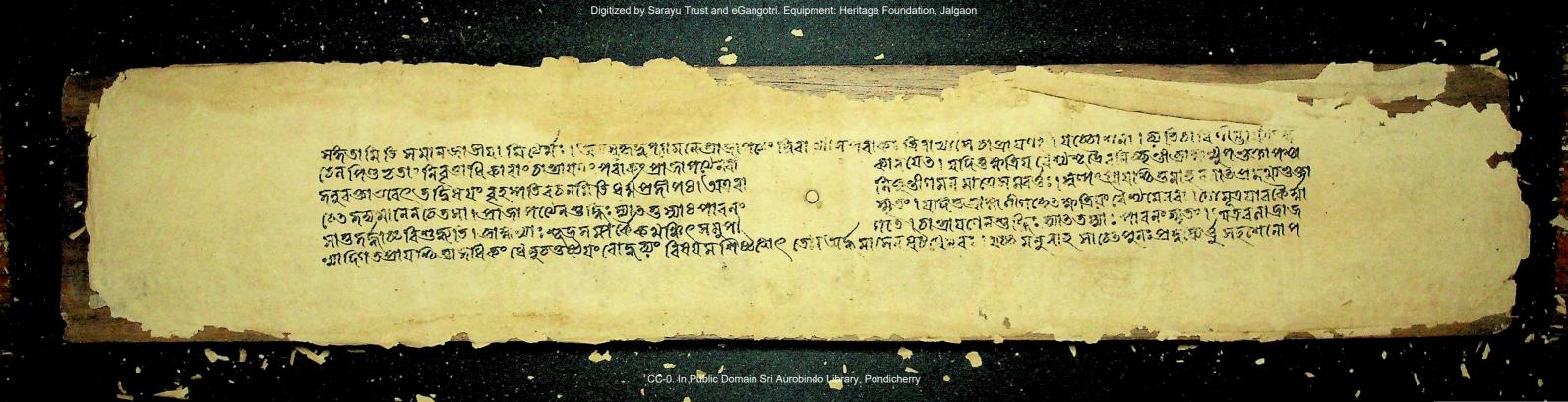


Digitized by Sarayu Trust and eGangotri. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon विकारिका विकार मान्या विकार का विकार के इन इन कि से हैं। इन से का का का का कि से कि के से कि के कि कि कि कि कि से कि कि से कि कि कि से कि नक्डः मार्का विका श्वापानिक तियु (प्राप्त मेन माना निक्रां । पर्वन विन्याक्राकान (डा अवाक्षाती गमानन न न मिक्न कि मिया यो जान हा थी। आमित्राम भाष्याधिक प्राविष १ जाय से ब्रुग्र म् म्या छ व । प्रायि "द्वारा का भागा प्रमन महा भाजक (मा कि जभा मा विया विश्व ।या का भा नागम्मस् भाउक्ति उभाक्षत्रामाममेन आत्र दम्भा क्राम्य उर अमेकी मनवर्खित मधिताम स्वीत्राम स्वायान्य संभूक मांगत्वे श्रुवालिकवित्रमवर्था मृतर्थं कील प्रतः भी मृत्य छ ।। (१ के भ्रू सवाविक ॰ ॥ प्रभूमनवर्ष्ध्र अपन्छ दिविश्वरो विक्रमीत्रात १७ डिमीत्रात १७ डिमीप्र १ क्यायिक द्वायव १ ज्यायिक द्वाय त्राया माना प्राप्त भव द्वार के विक्रमीत्रात १ कि इसीत्र भव द्वार के विक्रमीत्र क CC-0. In Public Domain Sri Aurobindo Library, Pondicherry









Digitized by Sarayu Trust and eGangotri. Equipment: Heritage Foundation, Jalgaon ग्राम् । क्रब्रु॰ हा व्याराप॰ हिन् क न्याः भार न॰ क्रुक् । यह व्यक्तिका हार कर श्री व्याप्त हिन्द यञ्चलक्ष्यं वहनः। वानवन्। तिजानाश्ची मवार्थनक्राकेन । भागन्त क दिश्व दिश्याः खन्न में मादि लए। की विश्व का म्याल मी मालका कि ममाण्यादिति । उत्पान भवार्यन तमाए अक्रोगायकः मिका व्याक्तिवा (मणाजानितं न्यायाता दिनिन्य तता दे अवता गात्या मक्रमार्य अवता (न क्लाफ वि । धर्म वर्षा भाग । (भामक भी विषय पत्र व की र को वर्ग मान [वरः जिकार आक राजाया मार ममत्रेश राजात यक मण्या ह 303 यातिमाना विखेक तबु आयिन जो निजा निव विश्व प्रवेश । यात्र विश्व या भारा । या व्याति ए अविलान माज्ञिक्ष श्री १ वड्ड छ अविलोकाः निकानां छ भगाख्या। अभिकृति विलासिन क्रितिन भग कार्या। क्रिके कर नित्त म्यः। डिक्लिकाशा मामाकाता । ।। । जन्छ। जन्माना CC-0. In Public Domain Sri Aurobindo Library, Pondicherry

